MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 08 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-38

नामपल्ली फॉरेंसिक लैब स्वाहा, कई अहम फ़ाइलें जलकर खाक

साजिश की 'बू'

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित स्टेट फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में शनिवार को भीषण आग लग गई। इस दुर्घटना में लैब के साइबर फॉरेंसिक विभाग में रखे कंप्यूटर और स्टोरेज डिवाइस जलकर खाक हो गए हैं। इस घटना ने कई सनसनीखेज मामलों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिए हैं, जहाँ इन डिवाइसों में मौजूद रिपोर्ट और सबूत आरोपियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उल्लेखनीय है कि यह फॉरेंसिक लैब राज्य पुलिस, अदालतों, अन्य राज्यों की पुलिस और राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से प्राप्त साक्ष्यों जैसे बैलिस्टिक, टॉक्सिकोलॉजी, डीएनए परीक्षण, साइबर फॉरेंसिक और दस्तावेजों की जाँच करती है। प्रयोगशाला में आग्नेयास्त्रों, नशीले पदार्थों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों का विश्लेषण किया जाता है, जिनकी वैज्ञानिक रिपोर्ट अदालती कार्यवाही का आधार बनती है।

40 से अधिक कंप्यूटर और महत्वपूर्ण डेटा नष्ट

शनिवार सुबह करीब 10:21 बजे लगी यह आग कथित तौर पर साइबर फॉरेंसिक सेक्शन से शुरू हुई। इस विभाग में रखे 40 से अधिक कंप्यूटर और उनसे संबंधित उपकरण पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। दमकल अधिकारियों का कहना है कि डेटा रिकवरी एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हार्डवेयर बुरी तरह जल चुका है। इस आगजनी में हाई-प्रोफाइल मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि नुकसान के सटीक परिमाण का अभी आकलन किया जा रहा है।

सूचना मिलने पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से दमकल की गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। एक स्थानीय दमकल कर्मी ने बताया, शुरुआत में भारी धुएं के कारण पहली मंजिल पर प्रवेश करना असंभव था। ▶10 पर

वोट के बदले नोट सबूत नष्ट होने की आशंका

नामपल्ली स्थित स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैब में शनिवार को लगी भीषण आग ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। जहाँ एक ओर अधिकारी नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं, वहीं विपक्षी दल बीआरएस ने इस घटना के पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई है।

इस अग्निकांड में साइबर फॉरेंसिक सेक्शन के 40 से अधिक कंप्यूटर, स्टोरेज डिवाइस और महत्वपूर्ण हार्ड डिस्क जलकर खाक हो गए हैं, जिससे कई हाई-प्रोफाइल मामलों के सबूतों पर संकट मंडरा रहा है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारक रामा राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने संदेह जताया कि यह आग वोट के बदले नोट मामले से जुड़ी वॉयस रिकॉर्डिंग और फोन टैपिंग मामले में कांग्रेस सरकार द्वारा कथित तौर पर बनाए गए झूठे सबूतों को नष्ट करने का एक प्रयास हो सकती है। केटीआर ने इस घटना के समय पर सवाल उठाते हुए इसे साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश करार दिया।

वहीं, बीआरएस नेता मन्ने कृषांक ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि इस आग में वास्तव में कौन से सबूत नष्ट हुए हैं? इन राजनीतिक बयानों ने प्रशासनिक जांच के बीच एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

कार ओआरआर से गिरी, दो की मौत

संगारेड्डी, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पटनचेरू पुलिस स्टेशन सीमा के पोचारम गांव में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार आउटर रिंग रोड (ओआरआर) से गिर गई, जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि पीड़ित जू-पार्क से यात्रा शुरू कर संगारेड्डी जिले के गड्डापोथारम की ओर जा रहे थे, जब ड्राइवर ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया

और वाहन ओआरआर से नीचे गिर गया।

असली जिन्ना अंग्रेज़!

ब्रिटिश भू-राजनीति ने बनाया पाकिस्तान

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान मोहम्मद अली जिन्ना की राजनीतिक रचना नहीं, बल्कि भारत में औपनिवेशिक शासन के अंतिम वर्षों में ब्रिटिश भू-राजनीतिक रणनीति का परिणाम था। यह बड़ा बयान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अपनी पुस्तक ''कोलोनाइजेशन क्रूसेड एंड फ्रीडम ऑफ इंडिया: अ सागा ऑफ मॉन्स्ट्रस ब्रिटिश बार्बेरिज्म अराउंड द ग्लोब'' के विमोचन के दौरान दिया।

द्विवेदी ने तर्क दिया कि 1946 की राजनीतिक और चुनावी वास्तविकताएं जिन्ना के लिए स्वतंत्र रूप से पाकिस्तान बनाना असंभव बना देती थीं। उन्होंने यह दावा किया कि यह ब्रिटिश सरकार थी, जिसने पाकिस्तान का ''आटा गूंथा और केक बेक किया''।

इस पुस्तक का विमोचन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल तथा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे।

पुस्तक के थीसिस के बारे में बोलते हुए, द्विवेदी ने कहा कि सत्ता हस्तांतरण के दस्तावेजों में उनके शोध ने उन्हें इस निष्कर्ष पर पहुँचाया कि जिन्ना ने पाकिस्तान का निर्माण नहीं किया। उन्होंने कहा कि 1946 के प्रांतीय चुनावों में, जहाँ कांग्रेस की सरकारें कई प्रांतों में बनीं और मुस्लिम लीग का पूरे उपमहाद्वीप में निर्णायक अधिकार नहीं था, इससे उन कथनों को खारिज किया गया जो पाकिस्तान के निर्माण का श्रेय केवल जिन्ना को देते हैं।

द्विवेदी ने कहा, मुझे पर्दे के पीछे क्या हो रहा था, इसके बहुत सारे दस्तावेज मिले। राजनेता बाहर एक बात कहते हैं। अंदर क्या हो रहा है, वह काफी अलग है। सत्ता हस्तांतरण के कागजातों को पढ़ने के बाद मेरा मानना है कि जिन्ना कायदे-आजम नहीं हैं। उन्होंने पाकिस्तान का निर्माण नहीं किया। 1946 के चुनावों में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, कांग्रेस के सभी लोग रिहा किए गए, चुनाव हुए। आठ प्रांतों में कांग्रेस की सरकार। दो प्रांत उत्तर-पश्चिम में, पंजाब, गठबंधन सरकार, जो गैर-मुस्लिम है। उत्तर-पश्चिम पंजाब प्रांत में भी कांग्रेस की सरकार थी। जिन्ना पाकिस्तान कैसे बना सकते थे? कोई सवाल ही नहीं था। उनके पास कोई अधिकार नहीं था, कोई शक्ति नहीं थी। लोग उनके पीछे नहीं थे। तो यह ब्रिटिश थे जिन्होंने पाकिस्तान का आटा गूंथा और केक बेक किया।

द्विवेदी ने यूरोपीय औपनिवेशिक विस्तार के साथ हुई हिंसा के पैमाने को भी संबोधित किया, यह कहते हुए कि यह बीसवीं सदी के तानाशाहों से जुड़े अत्याचारों से कहीं अधिक थी। उन्होंने कहा, जो तबाही हुई, जो नरसंहार अमेरिकी धरती पर हुआ... हिटलर ने जो किया, वह कुछ भी नहीं है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

संघ संग सल्लू मियां

मुंबई, 07 फरवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की मुंबई व्याख्यानमाला में पहुंचे। यह दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला 'संघ यात्रा के 100 वर्ष: नए क्षितिज' विषय पर आयोजित की जा रही है, जो संगठन की शताब्दी समारोहों का हिस्सा है।

यह कार्यक्रम पिछली शताब्दी में संघ की यात्रा, समाज में इसकी भूमिका, और उन विचारों और दृष्टिकोणों पर विचार करने के लिए आयोजित किया गया है जो इसके

भविष्य को आकार देने की उम्मीद है। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, आरएसएस ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर कहा कि व्याख्यान शृंखला का उद्देश्य इसकी शताब्दी वर्ष के दौरान संवाद और सार्वजनिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है।मुंबई व्याख्यानमाला 7 और 8 फरवरी 2026 को नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में निर्धारित है। यह कार्यक्रम संघ के व्यापक शताब्दी आउटरीच पहल के हिस्से के रूप में जनता के सदस्यों के साथ चर्चाओं के लिए वरिष्ठ संघ नेताओं और आमंत्रित वक्ताओं को एक साथ ला रहा है।

मुंबई कार्यक्रम दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता में आयोजित आरएसएस व्याख्यान शृंखला के पिछले संस्करणों का अनुसरण करता है। ▶10 पर

बांग्लादेश में निपाह वायरस से एक महिला की मौत: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की पुष्टि

ढाका, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को बांग्लादेश में निपाह वायरस के कारण एक महिला की मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि की है। यह दुखद घटना जनवरी के अंत में उत्तरी बांग्लादेश में घटित हुई, जिसने इस घातक वायरस की गंभीरता को लेकर एक बार फिर वैश्विक स्तर पर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक महिला की आयु 40 से 50 वर्ष के बीच थी। उनमें 21 जनवरी को बुखार और सिरदर्द जैसे सामान्य लक्षण विकसित हुए थे, लेकिन देखते ही देखते उनकी स्थिति काफी गंभीर हो गई। महिला को अत्यधिक लार निकलने, मानसिक भ्रम और दौरों की समस्या होने लगी थी। लक्षणों के उभरने के मात्र एक सप्ताह के भीतर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मृत्यु के अगले दिन की गई जाँच रिपोर्ट में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा की गई प्रारंभिक जाँच में पाया गया कि महिला का हाल ही में कोई यात्रा इतिहास नहीं था, जिससे संक्रमण के स्रोत को लेकर सवाल उठे। हालांकि, विस्तृत पड़ताल में यह सामने आया कि उन्होंने कच्चा खजूर का रस पिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों द्वारा दूषित किए गए फलों या तरल पदार्थों के माध्यम से ही इंसानों में प्रवेश करता है। बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों में खजूर का कच्चा रस पीने की परंपरा इस वायरस के प्रसार का एक बड़ा कारण रही है। इस मामले के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के संपर्क में आए सभी 35 व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें कड़ी निगरानी में रखा। राहत की बात यह रही कि उन सभी की जाँच रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जिससे स्थानीय स्तर पर वायरस के और अधिक फैलने का खतरा फिलहाल टल गया है। पड़ोसी क्षेत्रों, विशेषकर भारत के पश्चिम बंगाल में भी निपाह के मामले सामने आने के बाद मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और पाकिस्तान जैसे एशियाई देशों ने एहतियात के तौर पर हवाई अड्डों पर थर्मल स्क्रीनिंग तेज कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि इस वायरस के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलने का जोखिम अभी कम है। इसलिए, किसी भी प्रकार के यात्रा या व्यापार प्रतिबंध की आवश्यकता नहीं बताई गई है।

न्यूज ब्रीफ

एआई की वजह से उम्मीदवारों के कौशल को आंकना हुआ सरल

लंदन। तेजी से बदलते नौकरी बाजार में कंपनियां अब कृत्रिम मेधा (एआई) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश में 71प्रतिशत नियोक्ताओं का कहना है कि एआई की मदद से उन्हें सही कौशल वाले उम्मीदवारों और छिपी प्रतिभाओं को पहचानने में आसानी हुई है। रिपोर्ट बताती है कि 80प्रतिशत नियोक्ता मानते हैं कि एआई की वजह से उम्मीदवारों के कौशल को आंकना सरल हुआ है, जबकि 76प्रतिशत नियोक्ताओं का कहना है कि एआई भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने में मदद कर रहा है। यह अध्ययन नवंबर 2025 में किए गए सर्वे पर आधारित है, जिसमें 19,113 भारतीय उपभोक्ताओं और 6,554 वैश्विक एचआर पेशेवरों की राय शामिल की गई है। हालांकि भारत में भर्ती बाजार तेजी से बढ़ रहा है, फिर भी 74प्रतिशत नियोक्ताओं को योग्य उम्मीदवार खोजने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। महामारी से पहले की तुलना में भारत में नियुक्ति गतिविधि फिलहाल लगभग 40प्रतिशत अधिक है। नियोक्ताओं का कहना है कि एआई-जनित आवेदनों में तेजी, मांग वाले कौशल की कमी और कम गुणवत्ता वाले आवेदनों को छांटने में लगने वाला समय बड़ी चुनौतियां हैं। लगभग 48प्रतिशत नियोक्ता मानते हैं कि सही और भ्रामक आवेदनों के बीच अंतर करना मुश्किल हो रहा है, लेकिन एआई इस प्रक्रिया को काफी सरल बना रहा है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि आने वाले समय में एआई का इस्तेमाल भर्ती क्षेत्र में और बढ़ेगा। लगभग 80प्रतिशत भारतीय नियोक्ता भविष्य में एआई आधारित टूल्स का इस्तेमाल भर्ती लक्ष्यों, उम्मीदवार मूल्यांकन और उच्च गुणवत्ता वाले टैलेंट तक पहुंच बढ़ाने के लिए करने की योजना बना रहे हैं। कंपनियों का मानना है कि एआई न केवल प्रक्रिया को तेज बनाता है, बल्कि बड़ी संख्या में आने वाले आवेदनों के बीच गुणवत्तापूर्ण उम्मीदवारों को पहचानने में भी मददगार है।

विमान में डर के कारण नहीं सोते ट्रंप बोले- रखना पड़ती है दुश्मनों पर नजर

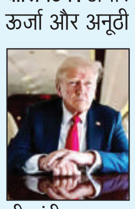

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ऊर्जा और अनूठी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपनी हवाई यात्राओं से जुड़ा एक ऐसा खुलासा किया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने बताया कि वे चाहे कितनी भी लंबी उड़ान पर हों, विमान के भीतर कभी नहीं सोते। उन्होंने इसके पीछे की वजह अपने चिर-परिचित मजाकिया और बेबाक अंदाज में साझा की। ट्रंप ने मंच से कहा कि उन्हें विमान में सोना बिल्कुल पसंद नहीं है। उन्होंने हंसी के बीच एक दिलचस्प तर्क देते हुए कहा कि यात्रा के दौरान वे लगातार खिड़की से बाहर देखते रहते हैं। ट्रंप के शब्दों में, मैं खिड़की से बाहर इसलिए देखता हूँ ताकि किसी भी संभावित खतरे, दुश्मन या आती हुई मिसाइल पर नजर रखी जा सके। हालांकि यह एक मजाक था, लेकिन इसने उनके उस सतर्क स्वभाव को दर्शाया जिसके लिए वे राजनीति में मशहूर हैं। राष्ट्रपति ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान इराक की एक गुप्त और ऐतिहासिक यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि लगभग 20 घंटे के लंबे सफर के बाद भी उन्होंने आराम करने से साफ इनकार कर दिया था। वहां तैनात एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने उन्हें थकान मिटाने के लिए सोने की सलाह दी थी, लेकिन ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने तुरंत सैन्य अभियानों और आतंकवाद विरोधी आपरेशनों पर ब्रीफिंग लेना शुरू कर दिया।

वैश्विक कूटनीति में बढ़ता दखल: दुनिया का सुपर पावर कौन, चीन या अमेरिका

वाशिंगटन। जैसे-जैसे अमेरिका कई संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हट रहा है,

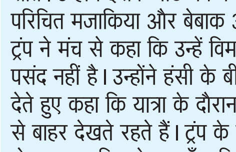

चीन कूटनीतिक धरातल पर अधिक सक्रिय होकर नेतृत्वकारी भूमिका हथियाने की कोशिश में जुट गया है। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका द्वारा 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा ने वैश्विक राजनीति में जो शून्य पैदा किया है, चीन उसे भरने के लिए तत्पर दिख रहा है। जनवरी के अंत में बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी करते हुए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और दुनिया को एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है जहां सभी देशों के साथ समानता का व्यवहार हो। चीन की यह रणनीति नई नहीं है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डानल्ड ट्रंप द्वारा जलवायु परिवर्तन, श्रम और प्रवासन जैसे मुद्दों को देश के हितों के खिलाफ बताकर उनसे पल्ला झाड़ने के बाद बीजिंग को अपनी पैठ बढ़ाने का खुला मैदान मिल गया है। एक हालिया अंतरराष्ट्रीय सर्वे के अनुसार, दुनिया भर के लोगों का मानना है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व में अमेरिका और चीन के बीच जो शक्ति का बड़ा अंतर था, वह अब तेजी से कम हो रहा है।

इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले से पाक में हाहाकार कम से कम 32 की मौत, तीन लोग हिरासत में

इस्लामाबाद, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के दक्षिण-पूर्वी इलाके में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती हमले से हाहाकार मचा हुआ है। हमलावर ने इमामबाड़े के अंदर खुद को उड़ा लिया। इस हमले में कम से कम 32 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। इस हमलावर के दो भाइयों और परिवार की एक महिला को हिरासत में लिया गया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने विस्फोट पर गहरा शोक जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में इमामबाड़ा खदीजा अल-कुबरा के द्वार पर खुद को उड़ा लिया। उसके साथ अन्य हमलावर भी थे। हमलावरों ने विस्फोट से पहले गोलियां चलाईं।

चश्मदीदों ने बताया कि हमलावरों को इमामबाड़ा मुख्य द्वार पर गार्डों ने रोकने की कोशिश की। इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई हुई। इस दौरान एक हमलावर इमामबाड़ा के अंदर कम से कम 20 मीटर तक घुस गया और खुद को उड़ा लिया। इस दौरान हुए विस्फोट से चीख-पुकार मच गई। हमले में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई।

इस्लामाबाद के जिला उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने कहा कि किसी भी समूह ने तुरंत इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार, आत्मघाती हमलावर की पहचान पेशावर निवासी 32 वर्षीय यासिर के रूप में हुई है। उसके घर छापा मारकर दो भाइयों और एक महिला को हिरासत में लिया गया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर पिछले पांच महीनों से अफगानिस्तान में रह रहा था। वहां उसे हथियारों के इस्तेमाल और आत्मघाती बमबारी का प्रशिक्षण मिला। आत्मघाती हमलावर के मददगारों का पता लगाने के लिए पेशावर और नौशेरा में तलाशी अभियान चल रहा है। हमले के अलग-अलग पहलुओं की जांच जारी है।

रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने संघीय इस हमले का आरोप भारत और अफगानिस्तान पर मढ़ा है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। संघीय स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने बताया कि अस्पतालों में घायलों का इलाज चल रहा है। इनमें से 25 की हालत गंभीर है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके पर गहरा शोक व्यक्त किया और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमामबाड़ा में किए गए आत्मघाती हमले की निंदा की है। उन्होंने लोगों की मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री मोहसिन नकवी से बात की और निर्देश दिया कि दोषियों की पहचान कर उन्हें तुरंत न्याय के कटघरे में लाया जाए। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि इस्लामाबाद के इमामबाड़े में हुए धमाके से उन्हें गहरा दुख हुआ है।

खजानों की धरती पर महाशक्तियों की जंग: पाकिस्तान में सोने की खदान पर चीन और अमेरिका की नजर

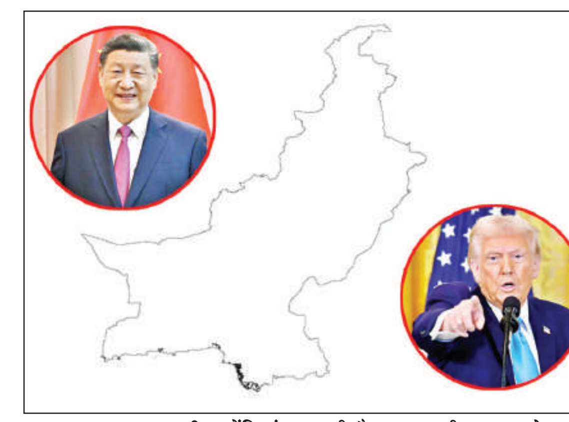

इस्लामाबाद, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत, जिसे अक्सर अस्थिरता और संघर्ष के लिए जाना जाता है, अब वैश्विक महाशक्तियों के बीच आर्थिक युद्ध का नया केंद्र बन गया है। बलूचिस्तान की बंजर जमीन के नीचे दबे सोने, चांदी और तांबे के विशाल भंडार पर अब अमेरिका की नजर टिक गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट वाल्ट के तहत बलूचिस्तान की प्रसिद्ध रेको डीक खदान में 1.3 अरब डालर (लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये) के निवेश का ऐतिहासिक ऐलान किया है। अमेरिका का यह कदम केवल व्यापारिक निवेश नहीं, बल्कि चीन के खिलाफ एक सोची-समझी रणनीतिक चाल है। वर्तमान में रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ खनिजों) के वैश्विक बाजार पर चीन का एकाधिकार है। डिफेंस, इलेक्ट्रिक वाहन और उच्च तकनीक वाले उद्योगों के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। चीन के इस दबदबे को चुनौती देने के लिए अमेरिका ने अपनी स्ट्रैटेजिक क्रिटिकल मिनरल्स रिजर्व नीति के तहत पाकिस्तान के इस खजाने में अपनी हिस्सेदारी पक्की की है। 2 फरवरी 2026 को लान्च किया गया प्रोजेक्ट वाल्ट मुख्य रूप से अमेरिका के भीतर खनन परियोजनाओं पर केंद्रित है, लेकिन रेको डीक इस परियोजना का एकमात्र और सबसे बड़ा विदेशी निवेश स्थल बनकर उभरा है। रेको डीक खदान की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे दुनिया के सबसे बड़े तांबे और सोने के भंडारों में से एक माना जाता है। बलूचिस्तान के चागई पहाड़ों में स्थित यह इलाका एक प्राचीन ज्वालामुखी श्रृंखला का हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार, यहाँ अनुमानित 5.9 बिलियन टन अयस्क मौजूद है, जिसमें 41.5 मिलियन औंस सोने और भारी मात्रा में तांबे का भंडार छिपा है। यही कारण है कि इस खदान को सोने का पहाड़ भी कहा जाता है। हालांकि, इस निवेश की राह काँटों भरी है। बलूचिस्तान लंबे समय से अलगाववादी आंदोलनों और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। इससे पहले 2011 में इस खदान को लेकर कानूनी विवाद अंतरराष्ट्रीय अदालतों तक पहुँच चुका है। वर्तमान में कनाडाई कंपनी बैरिक गोल्ड इस पर काम कर रही है।

जापान में पर्यावरण अनुकूल बैग लांच

टोक्यो। प्लास्टिक बैग की समस्या से निपटने जापान ने बेहद उपयोगी समाधान पेश किया है। जापान में ऐसे किराने के बैग लान्च किए गए हैं, जो पूरी तरह आलू के स्टार्च से बनाए गए हैं। दिखने और उपयोग में बिल्कुल प्लास्टिक जैसे मजबूत इन बैगों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये पारंपरिक प्लास्टिक की तरह वर्षों तक कचरे के ढेर में पड़े नहीं रहते, बल्कि पानी के संपर्क में आते ही सहज रूप से घुल जाते हैं। सदियों तक समुद्र में तैरते रहने वाले प्लास्टिक बैग अक्सर कछुओं, मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के लिए घातक साबित होते हैं, क्योंकि वे इन्हें भोजन समझकर निगल लेते हैं। जापान में विकसित यह नई सामग्री इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है। खास बात यह है कि यह स्टार्च-आधारित बैग ठंडे पानी में भी पूरी तरह टूट जाता है। यदि कोई समुद्री जीव इन्हें गलती से निगल ले, तो यह उसके शरीर में बिना किसी नुकसान के प्राकृतिक रूप से घुल जाएगा। बैग के घुलने के बाद पानी में न तो कोई जहरीला रसायन बचता है और न ही माइक्रोप्लास्टिक। यह नवाचार दिखाता है कि किस तरह तकनीक और प्रकृति के बीच संतुलन बनाकर पर्यावरण-अनुकूल समाधान विकसित किए जा सकते हैं।

अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ वापस लिया

वाशिंगटन, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर लगाए गए 25 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ को पूरी तरह से समाप्त करने का निर्णय लिया है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी किए गए नवीनतम कार्यकारी आदेश के अनुसार, अब एक संशोधित 18 प्रतिशत टैरिफ व्यवस्था लागू की जाएगी, जो 7 फरवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। जिसके बाद भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले उत्पादों पर अब 25 प्रतिशत की अतिरिक्त एड-वेलोरम ड्यूटी नहीं चुकानी होगी। व्हाइट हाउस के इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भारत पर लगाया गया अतिरिक्त आयात शुल्क अब इतिहास का हिस्सा है। इसके साथ ही अमेरिका की आधिकारिक टैरिफ सूची से उन तमाम विशेष कोड और प्रावधानों को भी हटा दिया गया है, जिनके माध्यम से यह भारी शुल्क वसूला जा रहा था। यह रियायत उन सभी वस्तुओं पर लागू होगी जो 7 फरवरी 2026 या उसके बाद अमेरिकी बाजार में खपत के लिए पहुंचेंगी अथवा वेयरहाउस से निकाली जाएंगी। इस कदम से भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में पहले के मुकाबले काफी सस्ते और प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-अमेरिका अंतरिम ट्रेड फ्रेमवर्क का गर्मजोशी से स्वागत किया है। प्रधानमंत्री ने

इसे दोनों देशों के द्विपक्षीय और रणनीतिक संबंधों के लिए एक बड़ा बढ़ावा करार दिया। उन्होंने इस समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फ्रेमवर्क दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी भरोसे, गहरी साझेदारी और भविष्य की गतिशीलता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि यह व्यापार समझौता न केवल मेक इन इंडिया अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करेगा, बल्कि भारतीय किसानों, छोटे उद्यमियों (एमएसएमई), स्टार्टअप्स, नवोन्मेषकों और मछुआरों के लिए वैश्विक बाजार के नए द्वार भी खोलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस फैसले से विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही, इससे एक मजबूत और भरोसेमंद ग्लोबल सप्लाई चेन तैयार होगी, जो अंततः वैश्विक विकास को गति देगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट सेक्टर के लिए यह संजीवनी की तरह है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी।

बांग्लादेश चुनाव: बीएनपी का घोषणापत्र जारी, रहमान सरकार बनी तो क्या भारत से होगी मित्रता

ढाका, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले 13वें संसदीय चुनावों की सरगर्मी के बीच मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान द्वारा प्रस्तुत इस दस्तावेज में भारत के साथ जुड़े संवेदनशील मुद्दों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। बीएनपी ने बांग्लादेश बिफोर आल (सबसे पहले बांग्लादेश) का सिद्धांत सामने रखा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि यदि पार्टी सत्ता में वापसी करती है, तो वह भारत के प्रति अधिक मुखर और आक्रामक रुख अपना सकती है।

बीएनपी ने अपनी विदेश नीति के लिए मित्र हां, मास्टर नहीं का नारा दिया है, जो इस समय पड़ोसी देशों के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस नारे के माध्यम से पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह किसी भी देश के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेगी और समानता के आधार पर ही द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रुख सीधे तौर पर मौजूदा शासन की उन नीतियों पर प्रहार है, जिन्हें बीएनपी अक्सर विदेशी प्रभाव से प्रेरित बताती रही है। घोषणापत्र में स्पष्ट किया गया है कि बांग्लादेश न तो किसी के आंतरिक मामलों में दखल देगा और न ही अपने मामलों में किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त करेगा।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर होने वाली गोलीबारी और घुसपैठ के मुद्दों पर बीएनपी ने अत्यंत सख्त रुख अपनाने का वादा किया है। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि सीमा सुरक्षा बल द्वारा कथित गोलीबारी में होने वाली मौतों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही, बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया के लोगों को सीमा पार भेजने के प्रयासों पर भी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है। बीएनपी ने सत्ता में आने पर नशीले पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति लागू करने का संकल्प लिया है। नदी जल बंटवारा, जो बांग्लादेश की राजनीति का एक अत्यंत भावनात्मक मुद्दा है, उसे भी घोषणापत्र में प्रमुखता दी गई है। बीएनपी ने तीस्ता और पद्मा जैसी साझा नदियों के जल में बांग्लादेश का उचित हिस्सा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने का वादा किया है। पार्टी ने चीन समर्थित तीस्ता रिवर मास्टर प्लान और पद्मा बैराज परियोजना को आगे बढ़ाने का समर्थन किया है, जो क्षेत्रीय कूटनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त, साझा नदियों के प्रबंधन के लिए बने संयुक्त नदी आयोग को और अधिक शक्तिशाली बनाने की बात कही गई है। क्षेत्रीय सहयोग के मोर्चे पर बीएनपी ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने का वादा किया है, जो लंबे समय से भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण निष्क्रिय बना हुआ है। साथ ही, किसी एक देश पर अपनी निर्भरता कम करने के उद्देश्य से बीएनपी ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की सदस्यता हासिल करने की योजना भी साझा की है। कुल मिलाकर, बीएनपी का यह घोषणापत्र घरेलू राष्ट्रवाद और एक स्वतंत्र विदेश नीति के इर्द-गिर्द बुना गया है।

नागरिकता-वोटर लिस्ट मामले में सोनिया गांधी ने आरोपों से किया इनकार, अब 21 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली,07 फरवरी (एजेंसियां)। बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में कथित तौर पर नाम शामिल कराए जाने के मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल रिवीजन पिटीशन पर राउज एवेन्यू कोर्ट में उनकी ओर से जवाब दाखिल किया गया है। सोनिया गांधी की तरफ से कोर्ट को बताया गया है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और इसके पीछे साफ तौर पर राजनीतिक मंशा है। उनके जवाब में कहा गया है कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और उन्हें बेवजह विवादों में घसीटने की कोशिश की जा रही है। कोर्ट में दाखिल जवाब में सोनिया गांधी ने साफ कहा है कि निचली अदालत ने पहले ही सही निष्कर्ष निकाला था। नागरिकता से जुड़े मामलों का अधिकार क्षेत्र केवल केंद्र सरकार के पास है, जबकि मतदाता सूची या चुनाव से जुड़े विवादों को देखने का अधिकार सिर्फ चुनाव आयोग को है। ऐसे मामलों में कोई भी आपराधिक अदालत दखल नहीं दे सकती। उनके मुताबिक, इस तरह की याचिकाएं दाखिल कर अदालत का समय बर्बाद किया जा रहा है।

सोनिया गांधी ने यह भी कहा है कि शिकायत में जो आरोप लगाए गए हैं, उनके समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज या सबूत पेश नहीं किया गया है। सिर्फ अनुमान और सवालों के आधार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जो कानूनन टिक नहीं सकते। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाना ही न्यायसंगत है। कोर्ट ने अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 21 फरवरी तय की है। इस मामले में वकील विकास त्रिपाठी ने रिवीजन पिटीशन दाखिल की है। इससे पहले, बिना नागरिकता के वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोपों की जांच की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सितंबर 2025 में खारिज कर दिया था। याचिका में दावा किया गया था कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी, जबकि उनका नाम 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में दर्ज था। इसी आधार पर सवाल उठाया गया है कि नागरिकता मिलने से पहले उनका नाम वोटर लिस्ट में कैसे शामिल हुआ।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया था कि 1982 में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था, जिस पर भी सवाल खड़े किए गए। याचिकाकर्ता की ओर से यह दावा किया गया कि जब 1983 में नागरिकता मिली, तो 1980 में नाम दर्ज कराने के लिए किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया और क्या इसमें फर्जी कागजात लगाए गए थे।

जनता भाजपा से ये पूछ रही है कि '0' बड़ा या '18' : ट्रेड डील पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ,07 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश की जनता सरकार से सीधे सवाल पूछ रही है कि आखिर यह कैसी डील है, जिसमें भारत को क्या मिला और क्या खोया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि आम समझ में डील कभी एकतरफा नहीं होती, लेकिन मौजूदा समझौते में ऐसा लग रहा है कि भारत ने ज्यादा दिया और बदले में कम पाया। उन्होंने व्यंग्य करते हुए पूछा, जनता जानना चाहती है कि 'ज़ीरो (0) बड़ा है या अठारह (18)'? क्या भाजपा की समझौता-गणित में 18 बराबर 0 होता है? सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि इस ट्रेड डील से देश के किसानों, छोटे दुकानदारों और उद्योगों को क्या सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार केवल खोखले दावे कर रही है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर किसी ठोस संरक्षण योजना का अभाव है।

अखिलेश यादव ने यह भी पूछा कि भारत के हितों के कथित आत्मसमर्पण के पीछे असली वजह क्या है। क्या यह समझौता पूरी तरह एकपक्षीय है, जिसमें फैसले कहीं और हुए और उन्हें यहां लागू कर दिया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि डील के नाम पर भाजपा सरकार केवल 'डॉटेड लाइन' पर हस्ताक्षर करने तक सीमित रह गई है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता अब जवाब चाहती है कि यह ट्रेड डील भारत के हित में है या फिर आने वाले समय में किसानों, व्यापारियों और उद्योगों पर इसका बोझ पड़ेगा।

सदन की मर्यादा जनप्रतिनिधि पर टिकी रहती है : ओम बिरला

पटना,07 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बिहार विधान मंडल के सेंट्रल हॉल में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने सदस्यों के मध्य 'सशक्त विधायक-सशक्त लोकतंत्र' विषयक व्याख्यान को संबोधित भी किया। ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि जिस सभागृह के जनप्रतिनिधि नियम प्रक्रियाओं, परंपराओं को जानेंगे, संविधान को समझेंगे, जनता की भावना और अपेक्षाओं को समझेंगे और जन-सेवा करते हुए अपने क्षेत्र के अलावा राज्य के मुद्दों को सशक्त तरीके से रखेंगे, उतना ही सदन की गरिमा बढ़ेगी और नेतृत्व भी सशक्त होगा। 'सशक्त विधायक-सशक्त लोकतंत्र' के विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि 2026 तक देश के सभी राज्यों की विधानसभाओं के कार्यवाहियों को डिजिटिलकरण कर एक प्लेटफॉर्म पर लाएंगे। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में ऐसा किया जा चुका है। इससे हर चीज एक जगह उपलब्ध होगी। इससे विधायकों की क्षमता भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि किसी सदन का सामर्थ्य और ताकत उसका जनप्रतिनिधि होता है। सभागृह के अंदर कितने भी बेहतर नियम और कानून बना दिए जाएं, लेकिन उसका पालन करने वाला जनप्रतिनिधि कैसा है, उस पर उस सभा की मर्यादा टिकी रहती है।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन में जितनी मर्यादा रहेगी और जितना सशक्त विधायक रहेगा, उतना शासन में पारदर्शिता रहेगी। इसके अलावा कार्यपालिका पर नियंत्रण रहेगा और हम ऐसे शासन की कल्पना करेंगे, जिसके लिए जनता ने हमें चुनकर भेजा है। उन्होंने कहा, आज जरूरत है कि शासन में पारदर्शिता हो, प्रशासन में जवाबदेही हो और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज भी सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचे और उसे न्याय मिले।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे बेहतर संवाद करें और इसके लिए अध्ययन जरूरी है। ओम बिरला ने कहा कि जनता बहुत अपेक्षाओं से हमें चुनकर भेजती है और अपेक्षा करती है कि विधायक ही उनकी बात सरकार तक पहुंचा सकता है।लोकसभा अध्यक्ष ने स्थापना दिवस पर सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। इस मौके पर ओम बिरला ने एनईवीए की ओर से संचालित डिजिटल हाउस का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां पहुंचने पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

बसपा का लक्ष्य मिशन-2007 की तर्ज पर मिशन-2027 को साकार करना : बसपा सुप्रीमो मायावती

लखनऊ,07 फरवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि बसपा का लक्ष्य 'मिशन-2007' की तर्ज पर 'मिशन-2027' को साकार करना है। उत्तर प्रदेश विधानसभा आमचुनाव की तैयारियों को निर्णायक गति देने के उद्देश्य से बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को पार्टी की प्रदेश स्तरीय अहम बैठक कर मिशन-2027 की रणनीति स्पष्ट की। बैठक में प्रदेश, मंडल, जिला और विधानसभा स्तर के सभी पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती और जमीनी कार्ययोजना पर गहन विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा, बसपा का लक्ष्य मिशन-2007 की तर्ज पर मिशन-2027 को साकार करना है, ताकि उत्तर प्रदेश में फिर से 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति पर आधारित पूर्ण बहुमत की सरकार बने और जनता को 'कानून द्वारा कानून का राज' का वास्तविक लाभ मिल सके।

मायावती ने मौजूदा भाजपा सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कुछ गिने-चुने लोगों को छोड़कर समाज का लगभग हर वर्ग सरकार से दुखी और त्रस्त है। उन्होंने विशेष रूप से ब्राह्मण समाज की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उपेक्षा, असुरक्षा और असम्मान के खिलाफ उसकी नाराजगी अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी अन्य दल या सरकार ने ब्राह्मण समाज को उतना सम्मान, पद और सुरक्षा दी है, जितनी बीएसपी सरकार में दी गई।

उन्होंने दोहराया कि बसपा की नीति हमेशा सर्वसमाज को साथ लेकर चलने की रही है। उन्होंने कहा कि 'कानून का राज' सख्ती से लागू कर सभी धर्मों और वर्गों के लोगों की जान-माल और मजहब की सुरक्षा सुनिश्चित की गई, जिससे प्रदेश में सामाजिक सौहार्द और विकास का वातावरण बना।

बसपा सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि विरोधी दलों की राजनीति संकीर्ण, जातिवादी और पूंजीवादी सोच पर आधारित रही है, जिसका दुष्परिणाम जनता को बार-बार भुगतना पड़ा है। उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी सरकारों की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरक्षण विरोधी रवैये के कारण इन वर्गों को नौकरियों और पदोन्नति में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, यूजीसी नियमों को सामाजिक समरसता के बजाय सामाजिक तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया। इस दौरान उन्होंने रोजगार की कमी, ठेका और आउटसोर्स व्यवस्था से बढ़ते शोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गिरती गुणवत्ता तथा बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई।

एसआईआर के मुद्दे पर मायावती ने राज्य सरकार से अपील की कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं, ताकि गरीब, मजदूर, महिलाएं और अशिक्षित वर्ग वोटर सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाएं और उन्हें पूरी सहानुभूति के साथ सहयोग मिले। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता विरोधी दलों के 'साम-दाम-दंड-भेद' जैसे हथकंडों और पार्टी को कमजोर करने के षड्यंत्रों का मजबूती से मुकाबला कर रहे हैं, लेकिन चुनावी चुनौती को देखते हुए संगठनात्मक पुनर्संरचना आवश्यक थी।संसद के मौजूदा बजट सत्र को लेकर उन्होंने कहा कि सत्ता और विपक्ष के बीच लगातार टकराव के कारण सदन का कामकाज बाधित हो रहा है, जिससे जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पा रही। उन्होंने कहा कि संसद में प्रश्न-उत्तर और तथ्यात्मक बहस का पूरा अवसर मिलना चाहिए, ताकि जनता स्वयं सही-गलत का आकलन कर सके।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान संसद सत्र में पक्ष व विपक्ष देश की जनता के हित के मुद्दों के बजाय एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं।

अमेरिका के इन प्रोडक्ट्स के लिए भारतीय बाजार बंद, कृषि और डेयरी समेत ये उत्पाद शामिल, देखें लिस्ट

नई दिल्ली,07 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की विस्तार से जानकारी सामने आ गई है। दोनों देशों के बीच समझौते के ऐलान के बाद से ही विपक्षी पार्टी कांग्रेस की तरफ से माहौल बनाया जा रहा था कि इस डील में किसानों के हितों की बलि चढ़ाई जा रही है। हालांकि, अब इससे पर्दा उठ चुका है कि भारतीय डेयरी और फार्मिंग सेक्टर पर इस डील का क्या असर होगा। इस अंतरिम समझौते से भारत के कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर, हस्तशिल्प, प्लास्टिक, रबर और होम डेकोर जैसे क्षेत्रों को काफी लाभ मिलेगा। पहले अमेरिकी सरकार ने जो 25 फीसदी की टैरिफ लगाई थी, उसे अब 18 फीसदी पर तय किया है। इसके अलावा जो अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगा था, वह भी खत्म कर दिया गया है। भारत-अमेरिका ने भारत पर लगाए गए कुल 50 फीसदी टैरिफ को 18 फीसदी पर लाकर डील डन किया है। ऐसे में इन क्षेत्रों में 18 फीसदी टैरिफ पर निर्यात बढ़ने से भारत में विशेषकर महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा था कि किसानों को इस समझौते की वजह से नुकसान होगा। इस पर केंद्रीय

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पूर्ण विराम लगा दिया है।

केंद्रीय मंत्री की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, चावल, गेहूं, मक्का, सोयाबीन, दूध, पनीर, पोल्ट्री और एथेनॉल जैसे उत्पादों को प्रोटेक्टेड लिस्ट में रखा गया है। भाजपा नेताओं ने भी सामानों की पूरी लिस्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भारत के किन-किन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार से पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है। डेयरी सेक्टर पर कोई बाजार खुलापन नहीं है। इससे करोड़ों छोटे डेयरी किसानों और सहकारी मॉडल को मजबूत संरक्षण मिला है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए 3,00,000 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलेगा।

अमेरिका के गेंहू, कोपरा, स्यामक, कोदो, बाजरा, कांगनी, ओट्स, मैदा, चना, काबुली चना, रागी, अमरंथ, मक्का, चावल, जौ, ज्वार, छिल्का रहित अनाज और आटा (गेंहू, मक्का, चावल, बाजरा आदि), आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीर, मशरूम, दलहनी सब्जियां, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू, स्ट्रॉबेरी, जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद को भारतीय बाजार में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, मिक्स डिब्बाबंद सब्जियां भी भारतीय बाजार में नहीं आएंगी।इसके साथ ही डेयरी प्रोडक्ट्स में लिक्विड, पाउडर और कंडेंस्ड दूध, क्रीम, योगर्ट, बटर मिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर, व्हे प्रोडक्ट्स और चीज को भी भारतीय बाजार में एंट्री नहीं मिलेगी।

डेयरी और कृषि प्रोडक्ट्स के अलावा कुछ मसालों को भी भारतीय बाजार में जगह नहीं दी जाएगी। इनमें काली मिर्च, लौंग, सूखी हरी मिर्च, दालचीनी, धनिया, जीरा, हींग, अदरक, हल्दी, अजवायन, मेथी, चक्रमर्द, कैसिया, सरसों, राई, भूसी और अन्य पाउडर मसाले शामिल हैं। विमान पार्ट्स पर अमेरिकी सेक्शन 232 के तहत छूट मिलेगी।

दिल्ली में भाजपा सरकार का एक साल पूरा, जनता के बीच पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,07 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के एक साल पूरे होने को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जनता ने 8 फरवरी को अपना आशीर्वाद देकर भाजपा के 48 विधायकों को जीत दिलाई थी, और दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी थी। इसके जश्न और रिपोर्ट कार्ड पेश करने के लिए सरकार 8 फरवरी से लेकर 2 मार्च तक पूरी दिल्ली में लोगों के बीच कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रविवार से ही विभिन्न विभागों के विकास कार्यों, परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास की शुरुआत होगी। पहले दिन रामलीला मैदान में 500 ईवी को दिल्ली की जनता के लिए समर्पित किया जाएगा। इसके बाद लगातार 20 तारीख तक रोजाना सरकार की कई योजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। 21 तारीख को दिल्ली की

जनता के सामने सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी और 22 तारीख से फिर से जनता के बीच जाकर उन्हें सीधे अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता का आशीर्वाद और वोट की ताकत ही कारण है कि दिल्ली में सरकार बनी और विकास की गति तेज हुई। मटियाला विधानसभा में अब 400 करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू हो रहे हैं, जो सिर्फ जनता के समर्थन से संभव हुए हैं। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और दिल्ली के विकास की बात भी की।विधायक संदीप सहरावत ने बताया कि मुख्यमंत्री और सांसद जनता के बीच आए और मटियाला विधानसभा के 400 करोड़ रुपए के बजट से शुरू होने वाले सभी कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा। पहले जिन ग्रामीण विकास के बजट को तीन-तीन साल तक लंबित रखा जाता था, अब सरकार ने तुरंत राशि जारी कर दी है।

गढ़चिरौली में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता, 7 हार्डकोर माओवादी ढेर

गढ़चिरौली,07 फरवरी (एजेंसियां)। गढ़चिरौली में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बार फिर सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान में 7 हार्डकोर माओवादियों को मार गिराया है। यह मुठभेड़ न सिर्फ संख्या के लिहाज से अहम है, बल्कि इसलिए भी खास है क्योंकि मारे गए माओवादियों में संगठन के बेहद वरिष्ठ और प्रभावशाली नेता शामिल थे। इनमें गढ़चिरौली डिविजनल कमेटी प्रभारी, पश्चिम सब-जोनल ब्यूरो प्रभारी और कंपनी नंबर-10 का प्रभारी डीकेएसजेडसी प्रभाकर जैसे कुख्यात माओवादी भी ढेर हुए हैं। इस पूरे अभियान की कीमत भी चुकानी पड़ी। मुठभेड़ के दौरान विशेष अभियान पथक (सी-60) के जवान दीपक चिन्ना मडावी वीरगति को प्राप्त हुए, जबकि एक अन्य जवान जोगा मडावी गोली लगने से घायल हो गए।तीन दिन और तीन रात तक चले इस अभियान को गढ़चिरौली-नारायणपुर (छत्तीसगढ़)

सीमा क्षेत्र के घने जंगलों में अंजाम दिया गया। 3 फरवरी को खुफिया एजेंसियों से सूचना मिली थी कि माओवादी किसी बड़ी विध्वंसक कार्रवाई की योजना बना रहे हैं। सूचना विश्वसनीय थी, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तत्काल कार्रवाई का फैसला लिया गया। उपविभागीय पुलिस अधिकारी भामरागड अमर मोहिते के नेतृत्व में गढ़चिरौली पुलिस के विशेष अभियान पथक की 14 टुकड़ियां 3 फरवरी की रात जंगल की ओर रवाना की गईं।

4 फरवरी को जब जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे, तभी जंगल में पहले से घात लगाए बैठे माओवादियों ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने पूरी सतर्कता और साहस के साथ आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान माओवादियों के दो ठिकानों को ध्वस्त किया गया, लेकिन घना जंगल, पहाड़ी इलाका और दुर्गम रास्तों के कारण तत्काल सघन तलाशी संभव नहीं हो सकी।

हालात की गंभीरता को देखते हुए 5 फरवरी को अभियान को और मजबूत किया गया। विशेष अभियान पथक की 4 अतिरिक्त टुकड़ियां और सीआरपीएफ की एक क्यूएटी टीम को भी ऑपरेशन में शामिल किया गया। उसी दिन हुई मुठभेड़ में 3 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद हुए, जिनके पास से 1 एके-47 राइफल और 1 एसएलआर भी मिली।

अगले दिन, 6 फरवरी को एक और मुठभेड़ हुई, जिसमें 4 अन्य नक्सलियों के शव घटनास्थल से बरामद किए गए। इस तरह तीन दिनों तक चले इस कठिन और चुनौतीपूर्ण अभियान में कुल 7 माओवादियों को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली। मारे गए सभी माओवादी लंबे समय से सक्रिय थे और उन पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा कुल 71 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई। घटनास्थल से 3 एके-47 राइफल, 1 एसएलआर, 1 .303 राइफल, 173 जिंदा कारतूस, 3 बीजीएल, 7 मैगजीन, कॉर्टेक्स वायर के 2 बंडल, जिलेटिन स्टिक, माओवादी साहित्य और रोजमर्रा के इस्तेमाल की अन्य सामग्री बरामद हुई।

मारे गए माओवादियों में सबसे बड़ा नाम प्रभाकर उर्फ रवी उर्फ प्रकालवीर उर्फ स्वामी उर्फ लोकेती चंद्रराव का है। 57 वर्षीय प्रभाकर तेलंगाना के कामारेड्डी जिले का रहने वाला था और उस पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके खिलाफ कुल 113 गंभीर अपराध दर्ज थे। इसके अलावा पागु मोडाम, अनिता उर्फ बुदरी कोवाची, कामेश पदा, भजनाथ उर्फ भिमा होळी, मंगली कुरसाम और जोगी सोढ़ी-मडावी जैसे सक्रिय माओवादी भी मारे गए।

इस अभियान में शहीद हुए जवान दीपक चिन्ना मडावी को 6 फरवरी को गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। घायल जवान जोगा मडावी का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पूरा अभियान अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष अभियान) डॉ. छेरिंग दोरजे, विशेष पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटील, आईजी अंकित गोयल, सीआरपीएफ डीआईजी अजय कुमार शर्मा और एसपी नीलोत्पल के मार्गदर्शन में सी-60 और सीआरपीएफ ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

घूसखोर पंडत पर हंगामा, विरोध-प्रदर्शन से सेंसर की कैंची तक, विवादों से घिरे रहे इन फिल्मों के टाइटल

बॉलीवुड में एक बार फिर फिल्म के टाइटल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टाइटल पर ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। नीरज पांडे की फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी की है, जो 'घूसखोर पंडत' के नाम से जाना जाता है। फिल्म के टाइटल पर आपत्ति जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि इससे एक विशेष समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, यह पहला मामला नहीं है, जब किसी फिल्म का नाम या थीम विवाद का कारण बनी हो। पहले भी कई फिल्मों को विरोध-प्रदर्शन, कानूनी नोटिस और सेंसर बोर्ड की कैंची का सामना करना पड़ा, जिसके बाद निर्माताओं को टाइटल में बदलाव करना पड़ा।

सत्यप्रेम की कथा :- समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक ड्रामा कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर थी। फिल्म एक साधारण लड़के सत्यप्रेम और उसकी प्रेमिका की कहानी को पेश करती है। इसका मूल नाम 'सत्यनारायण की कथा' था, जिस पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप लगा। मेकर्स ने नाम बदलकर 'सत्यप्रेम की कथा' कर दिया। फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी।

लक्ष्मी :- साल 2020 में आई राघव लॉरेंस के निर्देशन में बनी हॉरर कॉमेडी फिल्म का नाम 'लक्ष्मी बॉम्ब' था, जिसमें अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में थे। कहानी एक व्यक्ति की है, जो एक ट्रांसजेंडर भूत द्वारा प्रभावित होता है। ट्रेलर रिलीज के बाद 'बॉम्ब' शब्द को देवी लक्ष्मी के नाम से जोड़कर विरोध हुआ, लव जिहाद के आरोप भी लगे। राजनीतिक और धार्मिक संगठनों की नाराजगी के बाद नाम बदलकर सिर्फ 'लक्ष्मी' कर दिया गया।

थैंक गॉड :- इंद्र कुमार निर्देशित फिल्म में अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। कहानी एक आम आदमी की है, जो स्वर्ग में चित्रगुप्त भगवान से मिलता है और जीवन के खेल खेलता है। अजय देवगन का किरदार चित्रगुप्त था, लेकिन हिंदू देवता का मजाक उड़ाने के आरोप पर विरोध हुआ। साल 2022 में आई फिल्म के मेकर्स ने किरदार का नाम 'सीजी' कर दिया।

लवयात्री :- अभिराज मिनावाला के निर्देशन में बनी रोमांटिक फिल्म से आयुष शर्मा और वरीना हुसैन ने डेब्यू किया था। इसे सलमान खान ने प्रोड्यूस किया था। नवरात्रि के बैकग्राउंड पर आधारित कहानी एक युवा जोड़े की लव स्टोरी को दिखाती है। मूल नाम 'लवरात्रि' था, जो नवरात्रि से मिलता-जुलता होने पर विरोध का शिकार हुआ। साल 2018 में आई फिल्म के मेकर्स ने बदलाव करते हुए फिल्म का नाम 'लवयात्री' कर दिया।

पद्मावत :- संजय लीला भंसाली की पीरियड ड्रामा साल 2018 में आई थी, जिसमें दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म रानी पद्मावती की कहानी पर आधारित है, जिसमें अलाउद्दीन खिलजी का आक्रमण दिखाया गया। मूल नाम 'पद्मावती' था, लेकिन करणी सेना ने इतिहास से छेड़छाड़ और भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया। वहीं, विरोध-प्रदर्शन के बाद नाम 'पद्मावत' किया गया और कुछ सीन भी हटाए गए।

गोलियों की रासलीला रामलीला :- संजय लीला भंसाली की यह फिल्म साल 2013 में आई थी। इस रोमांटिक ड्रामा में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। शेक्सपियर के रोमियो-जूलियट से प्रेरित कहानी दो विरोधी गुजराती परिवारों के प्रेमी जोड़े की है। मूल नाम 'रामलीला' था, लेकिन धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत पर विरोध हुआ, जिसके बाद फिल्म का नाम बदलकर 'गोलियों की रासलीला रामलीला' रखा गया।

लंबे करियर में प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी : रणविजय सिंह

बदलते समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है, ऐसे में मनोरंजन इंडस्ट्री में बने रहना किसी भी अभिनेता के लिए आसान काम नहीं है। इस अहम मुद्दे को लेकर बॉलीवुड और टीवी के जाने-माने अभिनेता रणविजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया कि कैसे उन्होंने खुद को पिछले 20 सालों में बदलते समय के अनुसार ढाला और हर दौर में दर्शकों के बीच प्रासंगिक बने रहे। आईएएनएस से बातचीत करते हुए रणविजय ने कहा, ''आज के समय में केवल एक यादगार प्रदर्शन या हिट फिल्म ही काफी नहीं रहती। दर्शक और इंडस्ट्री बदल रही है। अब लोग एल्गोरिदम और वायरल कंटेंट को ज्यादा महत्व देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यादगार काम की कोई अहमियत नहीं है। प्रासंगिक बने रहना सबसे जरूरी है। आप लगातार दर्शकों के सामने अपने काम के नए रूप दिखाते रहें और अपने प्रदर्शन को समय के अनुसार ढालें।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं टीवी पर एडवेंचर और रियलिटी शो करता था, तब भी समय के साथ तरीका बदलता रहा। पहले जो तरीका काम करता था, अब वही तरीका पुराने जमाने जैसा लगने लगा। ऐसे में कलाकार को खुद में बदलाव करना और नए प्रयोग करना पड़ता है। यही वजह है कि मैंने हमेशा अपने काम में विविधता बनाए रखी।''

उन्होंने कहा, ''अभिनेता को कभी-कभी अलग तरह के शो करना चाहिए, जिससे दर्शक उनका नया पक्ष देखें। खुद को व्यक्त करना, नया सीखना और लगातार छोटे-छोटे कदम उठाते रहना ही लंबे समय तक सफलता बनाए रखने का रास्ता है।''

रणविजय ने कहा, जीवन और करियर में केवल कुछ साल की सफलता पर्याप्त नहीं होती। अक्सर लोग सोचते हैं कि जब चार या पांच साल शानदार गए, तो अब बाकी जीवन आराम से बीत जाएगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि लंबे समय तक सफल और यादगार बने रहने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी अभिनेता या होस्ट को अपने करियर को 40 साल तक ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए।''

रणविजय ने आगे कहा, ''काम ऐसा होना चाहिए जो सही समय पर लोगों के दिल और दिमाग में जगह बना सके। चाहे वह 15 सेकेंड का सोशल मीडिया कंटेंट हो, ओटीटी शोज हों, फिल्में, शॉर्ट फिल्में, खुद लिखी हुई चीजें या यूट्यूब कंटेंट, सबकुछ करना चाहिए। इस तरह आप दर्शकों की नजर में हमेशा बने रहते हैं और अपने काम की अहमियत बनाए रखते हैं। लगातार प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी है।''

उन्होंने कहा, ''अगर आप 30-40 साल तक लगातार लोगों की कहानियों और अपनी खुद की यात्रा का हिस्सा बने रहते हैं, तो यही करियर का सबसे अच्छा मुकाम है। इसके लिए जरूरी है कि आप हमेशा काम करते रहें, अपने आप को दिखाते रहें और समय के अनुसार खुद को ढालते रहें।''

शाल्मली खोलगड़े का नया ट्रैक इम्प्रेशन रिलीज, बोलीं

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा यही मेरे नए गाने की सोच है

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में समय के साथ प्यार, रिश्तों और महिलाओं की भूमिका को देखने का नजरिया लगातार बदल रहा है। पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं। इसी बदले हुए दौर की एक मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने 'इम्प्रेशन' में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। 'परेशान', 'बलम पिचकारी' और 'लत लग गई' जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक 'इम्प्रेशन' को लेकर कहा, ''मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है।''म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं।

शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, '''इम्प्रेशन' मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है।''शाल्मली ने कहा, ''अब महिलाएं सिर्फ हालात का इंतजार करने वाली नहीं हैं, बल्कि वे खुद फैसले लेती हैं, नजरों से बात करती हैं और यह तय करती हैं कि रिश्ते की भावनात्मक गति कैसी होगी। 'इम्प्रेशन' इसी सोच को सामने लाता है।''

भूमि सतीश पेडनेकर की 'दलदल' बनी ग्लोबल ओटीटी हिट

भूमि सतीश पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ दिखाती है कि वह ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं।

दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है।

दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

सिनेमाघरों से लेकर दुनियाभर के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तक, भूमि ऐसा काम कर रही हैं जो खुद बोलता है। दलदल की सफलता के साथ यह साफ है कि भूमि सतीश पेडनेकर हर बार बड़ा जोखिम लेती हैं और उसे पूरी मजबूती से निभाती हैं।

पहली फिल्म कालीचरण के 50 साल पूरे होने पर भावुक हुए सुभाष घई

हर इंसान का पहला काम हमेशा खास और यादगार रहता है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र का हो। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'कालीचरण' उनके दिल के बेहद करीब मानी जाती है। फिल्म ने शनिवार को अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर सुभाष ने इंस्टाग्राम के जरिए पुराने पन्नों को ताजा किया। उन्होंने फिल्म की पुरानी तस्वीरें शेयर की। इसमें शत्रुघ्न सिन्हा समेत अन्य कलाकार नजर आ रहे हैं। निर्देशक ने लिखा, आज के ठीक 50 साल पहले मेरी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया था। मेरी पहली निर्देशकीय फिल्म 'कालिचरण' रिलीज हुई थी। उस दिन मैं घबराया हुआ था, क्योंकि उसके पहले मैंने अभिनय और दूसरों के लिए पटकथा लिखते हुए पूरे 10 साल संघर्ष किया था। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म 'कालीचरण' की सफलता ने मेरी जिंदगी की दिशा को पूरी तरह से बदल दिया था। इसके बाद सिनेमा में मेरा सफर लगातार बढ़ता गया।

निर्देशक ने आगे फिल्म कालिचरण की टीम को धन्यवाद देते हुए लिखा, आज भी मैं 'कालिचरण' की पूरी टीम का दिल से आभारी हूं। निर्माता, कलाकार, सह-लेखक और तकनीशियन। जिन्होंने उस समय मेरी सोच और मेरे सपने पर भरोसा किया, जब मुझे निर्देशन का कोई अनुभव नहीं था। आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म 'कालिचरण' से सुभाष घई ने निर्देशक के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म ने न सिर्फ उनके करियर की नींव रखी, बल्कि बॉलीवुड में उनकी अलग पहचान बनाई थी। साल 1976 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर हिंदी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'कालिचरण' में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, अजीत और डैनी डेन्जोंगपा ने अहम भूमिका अदा की थी। यह फिल्म एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के हमशक्ल अपराधी को सुधारकर 'लायन' नामक विलेन को पकड़ने की कहानी है। यह फिल्म शत्रुघ्न सिन्हा की पहली बड़ी हिट भूमिका थी। उन दिनों फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा का 'शॉटगन' अंदाज, रीना रॉय के साथ केमिस्ट्री, और 'जा रे जा ओ हरजाई' जैसे गाने काफी लोकप्रिय हुए थे।

पूजा घर से जुड़े इन वास्तु नियमों का रखें ध्यान, भाग्य में होगी वृद्धि

घर का सबसे पवित्र स्थान पूजाघर को माना जाता है। वास्तुशास्त्र में इस स्थान का खास महत्व बताया गया है। अगर घर का मंदिर और उसमें रखी चीजें वास्तु अनुसार हो तो आसपास के वातावरण में सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, घर से नकारात्मक ऊर्जाएं दूर होती हैं। मंदिर सही दिशा और वास्तु अनुसार होने से इसका शुभ प्रभाव परिवार के सदस्यों पर भी पड़ता है व भाग्य में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में घर में मंदिर बनवाते समय, उसमें भगवान की प्रतिमा, यंत्र आदि स्थापित करते वक्त वास्तु के इन महत्वपूर्ण नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए।

पूजा घर बनवाते समय इन वास्तु नियमों का रखें ध्यान

अपने घर में मंदिर रखते या बनवाते समय दिशा का ख्याल जरूर रखना चाहिए। वास्तु अनुसार मंदिर हमेशा ईशान कोण में होना चाहिए। जब भी आप पूजा करें तो मुख पूर्व, उत्तर या ईशान कोण की ओर ही होना चाहिए। ऐसा करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

पूजा घर का द्वार ईशान कोण या पूर्व दिशा में होना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप उत्तर दिशा में भी द्वार लगवा सकते हैं। लेकिन भूलकर भी मंदिर या उसका गेट दक्षिण, नैऋत्य कोण में नहीं होना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर घर बहुमंजिला हो तो मंदिर सबसे नीचे की मंजिल में ही होना चाहिए। पूजाघर बनवाते समय इस बात का ध्यान भी जरूर रखें कि उसमें एक रोशनदान व खिड़की अवश्य मौजूद हो।

अगर आप अपने पूजा घर में हवन कुंड का निर्माण करवा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें की वह षट्कोण या चौकोर हो। वास्तु अनुसार, घर में त्रिकोणीय या गोलाकार हवन कुंड होना शुभ नहीं माना जाता है।

घर के मंदिर में हल्का नीला या पीला रंग कराना सबसे उत्तम होता है। इससे ध्यान करते समय एकाग्रता बनी रहती है।

अगर आपने मंदिर किसी अलमारी में बनवाया हो तो उसके ऊपर किसी भी प्रकार का सामान नहीं रखना चाहिए।

पूजा घर में भगवान की मूर्ति रखने के नियम

वास्तु अनुसार पूजा घर में भगवान की मूर्ति इस प्रकार रखनी चाहिए की उनका मुख पश्चिम दिशा की ओर हो। साथ ही, भगवान की मूर्ति अत्यधिक बड़ी नहीं रखनी चाहिए। उनका साइज तीन उंगली जितना रखना सही माना जाता है।

पूजा घर में मूर्तियों को चौकी पर कपड़ा बिछाकर स्थापित करना चाहिए। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें की कोई भी मूर्ति या प्रतिमा खंडित न हो।

मान्यता है कि विष्णु, ब्रह्मा, शिव, सूर्य, इंद्र, कार्तिकेयजी आदि का मुख पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इसके अलावा, भगवान हनुमान का मुख नैऋत्य दिशा की ओर होना चाहिए। कुबेर देवता, दुर्गा मां, गणेशजी और भैरव बाबा का मुख दक्षिणाभिमुख होना चाहिए। माता पार्वती और शिवजी की प्रतिमा अग्निकोण में होनी चाहिए।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, इष्ट देवता का स्थान उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पूर्वजों की तस्वीर कभी भी भगवानों की प्रतिमा के साथ नहीं लगाने चाहिए।

मंदिर में भूलकर भी दो शिवलिंग, दो शंख और दो गणपतिजी की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार, मंदिर में दो मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर यंत्रों और चिन्हों से जुड़े नियम

वास्तु के अनुसार, घर में कुबेर यंत्र को उत्तर दिशा में रखना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि शुभ यंत्रों को प्राण प्रतिष्ठित करवाकर ही उन्हें पूजा घर में स्थापित करना चाहिए।

अपने घर के मंदिर में शुभ चिन्हों का प्रयोग उनके स्वामी देवताओं के साथ करना शुभ माना जाता है। स्वास्तिक भगवान गणेश और लक्ष्मी जी के साथ, विष्णुजी और माता लक्ष्मी के साथ शंख और मां सरस्वती वीणा।

मान्यता है कि रात में सोने से पहले मंदिर में जाकर शुभ चिन्हों को एक बार प्रणाम अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के भाग्य में वृद्धि हो सकती है।

पूजाघर से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण वास्तु नियम

अगर मंदिर घर की किसी अलमारी में स्थापित हो तो इसके द्वार पर पर्दा जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर सीधे मंदिर पर नहीं पड़ेगी।

घर के मंदिर में नियमित पूजा पाठ जरूर करनी चाहिए। दो समय पूजा करने से घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

पूजाघर को हमेशा साफ रखना चाहिए। वहां, गंदगी, धूल-मिट्टी, मकड़ी के जाले, गंदे वस्त्र आदि होना शुभ नहीं माना जाता है।

अपने घर के मंदिर में जल से भरा एक मिट्टी का कलश अवश्य रखना चाहिए। साथ ही, उसे प्रतिदिन जरूर बदलें। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि हो सकती है।

देवी-देवताओं को भोग लगाते समय इस बात का ख्याल रखें की भोग को भगवान के सामने रखकर थोड़ी देर के लिए पूजाघर का द्वार बंद कर देना चाहिए।

यात्रा पर जाते वक्त इन चीजों का दिखना है शुभ, कार्य सिद्धि का देते हैं संकेत

शकुनशास्त्र में ऐसे कई संकेतों के बारे में बताया गया है जो हमें यात्रा पर जाने से पहले या कोई शुभ कार्य शुरू करने से पहले मिलते हैं। हिंदू धर्म में जिस प्रकार यात्रा पर निकलने से पहले दही खिलाने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। उसी प्रकार शकुन शास्त्र के अनुसार, घर से निकलते वक्त ही हमें कुछ ऐसे संकेत मिलने लगते हैं जो यह बताते हैं कि कार्य सिद्धि होगी या नहीं। लेकिन इसके लिए संकेतों को पहचानना आवश्यक है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें यात्रा पर जाते समय देखना बेहद शुभ माना जाता है और ये कार्य सिद्धि का संकेत हो सकते हैं।

यात्रा पर जाते समय इन चीजों का दिखना है शुभ

अगर यात्रा के निकलते समय आपको सामने मोर या नेवला दिख जाए तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको यात्रा से उत्तम फल प्राप्त हो सकता है। वहीं, शकुन शास्त्र के अनुसार नीलगाय का दिखना भी अच्छा माना जाता है।

मान्यता है की यात्रा के लिए निकलते वक्त कुंवारी कन्या, शंख, गाय या भरा हुआ घड़ा दिखना भी बहुत शुभ संकेत होता है। इसका अर्थ है कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं उसमें शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

अगर आपको मैना जमीन की ओर बोलती नजर आए तो यह लाभ और सुख की प्राप्ति का संकेत हो सकता है। वहीं, पीठ पीछे आवाज करे तो आपकी मुलाकात अपने मित्रों के साथ हो सकती है।

यात्रा पर जाते समय अगर किसी सूखे पेड़ पर तोता बाईं ओर बोलता दिखे तो इसे महालाभ का संकेत माना जाता है। वहीं, अगर सारस पेड़ की डाली पर बैठा दिखाई दे तो इसे अत्यंत शुभ संकेत माना जाता है।

अगर यात्रा के समय आपको चिड़ियों का झुंड एक साथ एक ही स्थान पर बैठा दिखाई दे तो यह बड़े लाभ और सुख का संकेत हो सकता है। लेकिन चिड़ियों का झुंड भयभीत होकर उड़ता दिखे तो इसे शुभ नहीं माना जाता है।

यात्रा के समय कबूतर का बाईं ओर दिखना लाभकारी माना जाता है। वहीं, अगर पीठ पीछे बैठा नजर आ जाए तो इसे यात्रा के दौरान उत्तम फल की प्राप्ति होने का संकेत माना जाता है।

शकुन शास्त्र के अनुसार, मुर्गे का दाईं ओर बोलना शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके सुखों में वृद्धि हो सकती है।

मान्यता है कि अगर नीलकंठ पक्षी नजर आ जाए तो इसे बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। इसे कार्य सिद्धि का संकेत माना गया है और आपको संपत्ति लाभ के संकेत भी मिल सकते हैं।

यात्रा पर जाते समय अगर गाय दाईं ओर आवाज करती या अपने बछड़े को दूध पिलाती नजर आए तो इसे शुभ संकेत माना जाता है।

भानु सप्तमी : सूर्य देव की उपासना का विशेष दिन

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 8 फरवरी को है। यह दिन सूर्य देव की आराधना से जुड़ा है। पंचांग के अनुसार रविवार को भानु सप्तमी पर्व है। इस दिन सूर्य देव की आराधना, जप-तप और दान करने से पुण्य मिलता है और जीवन में यश-तरक्की के साथ सकारात्मकता बढ़ती है। दृक पंचांग के अनुसार 8 फरवरी, रविवार को भानु सप्तमी या रथ सप्तमी है, यह दिन सूर्य देव की उपासना के लिए बहुत खास माना जाता है और भी विशेष है कि इस बार सप्तमी तिथि रविवार के साथ पड़ रही है, जिससे पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है। भानु सप्तमी को रवि सप्तमी या रथ सप्तमी भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव की विधि-विधान से पूजा, अर्घ्य और दान करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बीमारियां दूर होती हैं और जीवन की हर बाधा खत्म हो जाती है। कारोबार में तरक्की होती है, धन-धान्य की वृद्धि होती है और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

8 फरवरी के पंचांग के अनुसार सूर्योदय 7 बजकर 5 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 6 मिनट पर होगा। कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 9 फरवरी सुबह 5 बजकर 1 मिनट तक रहेगी। नक्षत्र स्वाती रहेगा और योग गण्ड।

सूर्य देव को अर्घ्य देने का सबसे अच्छा समय सूर्योदय के साथ ही है। ब्रह्म मुहूर्त 5 बजकर 21 मिनट से 6 बजकर 13 मिनट पर होगा। अभिजित मुहूर्त 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट और विजय मुहूर्त 2 बजकर 26 मिनट से 3 बजकर 10 मिनट तक है, जो अति शुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य देव को तांबे के लोटे में जल भरकर, उसमें लाल फूल, लाल चंदन या रोली, अक्षत मिलाकर जल देना चाहिए। इस दौरान लाल वस्त्र पहनना शुभ होता है। सूर्य देव को पूर्व दिशा की ओर मुंह करके जल अर्पित करें और ' ओम सूर्याय नमः ' या गायत्री मंत्र का जाप करें। इस दिन दान का भी विशेष महत्व है। इसके लिए गेहूं, गुड़, तांबा, लाल कपड़ा या गन्ना दान करना श्रेयस्कर होता है।

भानू सप्तमी पर सूर्य देव की आराधना से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। हालांकि, अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। रविवार को राहुकाल शाम 4 बजकर 43 मिनट से 6 बजकर 6 मिनट तक रहेगा, यमगंड 12 बजकर 35 मिनट से 1 बजकर 58 मिनट तक और गुलिक काल 3 बजकर 21 मिनट से 4 बजकर 43 मिनट तक है। इसलिए इस दौरान पूजा या कोई नया या शुभ कार्य न करें।

24 को होलाष्टक आरंभ, जानें इस दौरान क्या करें क्या न करें

होलाष्टक का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना गया है। होली के पर्व से ठीक 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक आरंभ होते हैं और होलिका दहन यानी फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि पर होलाष्टक समाप्त हो जाते हैं। होलाष्टक को शास्त्रों में अशुभ माना गया है। इसलिए इन दिनों में कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। इन दिनों में न तो कोई नया काम शुरू किया जाता है न ही ग्रह प्रवेश आदि जैसा कोई कार्यक्रम किया जाता है। पंचांग की गणना के अनुसार, इस वर्ष फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का आरंभ 24 फरवरी को सुबह में 7 बजकर 2 मिनट पर होगा और अष्टमी तिथि 25 फरवरी को शाम में 4 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। यानी 24 फरवरी को ही होलाष्टक आरंभ हो जाएंगे। होलाष्टक 3 फरवरी पूर्णिमा तिथि के दिन समाप्त होगा।

होलाष्टक के दौरान भूलकर भी न करें ये काम

होलाष्टक जब लग जाते हैं उस समय कोई भी नया वाहन आदि नहीं खरीदना चाहिए।

होलाष्टक के दौरान कोई भी मांगलिक कार्य और ग्रह प्रवेश आदि के कार्य नहीं किए जाते हैं।

होलाष्टक के दौरान किसी भी नवविवाहित जोड़े को अपने ससुराल में पहली होली नहीं मनानी चाहिए।

होलाष्टक पर क्या करें

होलाष्टक के दौरान दान पुण्य के कार्य करने चाहिए।

इस दौरान भगावन शिव, भगवान विष्णु और हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

होलाष्टक पर क्यों नहीं होता कोई शुभ कार्य

होलाष्टक को लेकर मान्यता है कि इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। कामदेव ने भगवान शिव का तपस्या भंग कर दी थी। जिसके बाद भगवान शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया। जिसके बाद सृष्टि का संचार बिगड़ गया था। माना जाता है कि इन आठ दिनों तक अलग-अलग ग्रहों की ऊर्जा उग्र हो जाती है। इसलिए इन आठ दिनों तक भगवान के मंत्रों का जप करना शुभ फलदायी रहा जाता है।

उंगलियों और नाखूनों से जानें जीवन के बड़े रहस्य

समुद्रशास्त्र के अनुसार ऐसी उंगली और नाखून वाले होते हैं भाग्यशाली

सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर की बनावट और अंगों के बारे में विस्तार से बताया गया है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति के नाखूनों से उसका व्यक्तित्व और वर्तमान और पिछले जन्म के कई राज पता चलते हैं। हर व्यक्ति के नाखूनों की बनावट और आकार भी अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को नाखून चमकदार और कुछ के नाखून लंबे और काफी आकर्षक होते हैं।

ऐसी उंगली वाले होते हैं बुद्धिमान और चतुर

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति की उंगली गठीली और चिकनी होती हैं वह बुद्धिमान और समझदार होती है। ऐसा व्यक्ति जो भी काम करता है उसकी पूरी जानकारी रखता है। सामाजिक कार्य करने में आगे रहता है।

जिन लोगों की उंगली चिकनी होती है वह स्वाभाविक रुप से कार्य करने वाले होते हैं लेकिन, ऐसा लोग जो काम शुरू करते हैं उन्हें बीच में ही छोड़ देते हैं। बिना विचार उतावले पन से कार्य करते हैं। ऐसे लोगों खुद पर विश्वास नहीं रख पाते हैं।

उंगली और ग्रह

पहली उंगली तर्जनी का स्वामी बृहस्पति होते हैं।

दूसरी उंगली मध्यमा का स्वामी शनि होते हैं

तीसरी उंगली अनामिका का स्वामी सूर्य होता हैं

चौथी उंगली कनिष्ठा का स्वामी बुध होते हैं।

उंगली और जीवन से जुड़े रहस्य

जिस व्यक्ति की तर्जनी उंगली लंबी हो तो ऐसा व्यक्ति शासन शक्ति और बड़ा पद पाने की इच्छा रखता है। वहीं, अगर तर्जनी उंगली मध्यमा या दूसरी उंगली के बारे हो तो ऐसा व्यक्ति खुद की प्रशंसा अधिक करता है और अधिकार पाने की अभिलाषा रखता है। जबकि तर्जनी उंगली मध्यमा का छोटी हो तो ऐसा व्यक्ति शांत स्वभाव का होता है लेकिन, जिम्मेदारी से डरने वाला होता है। अगर उंगली थोड़ी टेढ़ी हो तो व्यक्ति को प्रतिष्ठा प्राप्त करने में काफी परेशानी होती है।

जिस व्यक्ति की मध्यमा उंगली (दूसरी उंगली) लंबी हो ऐसे लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं साथ ही गुप्त विद्याओं में रुचि रखता है। साथ ही ऐसे लोग भाग्य पर अधिक भरोसा करते हैं।

जिस व्यक्ति की मध्यमा उंगली छोटी हो तो ऐसा व्यक्ति विचारहीन होता है। ऐसा व्यक्ति साथ ही किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहता है।

अनामिका और कनिष्ठा उंगली से जुड़े रहस्य

जिस व्यक्ति की तीसरी उंगली यानी अनामिका उंगली लंबी हो तो ऐसा व्यक्ति यश प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला है। साथ ही ऐसे लोगों की रुचि साहित्य आदि में रहती है। और अधिक लंबी हो तो ऐसे लोगों के मन में धन प्राप्ति की लालसा होती है। छोटी हो तो उदासीनता और कला कौशल में अरुचि पैदा होती है। अगर लंबाई मध्यमा के बारे हो तो ऐसे लोग भाग्य के भरोसे रखने वाले खेलों को खेलना पसंद करते हैं

अगर किसी व्यक्ति की चौथी उंगली लंबी हो तो व्यक्ति के अंदर ज्ञान पाने की इच्छा अधिक रहती है। कनिष्ठा अधिक लंबी हो तो ऐसा व्यक्ति छल चतुरता और तीव्र बुद्धि वाला होता है और अगर छोटी हो तो ऐसे लोगों को कार्यों में असफलता मिलता है।

नाखूनों पर दाग और निशान का मतलब

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की तर्जनी उंगली के नाखून पर सफेद दाग होता है। तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति को सम्मान और यश की प्राप्ति होती है। साथ ही अगर इस उंगली के नाखून पर काला दाग होता है तो इसका मतलब है कि व्यक्ति को यश की प्राप्ति नहीं होती है।

अगर मध्यमा उंगली के नाखून पर सफेद रंग का दाग होता है तो इसका मतलब है कि ऐसे व्यक्ति को देश विदेश में यात्रा करने का मौका मिलता है। साथ ही अगल काले रंग का दाग इस उंगली के नाखून पर होता है तो इसका मतलब है कि ऐसे व्यक्ति के मन में किसी न किसी बात का भय बना रहता है।

अनामिका और कनिष्ठा उंगली पर निशान का मतलब

अगर अनामिका उंगली पर सफेद रंग का दाग होता है तो ऐसे व्यक्ति के मन में बहुत श्रद्धा भाव वाला होता है। साथ ही ऐसे लोगों को जीवन में किसी न किसी तरह अच्छा लाभ भी मिलता है। साथ ही समाज में यश और कीर्ति प्राप्त होती है। वहीं, अगर नाखून पर काले रंग का दाग होता है तो व्यक्ति को जीवन में हार और निंदा का सामना करना पड़ता है।

अगर किसी व्यक्ति की कनिष्ठा उंगली के नाखून पर सफेद रंग का दाग होता है तो ऐसा व्यक्ति को लाभ मिलता है। साथ ही दूसरे लोग भी उसपर विश्वास करते हैं। वहीं, नाखून पर काला दाग होने के कारण कामकाज में हानि का सामना करना पड़ता है।

अंगूठे पर सफेद और काले रंग के निशान का मतलब

अगर किसी व्यक्ति के अंगूठे पर सफेद रंग का दाग होता है तो व्यक्ति की लव लाइफ काफी अच्छी रहती है। साथ ही धन संपत्ति का सुख भी मिलता है। वहीं, अगर अंगूठे का नाखून पर काले रंग का दाग है तो ऐसे व्यक्ति का कामकाज में हानि के साथ साथ अपराध आदि का सामना भी करना पड़ता है।

दिमाग की बत्ती

पानी की बूंदें गोल होती हैं क्यों ?

पानी के अणु इसे गतिशील रखते हैं, परंतु ये पूर्णतः अलग नहीं होते, क्योंकि ये लगातार एक-दूसरे को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

पानी की सतह के अणु एक प्रकार की झिल्ली का निर्माण करते हैं, जो कम भार की वस्तुओं को सहारा दे सकती है। जो बल इन अणुओं को आपस में जोड़े रखता है, उसे 'सतहीय दबाव' कहते हैं। जब आप गिलास को पानी से ऊपर तक भरें, तब उसकी सतह को पास से देखें। ऊपरी सतह के किनारों पर पानी ज़रा-सा वक्राकार मुड़ा होता है। इन घुमावों को ही सतहीय दबाव कहते हैं। पानी को एक बैग की तरह जोर से खींचे, अगर यह कम मात्रा में होगा, तो सतहीय दबाव उसे गोल बूंद में बदल देगा।

क्या आप जानते हैं?

- कोआला के फिंगरप्रिंट्स (पैर्टन, शेप और साइश्च) इंसान के फिंगरप्रिंट्स जैसे ही होते हैं।
- म्यूजिक क्रॉनिक पेन को 20 फीसदी और डिप्रैशन को 25 फीसदी कम कर सकता है।
- ऊंट का दूध अरब देशों में काफी पिया जाता है। इसमें गाय के दूध के मुक़ाबले 10 गुना अधिक आयरन पाया जाता है।
- हिमालय ने पृथ्वी की सतह का 1/10 हिस्सा ढंका हुआ है।
- यदि व्हेल का ईको सिस्टम फेल हो जाए, तो उसकी मौत हो जाती है।
- पेट में करीब साढ़े तीन करोड़ डाइजैस्टिव ग्लैंड्स होते हैं।
- 1850 से पहले गोल्फ की गेंद चमड़े से बनाई जाती थी और इसमें पंख भरे जाते थे।
- चाइनीज सक्रिप्ट में 40,000 से अधिक कैरेक्टर्स हैं।
- पीटर द ग्रेट के शासन के दौरान दाढ़ी रखने वाले रशियन आदमियों को एक खास टैक्स देना पड़ता था।

आर्ट एंड क्राफ्ट

दीयों से बनी गुड़िया

पूजा करते समय हम दिए में जोत जलाते हैं। इस तरह हमारे पास कई दिए इकट्ठे हो जाते हैं। इन बचे हुए दिओं को फेंकें नहीं, आज हम इन दियों से सुंदर डैकोरेशन पीस बनाने की विधि आपको बता रहे हैं:

सामग्री

- तीन दिए
- बिंदियां, सितारे या ग्लिटर ग्लू
- थोड़ी-सी काली ऊन या मोटा धागा
- स्पार्कल ट्यूब
- फैविकोल

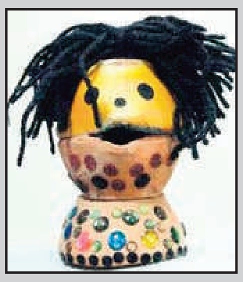

विधि

स्टैप 1. सबसे पहले दो दियों को बिंदियों, सितारों और ग्लिटर ग्लू से सजा लें। फिर इन्हें उल्टा कर के आपस में फैविकोल से जोड़ दें।

स्टैप 2. अब जो तीसरा दिया है, उसे जुड़े हुए दियों के ऊपर उल्टा करके चोंच से चोंच मिला कर जोड़ दें।

स्टैप 3. अब उस की चोंच के ऊपर काले रंग की दो बिंदियों से उसकी आंखें बना दें और एक छोटी काली बिंदी से उसकी नाक बना दें।

स्टैप 4. काली ऊन या धागे की गुच्छी बना कर गुड़िया के सिर पर बालों की जगह फैविकोल से चिपका दें।

सुंदर-सी गुड़िया आपके सामने है। आप इसे हैंग भी कर सकते हैं और ऐसे ही सजा भी सकते हैं।

मस्ती भरे म्यूजिक पर परेड करते अजीबो-गरीब कैरेक्टर्स, जंगल सफारी, पार्क की सैर कराती मोनोरेल, थ्रिल से भरपूर तरह-तरह की राइड्स, इसके अलावा और भी बहुत कुछ इंजॉय कर सकते हैं आप ए यूज़मेंट पा र्स में। तो आइए, आप भी इस अनोखी दुनिया की सैर का मौका संभालें...

मौज मस्ती की दुनिया

दुनिया का सबसे पुराना एम्यूजमेंट पार्क 1553 में कोपेनहेगन, डेनमार्क में खोला गया था। इसके बाद अमेरिका, आस्ट्रिया, ब्रिटेन आदि में भी एम्यूजमेंट पार्क बनाए गए। 1950 में डिज्नीलैंड एम्यूजमेंट पार्क बनने के बाद बड़े कार्पोरेट ग्रुप्स ने भी इसमें निवेश करना शुरू कर दिया।

बुस्च गार्डंस

अफ्रीका महाद्वीप की तर्ज पर बना बुस्च गार्डंस एम्यूजमेंट पार्क व चिड़ियाघर का बढ़िया कॉम्बीनेशन है। 1959 में स्थापित यह एम्यूजमेंट पार्क अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में है। यहां सफेद चीते, राइनो और हिप्पोस समेत 2700 से ज्यादा जानवर हैं। यहां सफारी स्टाइल राइड्स हैं। यहां का प्रसिद्ध 'शीकरा डाइव कोस्टर' आपको हवा में 200 फुट ले जाने के बाद सीधा नीचे सुरंग में ले जाते हुए अंततः पानी में ले जाता है।

गार्डललैंड

गार्डललैंड इटली का सबसे बड़ा एम्यूजमेंट पार्क है। इसका बड़ा आकर्षण ऐडवेंचर राइड 'सीकोउआ' है, जो हवा में 100 फुट तक जाती है और फिर 180 डिग्री के कई ट्विस्ट्स लेती हुई नीचे आती है। यह मार्च से अक्तूबर तक खुला रहता है।

लोट्टे वर्ल्ड

लोट्टे वर्ल्ड कोरिया का प्रसिद्ध एम्यूजमेंट पार्क है। यह डिज्नीलैंड की तरह ही बना हुआ है। 1989 में स्थापित इस पार्क की अधिकतर राइड्स में लाइट्स, डिस्प्ले और एनिमेशन शामिल हैं। जब आप राइड्स के बाद आराम फरमाना चाहें, तो 'लोट्टे फॉक म्यूजियम' में कोरियन हिस्ट्री और कल्चर के बारे में जान सकते हैं। इस म्यूजियम में एक मॉडल गांव समेत परफॉर्मेंस हॉल और मार्केट भी है।

पोर्टावेंचुरा

पोर्टावेंचुरा एम्यूजमेंट पार्क स्पेन के कोस्टा डोराडो के एक बड़े रिसॉर्ट कॉम्पलैक्स में बना

हुआ है। 1995 में स्थापित इस एम्यूजमेंट पार्क की ख़ासियत है कि यह पांच देशों- मैक्सिको, पॉलिनेशिया, चीन, मैडिट्रेनियन और सुदुर पश्चिम के बीच बंटा हुआ है। 'हुराकन कोनडोर' राइड 282 फुट की ऊंचाई से आपको सीधा नीचे की ओर लेकर आती है और इसकी झुकी हुई सीटों पर बैठे हुए आप महसूस करते हैं जैसे आप बाहर की ओर गिर जाएंगे।

ताईवोली गार्डंस

ताईवोली गार्डंस एम्यूजमेंट पार्क कोपेनहेगन, डेनमार्क में है। इसकी स्थापना 15 अगस्त 1843 को हुई थी। यह दुनिया के सबसे पुराने पार्क्स में से एक है। इसको देख कर ही डिज्नीलैंड बनाया गया था। इसका सबसे बड़ा आकर्षण लकड़ी से बना रोलरकोस्टर 'रूट्सजेबानेन' है। यह दुनिया के सबसे पुराने लकड़ी के रोलर कोस्टर्स में से एक है, जो अब भी ऑपरेट कर रहे हैं। 1 मई, 2009 को यहां एक नई थ्रिल राइड 'वर्टिगो' शुरू की गई।

थॉरप पार्क

थॉरप पार्क 15 हिस्सों में बंटा हुआ है। इनके नाम यूरोपियन देशों के नाम पर हैं। एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए यह सबसे बढ़िया एम्यूजमेंट्स पार्क्स में से एक है। यह केवल सर्दी के मौसम में ही खुलता है। जर्मनी में स्थित इस पार्क में सबसे पहली बार हॉरर फिल्म की थीम पर रोलरकोस्टर राइड 'सॉ' शुरू की गई। जो लोग बहुत दलेर हैं, वे 'अनहोली ट्रिनिटी' राइड का मजा ले सकते हैं। यह दो सैकंड से भी कम समय में 0 से 80 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आपको 205 फुट की ऊंचाई से नीचे लाती है। अगर इन राइड्स के बाद भी आप और एडवेंचर्स राइड्स का मजा लेना चाहते हैं, तो आपके लिए है 'ट्रिनिटी ऑन कोलोसस'। यह दुनिया का पहला टेन-लूपिंग रोलरकोस्टर है।

डिज्नीलैंड

डिज्नीलैंड की स्थापना 17 जुलाई 1955 को हुई। इसके अगले दिन यानी 18 जुलाई से इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया। इसका निर्माण वॉल्ट डिज्नी ने कराया। आठ अलग-अलग खूबसूरत थीम्स पर बने डिज्नीलैंड पार्क का क्रेज देखते ही बनता है। यहां मिकी माउस और मिनी माउस जैसे कार्टून चरित्रों का घर भी है। यहां मूवी थिएटर, सिटी हॉल, फायर हाउस, इम्पोरियम, शॉप्स आदि में दर्शकों की भीड़ लगी रहती है।

टिवोलीलैंड

टिवोलीलैंड खूबसूरत बागों, फव्वारों और फूलों से भरा मनरोंजन पार्क है। इसके 80 आकषर्णों में भूतहा ट्रेन 'लूप-द-लूप', उड़ने वाला कार्पेट, लूपिंग रोलरकोस्टर, ब्लून रेस, स्पेस-कार शामिल हैं। इस पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण 40 मीटर ऊंचा 'बूमरंग' है, जो स्कैंडेनेविया की सबसे बड़ी राइड है। आप यहां दुनिया की दो सबसे थ्रिलिंग राइड्स- 'द ग्रैविटी टॉवर'- एक 55 मीटर फ्री-फॉल टॉवर और 3-डी राइड इफैक्ट वाले स्टार डिस्करवरी का मजा ले सकते हैं।

सिडर पॉइंट

सिडर प्वाइंट की गिनती दुनिया के तीसरे सबसे मशहूर एम्यूजमेंट पार्क के रूप में होती है। ओहायो स्थित यह अमेरिका का दूसरा सबसे पुराना थीम पार्क है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण रोलर कोस्टर हैं, जिनमें 'रैप्टर' प्रमुख है। इसकी गति 57 मील प्रति घंटा है। इसके अन्य आकर्षण 'लाइव शो' और 'चैलेंज पार्क' हैं।

आज अधिकतर देशों में हथियारों की होड़ मची हुई है, पर बहुत से देश ऐसे भी हैं जिनके पास सेना नहीं है और इनकी सुरक्षा दूसरों के हवाले है...

इनकी सुरक्षा 'दूसरों' के हवाले

कोई भी देश तभी स्वतंत्र रह सकता है, जब वह अपनी सुरक्षा खुद करने में सक्षम हो। देश की सुरक्षा के लिए सेना और सुरक्षाबलों की जरूरत पड़ती है। सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए करोड़ों-अरबों रुपयों का प्रावधान देश के आर्थिक बजट में रखा जाता है। अधिकतर देश विकास कार्यों से ज़्यादा पैसा हथियारों की खरीद पर खर्च कर रहे हैं। पर दुनिया में कुछ देश ऐसे भी हैं, जिनकी अपनी सेना नहीं है। उन्होंने विश्व की बड़ी सैन्य ताकतों को अपने देश की सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा हुआ है।

इनके पास नहीं है अपनी सेना

कोस्टा रिका: कोस्टा रिका दुनिया का पहला देश था, जिसने अपनी सेना को औपचारिक रूप से समाप्त किया था। इस देश ने अन्य देशों के सामने एक मिसाल पेश की है कि किस तरह एक देश अहिंसा के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है। कोस्टा रिका एक गणराज्य है, इसकी भाषा स्पैनिश है।

यह देश 1821 में स्पेन से आजाद हुआ था। इसके पड़ोस में पनामा और निकारागुआ हैं, पश्चिम में प्रंशात महासागर और दक्षिण में कैरेबियन महासागर है। इस गणराज्य की साक्षरता दर 97 प्रतिशत है, रोमन कैथोलिक इसका राज्य धर्म है। कॉफ़ी, केले और अनानास का निर्यात कोस्टा रिका की आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

अनडोरा: इस देश ने फ्रांस और स्पेन के साथ रक्षा समझौता किया हुआ है। 1993 से अनडोरा के पास अपनी खुद की सेना नही है।

डोमिनिका: 1981 में डोमिनिका में सेना द्वारा तख्ता पलट करने का प्रयास करने के बाद यहां सेना को ही समाप्त कर दिया गया।

ग्रेनेडा: 1983 में ग्रेनेडा ने आर्थिक कारणों से अपनी सेना को भंग कर दिया था।

हैती: 1995 को हैती ने अपने पड़ोसी मुल्कों का अनुसरण करते हुए अपनी सेना हो समाप्त कर दिया।

किरिबाती: इस देश के पास अपनी पुलिस और तट रक्षक हैं, पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया और न्यजीलैंड के पास है।

लिस्टेंस्टीन: इस छोटे से देश ने अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्विट्जरलैंड को दे रखी है।

मार्शल द्वीप: मार्शल द्वीप की सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा अमेरीका के पास है।

माइक्रोनेशिया: माइक्रोनेशिया को सुरक्षा प्रदान करने का काम अमेरिकन सैनिक करते हैं।

नाऊरू: ऑस्ट्रेलिया के पास नाऊरू की सुरक्षा की जिम्मेदारी है।

पलाऊ: सुरक्षा समझौते के तहत अमेरिका पलाऊ की सीमाओं की रक्षा करता है।

समाओ: इस देश ने न्यूज़ीलैंड के साथ रक्षा समझौता किया हुआ है।

सोलोमन द्वीप: ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के पास सोलोमन द्वीप की रक्षा की जिम्मेदारी है।

मोनाको: फ्रांस ने मोनाको की सुरक्षा का जिम्मा अपनी सेना को सौंपा हुआ है।

अनमोल 'कोड टॉकर'

दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिकी नौसेना ने नवाजो रैड इंडियनों को नियुक्त किया था, क्योंकि सेना ऐसी गूढ़ भाषा के इस्तेमाल करना चाहती थी, जिसे दुश्मन तोड़ न सके। इसका कारण यह था कि अगर कोई नवाजो लोगों के साथ बहुत अधिक समय तक न रहा हो या उसने उनकी भाषा का गहरा अध्ययन न किया हो, तो वह उनकी भाषा समझ नहीं सकता। इस भाषा में कोई लिखित अक्षर या संकेत नहीं होता।

एक शब्द के कई अर्थ हो सकते हैं। अर्थ क्या होगा, यह बोलते समय शब्द पर दिए गए जोर पर निर्भर करता है। अमेरिकनो के लिए प्रशिक्षित नवाजो 'कोड टॉकर' अनमोल साबित हुए। वे अपनी याद्दाश्त के ज़रिए बिजली की फूर्ति से बिना किसी पुस्तक या चार्ट की मदद से संदेश भेजते थे और कोई भी, यहां तक कि उनके साथी सैनिक भी उन संदेशों को समझ नहीं सकते थे। जापानी संकेत भेदकों (क्रिप्टोग्राफर) ने कोड भेदने की हर संभव कोशिश की, लेकिन कभी सफल नहीं हुए।

हम बताएं, आप बनाएं

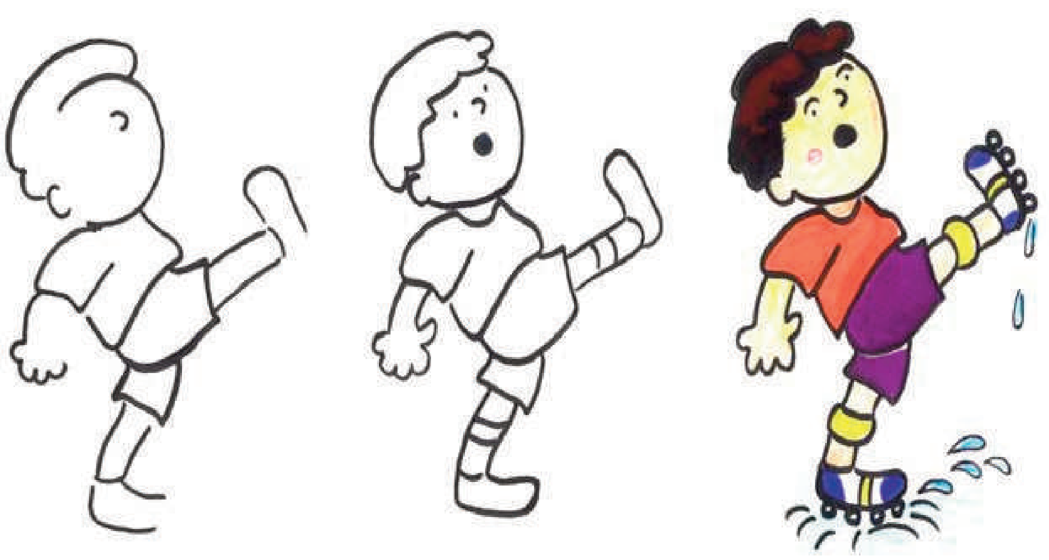

भारत अपनी और दूसरे देशों की अंतरिक्ष संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम है। चंद्रमा पर पानी की खोज इसरो की ऐतिहासिक उपल धि है...

अंतरिक्ष में खोज

आज हम जो मोबाइल फोन और इंटरनैट का प्रयोग कर रहे है। यह सब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों के कारण हो पाया है। 23 सितंबर को एक साथ सात सैटेलाइट छोड़ कर इसरो ने नया इतिहास रचा है। इसरो के मून मिशन चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी की खोज की है। नासा ने भी इसके लिए इसरो को बधाई दी है। यह न सिर्फ़ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक उपल धि है, बल्कि इसे बाहरी अंतरिक्ष में जीवन की खोज के अभियान में मील का पत्थर माना जा रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन भारत का राष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थान है। इसका मु यालय कर्नाटक की राजधानी बंग्लौर में है। संस्थान में लगभग सत्रह हज़ार कर्मचारी एवं वैज्ञानिक कार्यरत हैं। संस्थान का मुख्य कार्य देश के लिए अंतरिक्ष संबंधी तकनीक़ उपलब्ध करवाना है।

आज भारत न सिर्फ अपनी अंतरिक्ष संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में समक्ष है, बल्कि दुनिया के बहुत से देशों को अपनी अंतरिक्ष क्षमता के चलते व्यापारिक और अन्य स्तरों पर सहयोग कर रहा है। इसरो वर्तमान में ध्रुवीय कृत्रिम उपग्रह प्रक्षेपण (पी.एस.एल.पी) एवं जी.एस.एल.वी की सहायता से क्रमशः कृत्रिम एवं भू-स्थायी कृत्रिम उपग्रह प्रक्षेपित करता है।

इसरो का इतिहास

भारत का अंतरिक्षीय अनुभव बहुत पुराना है, जब रॉकेट को आतिशबाजी के रूप में पहली बार प्रयोग में लाया गया, जोकि पड़ोसी देश चीन का तकनीक़ी आविष्कार था और देशों में सिल्क की सड़क से विचारों एवं वस्तुओं का आदान-प्रदान हुआ करता था । टीपू सुल्तान ने मैसूर की जंग में अंग्रेज़ों को खदेड़ने के लिए उनके ख़िलाफ़ रॉकेट का प्रयोग देश में पहली बार किया था। इसे देखकर अंग्रेज़ों ने 1704 में कंग्रीव रॉकेट का आविष्कार किया ।

पुराना पत्थरों का किला

टॉवर ऑफ लंदन इंग्लैंड के लंदन शहर में सबसे पुराना पत्थरों से बना किला है। इसका निर्माण विलियम द कांक्वर्र द्वारा सन् 1066 में इंग्लैंड पर विजय प्राप्त करने के बाद करवाया गया था। यहां अनेक लोगों को बंदी बनाकर रखा गया, जिनमें सन् 1500 के दौरान प्रिंसेस (जो बाद में रानी बनीं) एलिजाबेथ और उनकी मां एनी बोलीन शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 फरवरी 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 05:04 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 05:03 तक
योग : गण्ड रात्रि 12:07 तक
करण : विष्टि सायं 03:57 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:07 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भानु सप्तमी , भद्रा सायं 03:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जल जीवन मिशन से 16 करोड़ घरों को मिल रहा नल से जल : सीआर पाटिल

जयपुर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में बजट पर प्रधानमंत्री के जवाब न देने को लेकर जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री को संसद में जवाब देना था, उसी दिन कांग्रेस ने जानबूझकर ऐसा माहौल बना दिया कि स्थिति बिगड़ सकती थी। सीआर पाटिल ने कहा कि कांग्रेस की महिला सांसदों का प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और संसद के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लोकसभा सवाल पूछने और जवाब देने का मंच है, न कि किसी को घेरने या दबाव बनाने का स्थान। मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि जो लोग महिलाओं को आगे कर राजनीति करते हैं, वे स्वयं कमजोर होते हैं और अपनी ताकत पर भरोसा नहीं कर पाते। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि उसी दिन कांग्रेस सांसदों ने केंद्रीय मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू को अपमानित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि एक पगड़ीधारी सरदार का रास्ता रोकना और उन्हें घेरना पूरी तरह गलत है। संसद में टोका–टोकी होती है, सवाल पूछे जाते हैं, लेकिन यह सब अपनी सीट पर खड़े होकर किया जाता है। प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना मर्यादाओं के खिलाफ है। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर सीआर पाटिल ने कहा कि इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिलेगा या नहीं, इसका फैसला कैबिनेट करेगी। उन्होंने यमुना जल समझौते पर बताया कि यह राजस्थान के लिए 77 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ रुपए का बड़ा प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि केंद्र और राज्य सरकार कितना पैसा देंगी, असली बात यह है कि राजस्थान को कितना पानी मिलेगा। पाटिल ने कहा कि इस परियोजना से करीब 10 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। राजस्थान देश का सबसे कम पानी वाला राज्य है, लेकिन आने वाले समय में यहां सबसे ज्यादा पानी उपलब्ध होगा। हरियाणा और राजस्थान के बीच यमुना जल को लेकर एमओयू हो चुका है और डीपीआर बनाने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री जब भी दिल्ली जाते हैं, राज्य के लिए कुछ न कुछ लेकर ही आते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बजट पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सराहना की और कहा कि उन्होंने लगातार नौ बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाया है। यह महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था था, जबकि अब देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

सीआर पाटिल ने बताया कि कपड़ा उद्योग, खेती और इंफ्रास्ट्रक्चर समेत हर क्षेत्र में काम हो रहा है। देश में सात विशेष रेल कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें दिल्ली, वाराणसी और सिलीगुड़ी जैसे जिले शामिल हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल और अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं।

टोंक में महिला बीडीओ को जान से मारने की धमकी

ऑफिस में घुसकर दी चाकू मारने की चेतावनी, आरोपी ने की अभद्रता

टोंक, 07 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायत समिति टोंक की विकास अधिकारी सविता राठौड़ के साथ उनके ही कार्यालय में एक संविदा कर्मी द्वारा गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। आरोपी ने न केवल महिला अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया, बल्कि सरेआम उन्हें 'चाकू मारने' और कार्यालय से घसीटकर बाहर निकालने की धमकी भी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना अभियान के तहत अरावली संस्थान (जयपुर) द्वारा अरविन्द कुमार मेहरा को ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के पद पर टोंक में नियुक्त किया गया है। लापरवाही: इऊब सविता राठौड़ के अनुसार, आरोपी अरविन्द अक्सर कार्यालय से अनुपस्थित रहता था और पिछले कई दिनों की हाजिरी एक साथ लगा देता था।

बीडीओ ने रिपोर्ट में बताया कि समझाने के दौरान आरोपी अरविन्द अचानक हिंसक हो उठा। उसने तेज आवाज में चिल्लाते हुए महिला अधिकारी से कहा, मैं तुम्हारी चोटी पकड़कर बाहर निकाल दूंगा और चाकू से मार दूंगा। आरोपी की चीख–पुकार सुनकर कार्यालय के अन्य कर्मचारी तुरंत चेंबर में पहुंचे और आरोपी को पकड़कर बाहर निकाला। वहां से भागने से पहले भी वह लगातार जान से मारने की धमकियां देता रहा। कोतवाल भंवरलाल वैष्णव ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बीडीओ ने अपनी शिकायत में आरोपी पर: जान से मारने की धमकी देने, अभद्र व्यवहार और गाली–गलौज करने, राजकार्य में बाधा पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है। महिला अधिकारी ने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा और सख्त कार्रवाई की मांग की है। बीडीओ सविता राठौड़ ने कहा– वह अक्सर बिना बताए, ड्यूटी से गायब रहता था। जब उसे उसकी गलती का अहसास कराया गया, तो उसने मर्यादा पार कर दी। ऑफिस में एक महिला अधिकारी के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय है।

इंडिया स्टोन मार्ट 2026 – केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया विजिट

दो दिवसीय जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल का हुआ समापन

जयपुर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। लघु उद्योग भारती, सीडॉस और रीको के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी), सीतापुरा में आयोजित हो रहे इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के समानांतर चल रहे जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल 2026 का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय फेस्टिवल का समापन समारोह केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। दिनभर चले आर्किटेक्चर फेस्टिवल के सत्रों के पश्चात शाम के समय केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जेईसीसी पहुंचे, जहां उन्होंने इंडिया स्टोन मार्ट 2026 की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल के क्लोज़िंग सेशन में भाग लेकर फेस्टिवल का औपचारिक समापन किया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि, स्टोन, आर्किटेक्चर और शहरी विकास भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल जैसे मंच नीति, डिज़ाइन और उद्योग के बीच संवाद को मजबूत करते हैं। उन्होंने राजस्थान के स्टोन उद्योग की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका को रेखांकित करते हुए सस्टेनेबल माइनिंग, वैल्यू एडिशन और आधुनिक तकनीक को अपनाने पर ज़ोर दिया। विख्यात आर्किटेक्ट जितेंद्र मेहता ने 'इन्दौर डेवलपमेंट मॉडल' पर आधारित सत्र में बताया कि किस प्रकार संतुलित शहरी नियोजन, नागरिक सहभागिता और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से इंदौर देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा है।

राज्यपाल ने अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज से लिया आशीर्वाद

जयपुर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के पास पहुंच उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी की प्रेरणा से हर मास एक उपवास जैसे लोकमंगलकारी प्रकल्प को जीवन साधना बताते हुए सराहना की। उन्होंने कहा कि उपवास स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। बागडे ने भारत की संयम परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि समाज को आत्मसंयम, नागरिकों के स्वास्थ्य और अध्यात्म की भावना से जुड़ा हर मास एक उपवास महती कदम है। राज्यपाल ने आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के जीवन को साधना, सेवा और

समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए उनके 557 दिन के अखंड मौन और एकांतवास जैसी कठिन तपस्या को नमन किया। उन्होंने कहा कि जैन धर्म नहीं अध्यात्म साधना की महान दृष्टि है। इससे पहले राज्यपाल ने हर माह उपवास पोस्टर का भी लोकार्पण किया।

किसानों की बलि चढ़ाकर ट्रेड डील नहीं चलेगी : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 07 फरवरी (एजेंसियां)। यूएस–इंडिया ट्रेड डील की रूपरेखा की घोषणा आज सुबह 3:55 बजे अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव द्वारा किए जाने के बाद देशभर में चिंता और आक्रोश का माहौल है। इस प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भारत के किसानों और खेतिहर मजदूरों के साथ खुला धोखा करार दिया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इस डील के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार ने देश के 72 करोड़ किसानों और कृषि पर निर्भर परिवारों की आजीविका को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्रेमवर्क समझौते के पहले ही बिंदु में यह स्पष्ट किया गया है कि भारत अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों पर टैरिफ समाप्त करेगा, जो सीधे तौर पर भारतीय कृषि के लिए घातक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते के लागू होने से अब अमेरिका से मक्का (डिस्टिलर ड्राइड ग्रेन्स), सोयाबीन, ज्वार (लाल ज्वार), मेवे (बादाम, अखरोट, पिस्ता आदि) तथा ताजे फल बड़े पैमाने पर भारत में आयात किए जाएंगे। इसका सीधा असर देश के किसानों की उपज, न्यूनतम समर्थन मूल्य और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

राव नरेंद्र सिंह ने यह भी चेताया कि फ्रेमवर्क समझौते के पहले बिंदु के अंतिम दो शब्दों में चुपचाप अतिरिक्त उत्पाद जोड़ दिए गए हैं, जो इस डील की मंशा को और अधिक संदिग्ध बनाते हैं। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार पहले ही जनवरी से नवंबर 2025 के बीच अमेरिका से 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कपास आयात कर चुकी है, जो आगे कई गुना बढ़ सकता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि ये अतिरिक्त उत्पाद आखिर कौन–से हैं? क्या इसमें गेहूं, दालें, दूध, पनीर और अन्य डेयरी उत्पाद भी शामिल हैं? सरकार ने इस पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं दी है, जो किसानों की चिंता को और गहरा करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस डील के छठे बिंदु की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि इसके अंतिम हिस्से में भारत द्वारा अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर 'गैर–टैरिफ बाधाओं' को हटाने की सहमति दी गई है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सरकार किसानों को दी जा रही सब्सिडी और संरक्षण को भी खत्म करने की तैयारी में है, जिससे किसान पूरी तरह बाजार और विदेशी कंपनियों के रहमो–करम पर छोड़ दिए जाएंगे।

राव नरेंद्र सिंह ने दो टूक कहा, कांग्रेस पार्टी किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करेगी। किसानों की बलि चढ़ाकर कोई भी ट्रेड डील देशहित में नहीं हो सकती।

घरेलू कलह ने उजाड़ा घर, 3 बच्चों के पिता ने फंदा लगाकर दी जान

करनाल, 07 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव दहा में एक 37 वर्षीय व्यक्ति द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक का शव घर के अंदर पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में घटना का कारण लंबे समय से चल रहा पारिवारिक तनाव और घरेलू कलह माना जा रहा है। मजदूरी कर पालता था तीन बच्चों का पेट मृतक की पहचान रवि (37) पुत्र राम सिंह के रूप में हुई है। रवि मूल रूप से प्रवासी था और मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करता था। वह अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को छोड़ गया है। बताया जा रहा है कि रवि की पत्नी उससे अलग रहती थी, जिसके कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान था।

घटना का खुलासा तब हुआ जब रवि के घर में काफी देर तक कोई हलचल नहीं हुई। आसपास के लोगों और परिजनों ने जब दरवाजा खोला तो रवि का शव पंखे पर रस्सी के फंदे से लटका देख उनके होश उड़ गए। तुरंत इसकी सूचना मधुबन थाना पुलिस को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं ताकि मौत के कारणों की सटीक पुष्टि हो सके। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया। शुरुआती जांच में मामला घरेलू कलह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है क्योंकि मृतक की पत्नी उससे अलग रह रही थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पारदर्शी भर्ती से बदल रही हरियाणा की तस्वीर, हजारों युवाओं को मिला रोजगार : सैनी

चंडीगढ़, 07 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प–पत्र में 217 संकल्प लिए थे, जिनमें से 60 पूरे किए जा चुके हैं और शेष संकल्पों पर तेजी से काम चल रहा है, जिन्हें जल्द पूरा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, स्वास्थ्य मंत्री सुश्री आरती सिंह राव, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, कालका से विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग, प्रसिद्ध बॉलीवुड कलाकार यशपाल शर्मा तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का संविधान पूरी मजबूती से लागू है और सरकार संविधान की भावना के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने भ्रष्टाचार–मुक्त और पारदर्शी शासन के लिए भाजपा को चुना है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ा है। इसी विश्वास के आधार पर राज्य में डबल इंजन सरकार को तीसरी बार बड़ा जनादेश मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है, जिससे गरीब परिवारों के बच्चे भी बिना सिफारिश के सरकारी नौकरियां हासिल कर रहे हैं। शपथ ग्रहण से पहले ही 24,000 युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए गए और इस वर्ष भी बड़े स्तर पर भर्तियां की जा रही हैं। आयोग के माध्यम से भी भर्ती प्रक्रिया जारी है। सरकार सभी रिक्त पदों को पारदर्शिता के आधार पर भर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा देश के अन्य राज्यों में भी अपनी प्रतिभा से स्थान बना रहे हैं और दूसरे राज्यों के युवा भी यहां अवसर पा रहे हैं। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संकेत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में न तो भेदभाव होता है और न ही सिफारिश की संस्कृति, बल्कि योग्य युवाओं को ही अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि किडनी मरीजों के लिए डायलिसिस पूरी तरह मुफ्त किया गया है, गरीब परिवारों को रियायती दर पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और पात्र महिलाओं के लिए 'लाडो लक्ष्मी' योजना शुरू की गई है। ऐसी महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं पंचायतों से जुड़े फैसलों के तहत लंबे समय से बसे ग्रामीण परिवारों को मालिकाना हक देने का निर्णय भी लिया गया है। किसानों के लिए 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है और दुनिया में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्र के बजट में विकसित भारत की स्पष्ट झलक दिखाई दी। उन्होंने कहा कि आगामी हरियाणा का बजट जन आशाओं और उम्मीदों पर खरा उतरेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि 1984 की घटनाओं से जुड़ी पीड़ा आज भी लोगों के मन में है और ऐसे मामलों में संवेदनशीलता जरूरी है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब सरकार विपक्ष की बात भी सुने और जनहित के अच्छे सुझावों को स्वीकार करे।

विधानसभा में भी विपक्ष को बार–बार तथ्य आधारित सुझाव देने के लिए कहा जाता है, जिन्हें सरकार अवश्य अपनाएगी, लेकिन बिना तथ्यों के आरोप लगाना लोकतंत्र को कमजोर करता है। ट्रेड डील पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के कारण भारत के कई देशों के साथ मजबूत संबंध बने हैं, जिससे व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की राजनीति सेवा, पारदर्शिता और विकास पर आधारित है, जबकि विपक्ष आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है।

किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित किया जाना चाहिए : हरिता

आसिफाबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति रुचि दिखाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। शनिवार को जनकपुर रायथु वेदिका में कृषि एवं वानिकी स्थायी कृषि संगठन विभाग द्वारा आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान, उन्होंने यह बात कही।

इस अवसर पर, हरिता ने कहा कि भावी पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए किसानों को प्रकृति द्वारा तैयार की गई खेती के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

न्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से योजना बनाने और किसानों को प्राकृतिक सिंचाई के लाभों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

हरिता ने यह भी कहा कि दूषित फसलों का सेवन मानव स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ता है। उन्होंने यूरिया और डीएपी के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने की सलाह देते हुए, मवेशियों के गोबर और अन्य जैविक उर्वरकों के उपयोग से अधिक पैदावार प्राप्त करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान, कृषि विभाग के नववर्ष कैलेंडर और डायरियों का अनावरण भी किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी वेंकटथी, सहायक निदेशक मनोहर, मिलिंद कुमार, कृषि और विस्तार अधिकारी, और अन्य उपस्थित थे।

पुलिस ने किया खजाने की खोज में शामिल सात सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़

मंचेरियाल, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । पुलिस ने कथित खजाने की खोज में शामिल एक सात सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के पास से एक कार, एक मोटरसाइकिल, सात मोबाइल फोन, और नकली सोने के सिक्के बरामद किए गए हैं।गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसपी अखिल महाजन ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में दर्शनला राज कुमार, अर्धांगी महेंद्र, बलेवर नवीन, रिंगन कुमार, एति श्याम, कादिर अखिल, और डोनिपेली अरुण कुमार शामिल हैं। ये सभी भीमपुर मंडल के पिप्पलकोट गांव के निवासी हैं।

एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी राज कुमार, जो स्वयंभू धर्मगुरु है, खजाने की खोज के नाम पर जनता से भारी रकम वसूल कर उन्हें धोखा देता था। राज कुमार ने स्वीकार किया कि उसने ई-कॉमर्स पोर्टलों से नकली सोने के सिक्के खरीदे थे।उसने खुलासा किया कि वह खरीदे गए सिक्कों को जमीन में छिपाने समय कुछ अनुष्ठान करता था और बाद में यह दावा करता था कि उसे खजाना मिल गया है। उसने गिरोह के छह सदस्यों के साथ मिलकर 26 लोगों से कुल 1.03 करोड़ रुपये इकट्ठा करने की बात स्वीकार की।राज कुमार संभावित शिकारों को यह कहकर बहकाता था कि खजाने की खोज के दौरान उस पर ईश्वर का साया रहेगा। वह भोले-भाले लोगों से 1 लाख से 6 लाख रुपये तक की रकम वसूलता था।एसपी ने यह भी बताया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में इस गिरोह के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए गए हैं। आदिलाबाद डीएसपी एल जीवन रेड्डी, इंस्पेक्टर जी श्रवण, और एसआई विक्रम भी इस कार्रवाई में शामिल रहे।

सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करें

कुमुरम भीम आसिफाबाद, 7 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर एस. के. हरिता ने कहा कि सरकारी स्कूलों और वेलफेयर हॉस्टलों में पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ मेन्यू के अनुसार स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना चाहिए।शनिवार को उन्होंने रेबेना मंडल के गंगापुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किचन, क्लासरूम, उपस्थिति रजिस्टर तथा परिसर की स्वच्छता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जोर दिया कि सरकार सरकारी स्कूलों और हॉस्टलों में सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मिड-डे मील में निर्धारित मेन्यू के अनुसार पौष्टिक भोजन मिलना चाहिए, डाइनिंग हॉल, क्लासरूम और स्कूल परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने 10वीं कक्षा के छात्रों को वार्षिक परीक्षा के लिए अच्छी तैयारी कराने और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही, छात्रों को पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया।

इसके बाद उन्होंने मंडल परिषद कार्यालय का दौरा कर स्टाफ की उपस्थिति सूची जांच की। एम्प्लॉयमेंट गारंटी योजना के कार्यालय में मजदूरों को आवंटित कार्य दिवसों के रजिस्टर की जांच की और स्टाफ से विवरण मांगे। उन्होंने कहा कि मजदूरों को उनकी योग्यता के अनुसार उचित कार्य दिवस प्रदान किए जाएं।कलेक्टर ने लक्ष्मीपुर ग्राम पंचायत में नर्सरी का निरीक्षण किया और पौधों की सुरक्षा, समय पर सिंचाई तथा प्रबंधन के लिए सुझाव दिए। पुलिकुंटा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों को छात्रों की उपस्थिति दर बढ़ाने और परिसर की स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर डॉक्टरों व स्टाफ की उपस्थिति जांच की तथा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं, समय पर जांच, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक आहार व आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।तहसीलदार कार्यालय में स्टाफ की उपस्थिति जांच कर भूमि रिकॉर्ड, विभिन्न प्रमाणपत्रों तथा कल्याण लक्ष्मी आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने और जनता के साथ शिष्ट व्यवहार करने की सलाह दी। अंत में कोंडापल्ली ग्राम पंचायत में नर्सरी का निरीक्षण कर प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में तहसीलदार, मंडल परिषद विकास अधिकारी, पंचायत सचिव, शिक्षक, डॉक्टर, सरपंच तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में बुनियादी ढांचे का निर्माण जल्द पूरा किया जाए

आसिफाबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे के निर्माण को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। शनिवार को एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के सभा कक्ष में अम्मा आदर्श विद्यालय योजना और रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत स्कूलों में सुविधाओं, बालिका मूत्रालयों, ग्राम संघ भवनों और आंगनवाड़ी भवनों की समीक्षा बैठक की गई।

इस बैठक के दौरान, कलेक्टर ने कहा कि वर्ष 2024 में जिले के सभी 720 विद्यालयों में अम्मा आदर्श विद्यालय योजना के तहत आवश्यक आधारभूत ढांचे, पेयजल, बिजली, मूत्रालय मरम्मत और भवन मरम्मत के कामों के लिए एमबी जमा की जानी चाहिए। उन्होंने अधूरे कार्यों को इस माह के अंत तक पूरा करने का निर्देश दिया।

हरिता ने बताया कि रोजगार गारंटी योजना के तहत लड़कियों के लिए अलग शौचालय का निर्माण यू डाइस के विवरण के अनुसार मार्च माह तक पूरा कर लिया जाना चाहिए। उन्होंने ग्राम समाख्या और मंडल समाख्या भवनों के कार्य को शीघ्र शुरू करने के साथ ही स्थानीय सरपंचों की भागीदारी से कार्यों में तेजी लाने का आवाहन किया।उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी भवनों में अधोसंरचना के कार्यों को पूरा करके उन्हें उपयोग में लाना चाहिए और आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण कार्य भी जल्द प्रारंभ किया जाना चाहिए।हरिता ने अधिकारियों को सरकारी विकास कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने और बिलों का भुगतान करने के लिए समन्वय से काम करने का निर्देश दिया।इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, जिला आदिवासी विकास अधिकारी रामादेवी, जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी सीताराम, मुख्य योजना अधिकारी वासुदेव रेड्डी, पंचायत राज ईई धर्मेंद्र, सर्प एपीएम, इंजीनियरिंग और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बीआरएस और कांग्रेस पर देवेंद्र फडणवीस ने जमकर साधा निशाना

आसिफाबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तेलंगाना की मौजूदा स्थिति के लिए बीआरएस और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि ये दोनों पार्टियां राज्य को कर्ज में डूबा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना विकासहीन राज्य बन गया है और इसके पीछे इन दोनों सरकारों की नीतियां हैं।

फडणवीस ने संयुक्त आदिलाबाद जिले में नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा, जब संयुक्त आंध्र प्रदेश था, तब महाराष्ट्र के साथ पानी के झगड़े चल रहे थे, जो 20-25 साल तक चलते रहे। लेकिन तेलंगाना बनने के बाद, हमने यह तय किया कि हम झगड़े नहीं करना चाहते।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 2015 में, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने उनसे गोदावरी नदी का पानी देने की मांग की थी, जिस पर उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। फडणवीस ने यह भी कहा, अगर ऊंचाई थोड़ी कम कर दी जाए तो तेलंगाना उपजाऊ हो जाएगा और गढ़चिरौली बाढ़ से बच जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सिरपुर एमएलए प्राणहिता प्रोजेक्ट के संदर्भ में भी चर्चा की और एमएलए हरीश बाबू को नगर निगम चुनाव के बाद महाराष्ट्र आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा, अगर किसानों के साथ न्याय होता है, तो हम इस पर चर्चा करेंगे।'

फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि बीआरएस और कांग्रेस ने मेडिगड्डा के मुद्दे पर महाराष्ट्र में बाढ़ के लिए मुआवाज़ा देने का वादा किया था, लेकिन वह पूरा नहीं किया गया। उन्होंने यह मान्यता दी कि उनकी सरकार ने किसानों को मुआवाज़ा दिया और आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने चोरी की है।

आने वाले दिनों में, उन्होंने केंद्र सरकार की मदद से बेल्लमपल्ली-गढ़चिरौली हाईवे के निर्माण का भी आश्वासन दिया। फडणवीस ने एनडीए अलायंस द्वारा हाल में हुए नगर निगम चुनावों में मिली जीत का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना में भी आने वाले चुनावों में इसी तरह का माहौल रहेगा।

सिरपुर कागज़नगर में भाजपा की विजय संकल्प सभा आयोजित

कागज़नगर, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर कागज़नगर में आयोजित बीजेपी नगर पालिका चुनाव में विजय संकल्प सभा के दौरान टीचर एमएलसी मलका कोमारैया ने सरकार को चेतावनी दी कि नौकरी करने वाले शिक्षकों को उनके अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं।

इस सभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मलका कोमारैया ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, एमपी गोदाम नागाश, और सिरपुर टी विधायक पलवई हरीश बाबू के साथ मिलकर फडणवीस का स्वागत किया और उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कोमारैया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 60 वर्षों में न हुआ विकास, अपने 15 वर्षों में कर दिखाया है। उन्होंने जोर दिया कि बीजेपी शासित सभी राज्यों में कर्मचारियों, शिक्षकों और रिटायर्ड कर्मचारियों को समय पर उनके लाभ मिल रहे हैं, जबकि तेलंगाना में ऐसे लाभ नहीं मिल रहे, जो कांग्रेस सरकार की नाकाबिलियत दर्शाते हैं।

उन्होंने बताया कि आयोगों और कांग्रेस के राज में कर्मचारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और सभी विकास कार्य सेंट्रल फंड से हो रहे हैं।मलका ने नगर पालिकाओं के विकास को सुनिश्चित करने के लिए बीजेपी उम्मीदवारों को जीतने का आह्वान किया और कहा कि कांग्रेस और बीआरएस सरकार के पास कोई विकास के लिए फंड नहीं है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे सिरपुर कागज़नगर में बीजेपी द्वारा किए गए विकास को देखते हुए सही चुनाव का निर्णय लें।

बेल्लमपल्ली में दूषित भोजन से बीमार छात्रों का मामला : विधायक ने लिया संज्ञान

बेल्लमपल्ली, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद ने शनिवार को बेल्लमपल्ली बस्ती इंटीग्रेटेड गर्ल्स हॉस्टल में दूषित भोजन के सेवन से बीमार हुई 40 छात्रों को सरकारी अस्पताल जाकर देखा। विधायक ने अस्पताल में छात्रों से बातचीत की और घटना के लिए जिम्मेदार स्टाफ पर अपना गुस्सा व्यक्त किया।बीमार छात्रों का इलाज बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल में चल रहा है। विधायक ने छात्रों से घटना की जानकारी ली और उनका ध्यान वार्डेन के व्यवहार पर गया। अस्पताल सुपरिटेंडेंट रवि ने विधायक के आदेश पर बेहतर इलाज का प्रबंध किया।

गड्डम विनोद ने गर्ल्स हॉस्टल में जाकर देखा कि छात्रों को दिया गया खाना अलग था। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की जान को खतरा हुआ तो वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके बाद, विधायक ने जिला कलेक्टर कुमार दीपक से बात कर हॉस्टल वार्डन और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को दोबारा रोकने के लिए जिम्मेदारियों का पालन करना आवश्यक है।

मंदामारी टोल गेट पर कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन : वेतन न मिलने का आरोप

बेल्लमपल्ली, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला के मंदामारी मंडल में स्थित टोल गेट के कर्मचारियों ने शनिवार को अपनी वेतन संबंधी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन महीने से वेतन नहीं दिया गया है और मैनेजमेंट ने बिना किसी नोटिस के उन्हें ड्यूटी से निकालने का प्रयास किया है।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने यह भी कहा कि टोल गेट का काम बाहरी लोगों से कराया जा रहा है, जो कि लेबर कानूनों का उल्लंघन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे उनकी रोजी-रोटी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

कर्मचारियों ने टोल गेट का काम बंद करने और पानी के टैंकरों को रोकने का निर्णय लिया है, यह दर्शाते हुए कि जब तक उनका बकाया वेतन नहीं दिया जाता, नौकरी से निकालने का नोटिस रद्द नहीं किया जाता और उन्हें तुरंत काम पर नहीं रखा जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

उन्होंने लेबर डिपार्टमेंट के अधिकारियों से अपील की कि वे मामले का संज्ञान लें और मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाई करें, ताकि कर्मचारियों को न्याय मिल सके।

यादाद्री भुवनगिरी में वोटिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

यादाद्री भुवनगिरी, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । यदाद्री जिले के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर हनुमंथा राव ने नगर पालिकाओं के विकास के लिए ऐसे नेताओं का चुनाव किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है, जो वार्डों के लिए काम करें। शनिवार को, द्वितीय आम नगर पालिका चुनावों के संदर्भ में चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए जिले में वोटिंग अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।नागरिकों को जागरूक करने के लिए, ध्यान केंद्रित करने वाले अधिकारियों ने विभिन्न नगर पालिकाओं में कार्यक्रमों का संचालन किया। इसमें यादगिरीगुट्टा नगर पालिका में ृठूज नागी रेड्डी, भुवनगिरी नगर पालिका में नगर आयुक्त रामलिंगम, अलेरू नगर पालिका में ठूज कृष्ण रेड्डी, मोटकुर नगर पालिका में एडिशनल ृठूज सुरेश, और अन्य शामिल थे।इस अवसर पर, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने वोटरों से एक ईमानदार वार्ड सदस्य चुनने का संकल्प लिया और कहा कि वोट का अधिकार लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी रजिस्टर्ड वोटर्स को अपने अधिकार का उपयोग करना चाहिए, और अगर वोटर लालच में आकर वोट देंगे, तो उन्हें विकास की प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार खो देंगे।हनुमंथा राव ने लोगों को एक अच्छा नेता चुनने के महत्व पर बल दिया, जो विकास की दिशा में सक्रिय हों। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग अपने घरों और कार्यस्थलों में अच्छे नेताओं के चुनाव की चर्चा करें और वोटिंग के दौरान लालच से बचने का संकल्प लें।

इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों, छात्रों, और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया, जो विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए एकजुट हुए।

कांग्रेस सरकार ने सिंगरेनी श्रमिकों को धोखा दिया : हरीश राव

मंचेरियाल, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के क्याथनपल्ली नगरपालिका में ब्रह्मरथ के आयोजन के दौरान, पूर्व मंत्री हरीश राव ने भारी भीड़ को संबोधित किया और भाजपा तथा कांग्रेस के शासन में हुए शून्य विकास के बारे में गंभीर आरोप लगाए।

ब्रह्मरथ के तहत बीआरएस उम्मीदवारों के समर्थन में आए हरीश राव ने रेवंत रेड्डी सरकार के राजनीतिक षड्यंत्रों का पर्दाफाश करते हुए कहा कि कांग्रेस शासित सरकार ने सिंगारेनी श्रमिकों को धोखा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि केसीआर सरकार के कार्यकाल में श्रमिकों को अनुकंपा के आधार पर नौकरियाँ दी गईं, लेकिन कांग्रेस के शासन में उनका कोई सम्मान नहीं किया गया।

राव ने मंचेरियाल और सिंगारेनी क्षेत्र में होने वाले विकास के वादों को दोहराते हुए लोगों को चुनाव में सोच-समझकर मतदान करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, यदि कांग्रेस को एक हजार वोट मिलते हैं, तो जनता का समर्थन उन्हीं का होगा।हरि राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कई योजनाएं लागू कीं, जो देश के लिए मिसाल कायम करती हैं, लेकिन रेवंत रेड्डी के कार्यकाल में बेरोजगारों को केवल धोखा मिला है। उन्होंने मंचेरियाल जिले की विकास योजनाओं से संबंधित अपने वादों को दोहराया और कहा कि चुनाव जीतने के तुरंत बाद सभी नगरपालिकाओं के विकास के लिए धन उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी होगी।

कार्यक्रम में बीआरएस के अन्य नेता जैसे बल्का सुमन, दिवाकर राव, और विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया, जिन्होंने हरीश राव के समर्थन में तालियाँ बजाईं और जयकारे लगाए।

यह भाषण सुनकर सभी ने हरीश राव की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें समर्थन देने का संकल्प लिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि बीआरएस पार्टी मंचेरियाल में मजबूत विपक्ष के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

वीवीएस लक्ष्मण ने विश्व कप जीत में सपोर्ट स्टाफ की सराहना की कहा-प्रोफेशनलिज़्म और बारीकियों पर ध्यान ने बनाया अंतर

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस के हेड आफ क्रिकेट वीवीएस लक्ष्मण ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप जीत के बाद टीम के सपोर्ट स्टाफ की जमकर तारीफ की है। लक्ष्मण ने कहा कि सपोर्ट स्टाफ का प्रोफेशनल रवैया, बारीकियों पर खास ध्यान और खिलाड़ियों के प्रति सच्ची चिंता ही टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण रहा। भारत ने शुक्रवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकार्ड छठी बार अंडर-19 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल देश बना हुआ है। लक्ष्मण ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, हमने जो कुछ भी साथ मिलकर हासिल किया, उस पर गर्व है। आपका प्रोफेशनलिज़्म, बारीकियों पर ध्यान और खिलाड़ियों के प्रति सच्ची देखभाल ने ही सारा अंतर पैदा किया। यह विश्व कप हमें हमेशा सच्चे टीमवर्क की याद दिलाएगा। आप सभी का हर दिन दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों की भी सराहना की। लक्ष्मण ने कहा, इस अंडर-19 टीम को बढ़ते हुए और अंत में विश्व चैंपियन बनते देखना बेहद खास रहा। दबाव में आपका अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास शानदार था। आप सभी ने दिल, कौशल और चरित्र के साथ खेला। हर एक खिलाड़ी पर गर्व है। बधाई हो चैंपियंस। इससे पहले बीसीसीआई ने भी मुख्य कोच हृषिकेश कानितकर और उनकी सपोर्ट स्टाफ टीम की सराहना की थी, जिन्होंने स्पष्ट सोच और उद्देश्य के साथ टीम का मार्गदर्शन किया। बोर्ड ने विशेष रूप से वीवीएस लक्ष्मण का भी आभार जताया, जिनकी विज़न और रोडमैप ने भारत की आयु-वर्ग क्रिकेट संरचना को मजबूती दी और जूनियर से लेकर एलीट स्तर तक एक मजबूत और निरंतर रास्ता तैयार किया। बीसीसीआई ने कहा कि सेंटर आफ एक्सीलेंस ने भी इस बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम को आदर्श तैयारी मुहैया कराकर अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में भारत की जीत के नायक वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने 175 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है और इस शानदार प्रदर्शन ने भारत की जीत को और यादगार बना दिया।

न्यूज ब्रीफ

वैभव सूर्यवंशी को शानदार प्रदर्शन के लिए मिले दो बड़े अवार्ड

नई दिल्ली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर इतिहास रच दिया और रिकार्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। हरारे में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारतीय टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे की सूझबूझ भरी अगुवाई और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी की बदौलत 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवर में 311 रन बनाकर ढेर हो गई और भारत ने एकतरफा जीत हासिल की। फाइनल में भारत की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने दबाव और परिस्थितियों को दरकिनार कर 80 गेंदों पर 175 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता, तकनीक और अद्भुत आत्मविश्वास का ऐसा मिश्रण देखने को मिला जिसने इंग्लैंड के गेंदबाजों की पूरी योजना को ध्वस्त कर दिया। सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत से ही मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया और टीम को 400 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस बड़े मंच पर उनकी परिपक्वता और निडर खेल ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। सिर्फ इतना ही नहीं, पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक रन भी बनाए। 439 रन, 62.71 की औसत, 175 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर और कुल चार 50+ पारियों (3 अर्धशतक, 1 शतक) के दम पर उन्हें प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। वह इस टूर्नामेंट की कुल रन लिस्ट में दूसरे स्थान पर रहे, जिसने उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा साबित कर दिया। अवार्ड लेने के बाद सूर्यवंशी ने इस सफलता का श्रेय टीम के सपोर्ट स्टाफ को दिया। उन्होंने कहा कि एशिया कप से लेकर वर्ल्ड कप तक सपोर्ट स्टाफ ने जो मेहनत की, उसने पूरी टीम को मजबूत बनाया।

ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज की सागर धनकड़ हत्याकांडः

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छत्रसाल स्टेडियम में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकड़ की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग की थी। सुशील कुमार और अन्य आरोपियों पर आरोप है कि मई 2021 में कथित संपत्ति विवाद के चलते उन्होंने सागर धनकड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि धनकड़ को किसी भारी वस्तु से सिर में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके कारण उनकी मौत हुई। इस घटना में धनकड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। घटना के तुरंत बाद सुशील कुमार को मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले अदालत ने 19 जुलाई 2023 को उनकी घुटने की सर्जरी के लिए एक सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। लेकिन नियमित जमानत को लेकर उनकी पिछली अर्जी और अब दायर ताजा अर्जी दोनों को अदालत ने निरस्त कर दिया। अक्टूबर 2022 में अदालत ने भारतीय दंड संहिता की हत्या, आपराधिक साजिश, धमकी और घातक हथियारों से दंगा करने जैसी गंभीर धाराओं में सुशील कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे।

चोट से वापसी पर विश्व कप की जिम्मेदारी संभालने को तैयार टिम डेविड

कोलंबो। आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज़ टिम डेविड टी20 विश्व कप के शुरुआती चरणों में धीरे-धीरे टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं, ताकि टूर्नामेंट के अहम मोड़ पर वह अधिकतम प्रभाव डाल सकें। हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे डेविड ने साफ किया है कि वह इस वैश्विक टूर्नामेंट में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हैं। शुक्रवार को कोलंबो क्रिकेट क्लब ग्राउंड में आस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र के दौरान डेविड ने अपनी चोट को लेकर किसी भी तरह की कमजोरी के संकेत नहीं दिए। उन्होंने आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों और स्थानीय स्पिनरों के खिलाफ जमकर शाट्स लगाए और गेंद को मैदान के हर कोने में पहुंचाया। अभ्यास सत्र के दौरान डेविड और मार्कस स्टोइनिस की बल्लेबाज़ी इतनी आक्रामक रही कि दर्जनभर से अधिक गेंदें साईटस्क्रीन के पीछे स्थित जिमखाना क्लब लाउंज की छत पर जा गिरीं, जिससे वहां मौजूद स्टाफ और रिपोर्टर को बार-बार बचाव करना पड़ा। यह अभ्यास सत्र आस्ट्रेलिया का श्रीलंका पहुंचने के बाद दूसरा सत्र था। इससे पहले नीदरलैंड्स के खिलाफ गुरुवार रात खेला जाने वाला अभ्यास मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसके बाद निर्धारित विश्राम दिवस को अभ्यास सत्र में बदला गया। पूरी तरह फिट आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज़ ज़ेवियर बार्टलेट, बेन ड्वार्शुइस और ट्रैवलिंग रिज़र्व सीन एबाट ने वह ओवर डाले, जो उन्हें रद्द हुए अभ्यास मैच में डालने थे।

भारत ने अमेरिका को हराकर टी20 विश्व कप का किया आगाज

सूर्यकुमार और सिराज ने जिताया मैच

मुंबई, 07 फरवरी (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम ने जीत के साथ टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत की है। अमेरिका ने सूर्यकुमार यादव की टीम की कड़ी परीक्षा ली लेकिन अंत में भारत ने मैच को 29 रनों से जीत लिया। टॉस जीतने के बाद पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 161 रन बनाए। एक समय टीम 150 तक पहुंचती भी नजर नहीं आ रही थी। अमेरिका के पास उलटफेर करने का शानदार मौका था लेकिन टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

पावरप्ले में भारत के 4 विकेट गिरे

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले अपनी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उस समय टीम का स्कोर 8 रन था। दूसरे विकेट के लिए ईशान किशन और तिलक वर्मा के बीच 37 रन की साझेदारी हुई। पावरप्ले के अंतिम ओवर में भारत ने तीन विकेट खोए। शैडली वैन शाल्कविक ने ईशान और तिलक के अलावा शिवम दुबे को भी आउट किया। किशन 16 गेंद पर 20 और तिलक वर्मा 16 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हुए। तिलक का खाता भी नहीं खुला।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दिखाया दम

रिंकू सिंह (6) और हार्दिक पांड्या (5) भी कुछ खास नहीं कर सके। लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक छोर संभालकर रखा। अक्षर पटेल के साथ उन्होंने सातवें विकेट के लिए हुई 41 रन की साझेदारी की और टीम को 100 के पार पहुंचाया। लगातार गिरते विकेटों के बीच चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान सूर्यकुमार यादव क्रीज पर टिके रहे और बेहतरीन अर्धशतक लगाया। सूर्या का टी20 में यह 25वां अर्धशतक था।

सूर्यकुमार यादव 49 गेंद पर 4 छक्कों और 10 चौकों की मदद से 84 रन बनाकर नाबाद रहे। सूर्या ने पारी का आखिरी ओवर लेकर आए सौरभ नेत्रावल्कर को 2 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 9 विकेट पर 161 तक पहुंचाया। शैडली वैन शाल्कविक सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। हरमीत सिंह ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारतीय गेंदबाजों ने मौका ही नहीं दिया

भारत ने दूसरे ही ओवर में अमेरिका को पहला झटका दे दिया। मोहम्मद सिराज ने सलामी बल्लेबाज एंड्रीयन गॉस को पवेलियन भेजा। इसके बाद तीसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने कप्तान मोनांक पटेल को आउट किया तो चौथे ओवर में सिराज ने एक और विकेट ले लिया। सिर्फ 13 रन पर अमेरिका ने तीन विकेट खो दिए। यहां से मिलिंद कुमार और संजय कृष्णामूर्ति ने पारी संभाली। लेकिन दोनों को भारत ने खुलकर नहीं खेलने दिया।

चौथे विकेट के लिए दोनों के बीच 58 रनों की साझेदारी हुई लेकिन इन्होंने 52 गेंदों का सामना किया। वरुण चक्रवर्ती ने मिलिंद को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। उन्होंने 34 गेंद पर 34 रन बनाए। संजय ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन 37 रन बनाकर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हो गए। अगली ही गेंद पर अक्षर ने हरमीद सिंह को आउट करके अमेरिका की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया।

इंजरी से जूझ रहे शुभम रंजने ने एक छोड़ से 22 गेंद पर 37 रन बनाए लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। मोहम्मद सिराज ने पारी की आखिरी गेंद पर शुभम को आउट किया। भारत के लिए मोहम्मद सिराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 2-2 सफलताएं मिलीं।

टी20 विश्व कप 2026

वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को हराया

कोलकाता, 07 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली है। स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शेफर्ड ने अपनी धारदार गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। 17वें ओवर की दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर लगातार तीन विकेट झटककर उन्होंने न केवल अपनी टीम की जीत पक्की की, बल्कि वर्ल्ड कप के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया।

रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक

शेफर्ड के इस ऐतिहासिक स्पेल की शुरुआत 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर हुई, जब उन्होंने मैथ्यू क्रॉस को पवेलियन का रास्ता दिखाया। क्रॉस ने बाहर जाती गेंद को बैकवर्ड पॉइंट की तरफ खेलने की कोशिश की, जहां तैनात रदरफोर्ड ने कोई गलती नहीं की। अगली ही गेंद पर शेफर्ड ने खतरनाक माइकल लीस्क को कप्तान रोवमैन पॉवेल के हाथों लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट कराया।

इसके बाद ओवर की तीसरी गेंद पर माइकल लीस्क को भी आउट कर दिया। लीस्क को शेफर्ड ने पॉवेल के हाथों कैच आउट कराया। हैट्रिक बॉल पर शेफर्ड ने अपनी चतुराई का बेहतरीन नमूना पेश किया। नए बल्लेबाज ओलिवर डेविडसन के लिए उन्होंने 'सीम-अप' गेंद डाली, जो टप्पा खाने के बाद तेजी से अंदर की तरफ आई।

डेविडसन ड्राइव मारने के चक्कर में पूरी तरह बीट हुए और गेंद सीधे उनके ऑफ-स्टंप से जा टकराई। क्लीन बोल्ड होते ही शेफर्ड मैदान पर दौड़ पड़े और अपनी इस उपलब्धि का जश्न अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मनाया।

सॉकर फुटबॉल - प्रीमियर लीग

सॉकर फुटबॉल - प्रीमियर लीग - लीड्स यूनाइटेड बनाम नॉटिंघम फॉरेस्ट में इलिया ग्रुएव को टीम के साथी डोमिनिक कैल्वर्ट से चोट लगी।

एशियन चैंपियनशिप 2026: एलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण, मेघना को कांस्य

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत की स्टार निशानेबाज़ एलावेनिल वलारिवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन चैंपियनशिप 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अपना खिताब बरकरार रखा। वहीं, मेघना सज्जनार ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला शनिवार को डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में खेला गया।

एलावेनिल ने फाइनल में 252.0 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। जापान की मिसाकी नोबाटा 251.5 अंकों के साथ रजत पदक पर रहीं, जबकि मेघना सज्जनार ने 229.5 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। यह एलावेनिल का 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में तीसरा एशियन चैंपियनशिप स्वर्ण पदक है। भारत की ही आर्या बोर्से (209.0) भी फाइनल में पहुंचीं, लेकिन वह चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। क्वालिफिकेशन राउंड में एलावेनिल (633.7), आर्या बोर्से (630.3) और मेघना सज्जनार (628.6) की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी दिलाया। तीनों का संयुक्त स्कोर 1892.6 रहा, जो इस इवेंट में सर्वश्रेष्ठ रहा। इसके अलावा श्रेया अग्रवाल (632.0) और सोनम उत्तम मस्कर (631.9) ने भी क्वालिफिकेशन राउंड में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। श्रेया तीसरे और सोनम चौथे स्थान पर रहीं, हालांकि रैंकिंग पाइंट्स के लिए खेल रही होने के कारण वे फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।

एशियन चैंपियनशिप के इस संस्करण में अब तक भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है। सीनियर वर्ग में भारतीय निशानेबाज़ अब तक छह स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीत चुके हैं, जिससे पदक तालिका में भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

चेन्नई सिंघम्स ने टाइगर्स आफ कोलकाता को हराकर जीता पहला आइसीपीएल खिताब

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

गुजरात डायमंड सिटी सूरत में पिछले एक महीने से चल रहे क्रिकेट महाकुंभ इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आइसीपीएल) सीजन-3 के फाइनल मुकाबले में चेन्नई सिंघम्स ने टाइगर्स आफ कोलकाता को 29 रन से हराकर पहली बार आइसीपीएल का खिताब अपने नाम किया।

यहां के लालभाई कान्ट्रैक्टर स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले का रविवार को भव्य समापन हुआ। टेनिस बाल क्रिकेट के इस रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम पहुंचे थे। फाइनल मैच का सबसे बड़ा आकर्षण मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की उपस्थिति रही। आइसीपीएल की कोर कमेटी के सदस्य के रूप में वह खास तौर पर सूरत पहुंचे थे। सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए सैकड़ों प्रशंसक मौजूद रहे और सचिन-सचिन के नारों से माहौल गूंज उठा। स्टेडियम में उनकी मौजूदगी से खिलाड़ियों का उत्साह भी दोगुना हो गया। फाइनल में चेन्नई का दबदबा टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सिंघम्स ने 10 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। केतन म्हात्रे ने 16 गेंदों में 30 रन की अहम पारी खेली, जबकि सरफराज खान ने 11 गेंदों में 20 रन जोड़े। अंत के ओवरों में तेज रन बनने से टीम मजबूत स्थिति में पहुंची।

104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टाइगर्स आफ कोलकाता की टीम शुरुआत से दबाव में रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। अरिश खान ने 9 गेंदों में 25 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन पूरी टीम 10 ओवर में 74/9 रन ही बना सकी। चेन्नई की ओर से अनुराग सरशर ने 3/17 का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सुनील कुमार और अंकुर सिंह ने दो-दो विकेट लिए।

पुरस्कारों की बौछार

आइसीपीएल सीजन-3 में विजेता टीम को 2 करोड़ रुपये और उपविजेता टीम को 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया। टूर्नामेंट के मास्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार चेन्नई सिंघम्स के जगन्नाथ सरकार को मिला, जिन्हें लग्जरी पोरचे 911 कार से सम्मानित किया गया।

सीजन के प्रमुख पुरस्कार विजेता

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजः सैफ अली (टाइगर्स आफ कोलकाता)

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजः परवीन कुमार (फाल्कन राइजर्स हैदराबाद)

सर्वश्रेष्ठ कैचः प्रथमेश ठाकरे (अहमदाबाद लायंस)

एमवीपीः जगन्नाथ सरकार (चेन्नई सिंघम्स) - आइसीपीएल सीजन-3 ने देशभर की नई क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हुए अपनी लोकप्रियता और प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। पहली बार पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला सूरत शहर खेल जगत में एक नई पहचान बनाने में सफल रहा है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जनवरी में 2.36 लाख बिकी मारुति विक्टोरिस, तोडा रिकार्ड

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

बीते जनवरी महीने में मारुति सुजुकी जनवरी में 2.36 लाख से ज्यादा गाड़ियां बेचकर अपने पुराने सेल्स रिकार्ड को तोड़ दिया। इसमें सबसे बड़ा योगदान नई एसयूवी विक्टोरिस का रहा। एरिना डीलरशिप पर बिकने वाली इस गाड़ी ने जनवरी में अब तक की सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की और टाप-10 कारों की लिस्ट में जगह बनाई।

विक्टोरिस की कुल 15,240 यूनिट बिकीं, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.50 लाख रुपए है। विक्टोरिस ने टाप-10 एसयूवी की लिस्ट में भी सभी लोकप्रिय माडलों को पीछे छोड़ दिया। इसमें मारुति फ्रोंक्स, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा बोलेरो और किआ सोनेट जैसी एसयूवीएस शामिल हैं। साथ ही मारुति ग्रैंड विटारा, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सह्र, थार, टोयोटा हाइराइडर, किआ सेल्टोस और एक्सयूवी 700 को भी यह पीछे छोड़ने में सफल रही। विक्टोरिस में तीन इंजन विकल्प मिलते हैं। इनमें 103एचपी वाला 1.5-लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल, 116एचपी वाला 1.5-लीटर स्ट्रान्ग हाइब्रिड और 89एचपी वाला 1.5-लीटर पेट्रोल-सीएनजी शामिल हैं। गियरबाक्स विकल्पों में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटो और ई-सीवीटी शामिल हैं। इसके साथ आल-व्हील ड्राइव का विकल्प भी उपलब्ध है। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग, एबीएस-ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, इसोफिक्स, 360-डिग्री कैमरा और अडास लेवल 2 फीचर्स हैं।

आडी इंडिया ने ड्राइविंग को बनाया एक नया अनुभव

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आडी इंडिया ने माय औरस नामक नया इन-कार एक्सपीरियंस प्लेटफार्म लान्च किया है। यह प्लेटफार्म ड्राइविंग को एक भावनात्मक और व्यक्तिगत अनुभव में बदल देता है। आडी कंपनी के अनुसार यह तकनीक रोशनी, ध्वनि, तापमान और सीट कंफर्ट को एक साथ जोड़कर एक ऐसा माहौल तैयार करती है, जो ड्राइवर के मूड के अनुसार खुद को बदल लेता है। माय औरस के जरिए ड्राइवर एक ही टैप में पूरे केबिन का माहौल बदल सकता है। लाइटिंग से लेकर एयरफ्लो, म्यूजिक और क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स एक साथ सिंक हो जाते हैं, जिससे अलग-अलग सेटिंग्स को मैन्युअली एडजस्ट करने की जरूरत नहीं रहती। शांत, ऊर्जावान, उत्सव और जश्न जैसे मूड थीम्स के जरिए कार का इंटीरियर पूरी तरह उसी भावना से मेल खाने लगता है। यह प्लेटफार्म मल्टी-सेंसरी अनुभव पर खास ध्यान देता है। माय आडी कनेक्ट ऐप या चुनिंदा आडी कारों के इंफोटेनमेंट सिस्टम से इसे सीधे इस्तेमाल किया जा सकता है। ड्राइवर की मानसिक स्थिति और पसंद के आधार पर केबिन की रोशनी, तापमान, संगीत, एयरफ्लो और सीट फंक्शंस खुद ही एडजस्ट हो जाते हैं, जिससे ड्राइव और अधिक आरामदेह बन जाती है। माय औरस की खासियत एप्पल म्यूजिक का स्मार्ट इंटीग्रेशन है, जो चुने गए मूड के अनुसार प्लेलिस्ट को अपने आप सेट कर देता है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में कापर खपत अगले दो सालों में 10-12 फीसदी बढ़ने का अनुमानः इक्रा

नई दिल्ली। आईसीआरए ने अनुमान लगाया है कि भारत में अगले दो वित्तीय वर्षों में कापर की घरेलू खपत सालाना 10-12 फीसदी बढ़ सकती है। वित्त वर्ष 26 के पहले सात महीनों में 14-15 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज होने के बाद यह दर थोड़ी धीमी रहेगी, क्योंकि ऊंची कीमतों से शार्ट-टर्म मांग पर दबाव हो सकता है। तेज़ शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और ग्रीन एनर्जी ट्रांज़िशन कापर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी, पावर ग्रिड, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे सेक्टर मीडियम-टर्म में प्रमुख मांग चालक बनेंगे। फिलहाल घरेलू स्तर पर रिफाइंड कापर की कमी है, लेकिन नई क्षमता और बेहतर सप्लाई से स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी। मजबूत कीमतों से अपस्ट्रीम कंपनियों को फायदा मिलेगा, जबकि डाउनस्ट्रीम स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। वित्त वर्ष 26 में कापर की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और जनवरी 2026 तक यह लगभग 13,000 डालर प्रति टन तक पहुंच गई, माइन सप्लाई में रुकावट, ओर ग्रेड गिरावट और अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितताओं के कारण हैं।

गेहूं, चावल, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पूर्ण संरक्षण

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को पहले के 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा और ग्रामीण आजीविका बनाए रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस समझौते में मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पाल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनाल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां और मांस जैसे संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित किया गया है। इन उत्पादों का संबंध छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से जुड़ा होने के कारण इन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। कृषि और पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो लगभग 70 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। विकसित देशों की तुलना में, भारत में कृषि बड़े पैमाने पर मशीनरी पर निर्भर नहीं है, इसलिए आयात और सीमा शुल्क के माध्यम से किसानों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण दिया जाता है। भारत का अमेरिका को कृषि निर्यात 2024 में 1.6 अरब अमेरिकी डालर रहा, जिसमें बादाम, पिस्ता, सेब और एथेनाल प्रमुख हैं। भारत अगले चार वर्षों में कृषि, समुद्री उत्पाद और खाद्य एवं पेय पदार्थों का संयुक्त निर्यात 100 अरब अमेरिकी डालर तक बढ़ाना चाहता है। अमेरिका कई खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क घटाएगा या समाप्त करेगा, जिससे दोनों देशों के लिए व्यापार लाभ बढ़ेगा।

बजाज आटो ने टू-व्हीलर मार्केट में किया जबरदस्त प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत के दोपहिया वाहन बाजार में बजाज आटो लिमिटेड ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। बजाज

आटो कंपनी की जनवरी 2026 में कुल बिक्री 4,77,422 यूनिट्स रही, जो पिछले साल जनवरी में 3,81,040 यूनिट्स थी। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 25 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है और बजाज के लिए इस साल की बेहतरीन शुरुआत साबित हुआ। बजाज आटो की घरेलू बिक्री जनवरी में 2,61,975 यूनिट्स रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 2,08,359 यूनिट्स थी, जो 26 फीसदी ज्यादा है। टू-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी को घरेलू बाजार में 2,14,727 यूनिट्स की बिक्री मिली, जो पिछले साल जनवरी के 1,71,299 यूनिट्स की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। वहीं, टू-व्हीलर का एक्सपोर्ट भी बढ़ा और जनवरी 2026 में यह 1,91,568 यूनिट्स रहा, जो पिछले साल जनवरी के 1,57,114 यूनिट्स की तुलना में 22 फीसदी अधिक है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा। जनवरी 2026 में कुल कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 71,127 यूनिट्स रही, जो पिछले साल इसी महीने के 52,627 यूनिट्स की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी दर्शाती है। घरेलू बाजार में कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 47,248 यूनिट्स रही, जबकि एक्सपोर्ट 23,879 यूनिट्स रहा, जो पिछले साल के 15,567 यूनिट्स से 53 फीसदी ज्यादा है।

भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई : अमेरिका

भारत अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार

न्यूयार्क, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका ने घोषणा की है कि भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके परिणामस्वरूप 7 फरवरी 2026 से भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य-आधारित शुल्क हटा दिया जाएगा। अगस्त 2025 में भारत के रूस से तेल खरीदने पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था, जो पहले से मौजूद 25 प्रतिशत शुल्क के साथ मिलकर कुल 50 प्रतिशत हो गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के अनुसार भारत ने अगले 10 वर्षों के लिए अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे दोनों देशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक तालमेल के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि यदि भारत भविष्य में रूस से तेल आयात फिर से शुरू करता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति की टीम अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क या अन्य उपायों की सिफारिश कर सकती है। वाणिज्य और विदेश मंत्री इस बात की निगरानी करेंगे कि भारत की प्रतिबद्धता का पालन हो रहा है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि रूस की नीतियां अमेरिका के लिए असामान्य और असाधारण खतरा हैं। आदेश में विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को आईईईपीए कानून के तहत राष्ट्रपति को मिलने वाले अधिकारों का प्रयोग करने और आदेश के क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए खुलेगाः ग्रीर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का विशाल बाजार अब अमेरिकी उत्पादों के लिए और अधिक खुलने जा रहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर लगने वाले शुल्क (टैरिफ) को कम करने पर सहमत हुआ है, जिससे अमेरिकी कंपनियों और किसानों को सीधा फायदा मिलेगा। यह बयान शुक्रवार को उस समय आया, जब व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड एग्रीमेंट) के ढांचे की घोषणा की। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच निष्पक्ष, संतुलित और आपसी लाभ पर आधारित व्यापार को बढ़ावा देना है। ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की पहल से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत अब अमेरिकी कामगारों और उत्पादकों के लिए पहले से ज्यादा खुल रहा है। इस समझौते के तहत भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों पर टैरिफ खत्म करेगा या उनमें बड़ी कटौती करेगा। इसके अलावा, अमेरिकी खाद्य पदार्थों और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी पर भी शुल्क कम किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका अपने बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत की आपसी टैरिफ दर लगाएगा। इस टैरिफ के दायरे में टेक्सटाइल और कपड़े, चमड़ा व जूते, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, आर्गेनिक केमिकल, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी शामिल होंगी। हालांकि, अगर यह अंतरिम समझौता पूरी तरह लागू होता है तो अमेरिका कुछ भारतीय उत्पादों जैसे सस्ती दवाएं, रत्न-हीरे और विमान के पुर्जों पर से शुल्क हटा सकता है। ग्रीर ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और विशेष रूप से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम समझौता एक बड़े और व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम है, जिस पर बातचीत आगे भी जारी रहेगी।

नई एसयूवी सिएरा की लगातार बढ़ रही है बुकिंग

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

शानदार डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स की वजह से टाटा मोटर्स की नई एसयूवी सिएरा ग्राहकों की बुकिंग लगातार बढ़ रही है। डिमांड इतनी ज्यादा है कि कंपनी ने प्रोडक्शन बढ़ा दिया है ताकि जल्दी डिलीवरी दी जा सके। टाटा मोटर्स की नई एसयूवी सिएरा लान्च के बाद से ही जबरदस्त लोकप्रिय हो गई है।

इस एसयूवी की खासियत इसके मल्टी पावरट्रेन विकल्प हैं, जिसमें पेट्रोल, टर्बो-पेट्रोल और डीजल शामिल हैं। एक्स-शोरूम कीमतें 11.49 लाख से लेकर 21.29 लाख रुपए तक हैं। हाल ही में आटोकार इंडिया ने सिएरा डीजल आटोमैटिक का रियल-वर्ल्ड माइलेज टेस्ट किया। इसमें 1.5-लीटर डीजल इंजन लगा है, जो 118एचपी और 280एनएम पावर देता है। यह वही यूनिट है जो नेक्सन में भी है, लेकिन आउटपुट में थोड़ा सुधार किया गया है। सिएरा में 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन है। टेस्ट में सिटी ड्राइविंग में इसने 11.53 किलोमीटर प्रति लीटर और हाईवे पर 14.56 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज दिया। इसका एवरेज रियल-वर्ल्ड माइलेज 13.05 किलोमीटर प्रति लीटर रहा, जबकि कंपनी का दावा 18-20 केएमपीएल था। सिएरा में नए 1.5-लीटर जीडीआई टर्बो पेट्रोल, 1.5-लीटर एनए पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड एमटी, 6-स्पीड एटी, 7-स्पीड डीसीटी और आटोमैटिक शामिल हैं।

एसयूवी के केबिन में ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट, 12-स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम, एचयूडी, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी दी गई है। सुरक्षा के लिए सभी वर्जन में 6 एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, स्टेबिलिटी प्रोग्राम और इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंटिंग मिलती है। सिएरा की लंबाई 4.6 मीटर और व्हीलबेस 2.7 मीटर है। इसके रियल-वर्ल्ड माइलेज और फीचर्स की वजह से सिएरा एसयूवी सेगमेंट में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और ग्राहकों के बीच हिट साबित हो रही है। डिजाइन हाइलाइट्स में बाक्सी सिल्हूट, अल्पाइन ग्लास रूफ, 19-इंच एलाय व्हील्स, फुल-एलईडी लाइट पैकेज और सिग्नेचर टाटा ग्रिल शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साजिश की...

बाद में, सेल्फ-कंटेन्ड ब्रीदिंग अपैरेटस (एससीबीए) पहनकर हम अंदर दाखिल हुए और ऑपरेशन शुरू किया। आग पहली मंजिल के तीन से चार कमरों तक फैल गई थी, जिससे स्थिति और विकराल हो गई।

लैब के कर्मचारियों ने शुरुआत में दमकल कर्मियों से आग्रह किया कि वे पानी के बजाय वहां मौजूद अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करें, ताकि कंप्यूटरों को पानी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। हालांकि, जब इन यंत्रों से आग पर काबू नहीं पाया जा सका, तो मजबूरी में दमकल कर्मियों को पानी की बौछारें करनी पड़ीं। इस घटना के बाद से पूरी लैब में हड़कंप मचा हुआ था और पुलिस जाँच में जुटी है कि आग लगने का मुख्य कारण क्या था।

शार्ट सर्किट कारण, फायर डीजी ने की पुष्टि

फायर विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुष्टि की है कि आग लगने का प्राथमिक कारण शार्ट सर्किट था।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ फायर सर्विसेज के निदेशक नारायण भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस घटना की गहराई से जाँच की और भविष्य के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

फायर डीजी विक्रम सिंह मान ने बताया कि शुरुआती जाँच के अनुसार, आग कार्यालय की पहली मंजिल पर स्थित एमसीबी (मिनिएचर सर्किट ब्रेकर) के पास लगे एक स्विचबोर्ड से शुरू हुई। उन्होंने पुष्टि की कि आग ने तेजी से लैब के उस हिस्से को चपेट में ले लिया, जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरण रखे थे। इस दुर्घटना में लैब में रखे कई कंप्यूटर और हार्ड डिस्क पूरी तरह जल गए हैं। हालांकि, विभाग ने अभी तक डेटा के नुकसान या कुल आर्थिक हानि का विस्तृत विवरण साझा नहीं किया है।

तत्परता से टला बड़ा हादसा

फायर विभाग को शनिवार सुबह 10:20 बजे आग की सूचना मिली थी। गनीमत यह रही कि विधानसभा के पास पहले से तैनात दमकल गाड़ियाँ बिना किसी देरी के नामपल्ली एफएसएल कार्यालय पहुँच गईं। दमकलकर्मियों ने बेहद कम समय में आग पर काबू पा लिया, जिससे इसे पूरी इमारत में फैलने से रोक लिया गया।

गर्मियों के मद्देनजर अब सभी सरकारी दफ्तरों का होगा मफायर ऑडिटफ

इस घटना के बाद फायर डीजी ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा, गर्मियों की शुरुआत के साथ ही आग लगने की घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। इस हादसे को देखते हुए अब शहर के सभी सरकारी कार्यालयों में फायर सेफ्टी निरीक्षण किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि फायर विभाग की टीमें पूरे शहर में अलर्ट पर हैं। यह निरीक्षण केवल सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आवासीय और वाणिज्यिक इमारतों में भी सुरक्षा मानकों की जाँच की जाएगी। अधिकारियों का लक्ष्य संवेदनशील स्थानों की निगरानी कर भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकना है।

फाइलों के नुकसान पर सस्पेंस बरकरार

नामपल्ली स्थित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में लगी आग ने आपराधिक जाँच से जुड़े साक्ष्यों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेंट्रल ज़ोन की डीसीपी शिल्पावल्ली ने स्पष्ट किया है कि अभी तक यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कौन-कौन सी फाइलें और दस्तावेज आग की भेंट चढ़े हैं। चूंकि इस लैब में आपराधिक मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजी सबूत रखे जाते हैं, इसलिए प्रशासन बेहद सावधानी के साथ नुकसान का आकलन कर रहा है।

ऑफिस बॉय ने सबसे पहले देखा धुआं

डीसीपी शिल्पावल्ली ने घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आग सुबह लगभग 10:30 बजे लगी। उस समय कार्यालय पूरी तरह से नहीं खुला था, जिसके कारण इमारत के अंदर केवल चार कर्मचारी मौजूद थे। एक ऑफिस बॉय ने सबसे पहले पहली मंजिल से धुआं निकलते देखा और तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। समय रहते जानकारी मिलने से सभी चार कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे एक बड़ा मानवीय हादसा टल गया।

असली जिन्ना...

वह प्रारंभिक औपनिवेशिक विजय के दौरान अमेरिकास में हुए नरसंहार का संदर्भ दे रहे थे।

द्विवेदी ने आगे कहा, कम से कम 100 हिटलरों की आवश्यकता है यह समझने के लिए कि इन यूरोपीय लोगों ने अमेरिकी धरती पर क्या तबाही की। लेकिन जो उन्होंने वहां किया, वह अफ्रीका में बहुत बदतर तीव्रता के साथ दोहराया गया, और भारत में भी समान रूप से।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने, पुस्तक विमोचन करते हुए कहा कि यह पुस्तक यह पूछताछ करती है कि औपनिवेशिक शक्ति ने कैसे व्यवस्था, सभ्यता और शासन की बार-बार आने वाली कथाओं के माध्यम से खुद को समझाया और वैध बनाया।

उन्होंने देखा कि साम्राज्यवादी इतिहास अक्सर वर्चस्व को विजय के रूप में वर्णन करने के बजाय एक प्रशासनिक आवश्यकता के रूप में प्रस्तुत करते थे, धीरे-धीरे विवादित दावों को सबूत के बजाय दोहराव और आत्मविश्वास के माध्यम से स्वीकृत सत्यों में बदल दिया।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि पुस्तक की ताकत भारत के उपनिवेशीकरण को एक व्यापक वैश्विक पैटर्न के भीतर रखने में निहित है, अफ्रीका, आयरलैंड और अमेरिकास के साथ समानताएं खींचकर यह दिखाना कि कैसे समान औचित्यकारी ढांचों का महाद्वीपों में उपयोग किया गया।

उन्होंने नोट किया कि द्विवेदी की विधि एक निरंतर संवैधानिक पूछताछ जैसी थी, साम्राज्यवादी लेखन में आवर्ती प्रस्तावों की पहचान करना और उन्हें आर्थिक इतिहास, भू-राजनीति और तुलनात्मक औपनिवेशिक अनुभव के खिलाफ परखना, न कि औपनिवेशिक कथनों को निपटे हुए खातों के रूप में मानना।

इतिहास को नई दृष्टि से देखने का प्रयास

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पुस्तक के दृष्टिकोण के बारे में बोलते हुए कहा कि यह इतिहास को घटनाओं का साधारण सूचीबद्ध करना नहीं, बल्कि यह पूछताछ की प्रक्रिया के रूप में मानती है कि घटनाएं क्यों और कैसे घटित हुईं।

सिब्बल ने कहा, इतिहास तथ्यों के बारे में नहीं है क्योंकि हम जानते हैं कि क्या हुआ। इतिहास यह जानने के बारे में है कि यह क्यों हुआ। इतिहास यह जानने के बारे में है कि यह कैसे हुआ।

पुस्तक के केंद्रीय तर्क का संदर्भ देते हुए, उन्होंने कहा कि यह फोकस को व्यक्तिगत नेताओं से हटाकर विकेंद्रीकरण के दौरान खेल में आने वाले व्यापक भू-राजनीतिक बलों पर स्थानांतरित करता है।

सिब्बल ने कहा, पुस्तक यह बिंदु बनाती है कि असली कायदे-आजम (संस्थापक) ब्रिटिश सरकार थी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पुस्तक का वर्णन साम्राज्य की सुखदायक कल्पना को विघटित करने वाली के रूप में किया, यह तर्क देते हुए कि औपनिवेशिक शासन को अक्सर प्रगति के रूप में प्रस्तुत किया जाता था जबकि बड़े पैमाने पर हिंसा और शोषण को छुपाया जाता था।

उन्होंने कहा कि पुस्तक विभाजन के उपचार में विशेष रूप से निर्दयी है, इसे अपरिहार्य सांप्रदायिक टूट के रूप में नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक हितों की खातिर लिए गए गणितीय साम्राज्यवादी निर्णयों के परिणाम के रूप में प्रस्तुत करती है। एसजी ने कहा कि यह काम औपनिवेशिक इतिहास लेखन के बजाय 1947 के बाद भारतीय लेंस के माध्यम से इतिहास को देखने के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि पुस्तक को भारत के बाहर, विशेष रूप से ब्रिटेन में पढ़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका इरादा व्यक्तिगत रूप से इंग्लैंड में परिचितों को कई प्रतियां भेजने का है ताकि वे देख सकें कि स्वतंत्रता के बाद भारत अपने औपनिवेशिक अतीत को कैसे देखता है। एसजी ने कहा कि पुस्तक उजागर करती है कि कैसे ब्रिटिश औपनिवेशिक विजय को ऐतिहासिक रूप से शासन और प्रगति की कथाओं के माध्यम से स्वच्छ किया गया था, और यह ब्रिटिश पाठकों के लिए निर्देशक होगा कि वे समझें कि 1947 के बाद भारत उन्हें कैसे देखता है।

संघ संग ...

शृंखला के उद्घाटन सत्र को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संबोधित किया, जबकि सलमान खान शनिवार को मुंबई कार्यक्रम में पहुंचे।

आरएसएस के अनुसार, संगठन विपक्षी नेताओं, राजनयिकों - जिनमें पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर दूतावासों के आमंत्रण शामिल हैं - साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों, स्टार्टअप संस्थापकों और युवा प्रभावितों को शताब्दी आउटरीच में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने की योजना बना रहा है।

व्याख्यान शृंखला को आरएसएस की शताब्दी वर्ष के हिस्से के रूप में महत्व-पूर्ण सार्वजनिक ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद है, जिसमें संवाद, चिंतन और भविष्य के लिए संगठन की दृष्टि पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मोहन भागवत ने कही यह बड़ी बात

सभा को संबोधित करते हुए, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के काम की अद्वितीयता और इसकी बढ़ती वैश्विक चर्चा को उजागर किया।

भागवत ने कहा, संघ का काम अद्वितीय है, और अपने ज्ञान के आधार पर, हम कहते थे कि दुनिया में कहीं और ऐसा काम मौजूद नहीं है। अब, हम इसे सीधे अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि भारत और विदेश से लोग संघ को देखने आते हैं।

उन्होंने नोट किया कि दुनिया भर से आगंतुक आरएसएस की गतिविधियों का करीबी अध्ययन कर रहे थे।

भागवत ने कहा, पांचों महाद्वीपों से लोग आते हैं, इसकी गतिविधियों का अध्ययन करते हैं, और कई सवाल पूछते हैं। अंत में, सभी एक ही सवाल पूछते हैं, चाहे वे अफ्रीका से हों, यूरोप से, अमेरिका से, दक्षिणपूर्व एशिया से, या मध्य पूर्व से। वे कहते हैं कि यह तरीका युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक है, और उनके अपने देश के इतिहास में भी, शायद गौतम बुद्ध के बाद, ऐसा अखिल भारतीय प्रयास नहीं हुआ है।

संघ के दर्शन पर दिया जोर

संघ के दर्शन पर जोर देते हुए, भागवत ने कहा कि संगठन का काम खुद के लिए नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए था।

भागवत ने कहा, सौ साल बाद फिर से, हम आपको बता रहे हैं कि संघ क्या है, क्योंकि संघ का काम खुद के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए, भारत के लिए है... संघ किसी अन्य संगठन के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं बना, न ही इसे किसी विशेष स्थिति के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में बनाया गया था, और यह किसी के विरोध में कार्य नहीं करता है। हमारा काम किसी का विरोध किए बिना किया जाता है। संघ लोकप्रियता या शक्ति की तलाश नहीं करता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 08 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

युवाओं को संतुलित एवं जागरूक जीवन का संदेश

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के बोध प्रकल्प के अंतर्गत युवा परिवार सेवा समिति के सहयोग से सी.के. प्रह्लाद ऑडिटोरियम, विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट में एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को नशा-मुक्त, जागरूक और संतुलित जीवनशैली की दिशा में प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत की गई सशक्त नाट्य प्रस्तुति (स्किट) ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों को अत्यंत प्रभावी ढंग से उजागर किया। इसके साथ ही मनमोहक डांस बैले और ऊर्जावान लाइव बैंड परफॉर्मेंस ने युवाओं को सकारात्मक संदेश के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ा।

इस अवसर पर आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी निशंका भारती जी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में नशे के विभिन्न स्वरूपों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने न केवल मादक पदार्थों की लत, बल्कि तेजी से बढ़ती डिजिटल लत के मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को भी रेखांकित किया। साथ ही युवाओं से आत्मसंयम, जागरूकता एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में संस्थान के छात्र-छात्राओं एवं सदस्यों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। उपस्थित जनसमूह ने कार्यक्रम की विषयवस्तु, प्रस्तुतियों और उद्देश्य की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संकल्प अभियान के माध्यम से आयोजकों ने यह संदेश दिया कि जागरूकता, आत्मअनुशासन और सकारात्मक मूल्यों को अपनाकर युवा शक्ति एक स्वस्थ, सशक्त एवं नशा-मुक्त समाज के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

मानवता की मिसाल बन रहा राधे-राधे ग्रुप : रविंद्र शर्मा

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास निरंतर जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ संपन्न हुआ। यह सेवा कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए आशा और सहारा बनता जा रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रविंद्र शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज के समाज में मानवता की सजीव मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। जहाँ अधिकांश लोग पहले स्वयं का पेट भरने की चिंता करते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से दूसरों का पेट भरने का पुण्य कार्य कर रहा है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि ऐसे सेवा परिवार से जुड़ना गर्व का विषय है और मानव सेवा का अवसर मिलना अपने आप में सौभाग्य है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, मनीष अग्रवाल, भार्खा गोयल, गौरव गोयल, श्यामसुंदर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रवि शर्मा, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुची गुप्ता, कैलाश चंद केड़िया एवं युवान केड़िया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा तेलंगाना राज्य उपाध्यक्ष लड्डू यादव के पिताश्री लाला पहलवान, (बेगम बाजार) जी के श्रद्धांजलि सभा में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया, भाजपा नेता बालाजी हिवरे, लोकेश इंदौरिया एवं अन्य।

जियागुड़ा में जल निकासी पाइपलाइन कार्यों का उद्घाटन

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जियगुडा के पार्षद बोहिनी दर्शन ने अपने पार्षद निधि से 20 लाख रुपये की लागत से जियगुडा डिवीजन के इमामपुरा क्षेत्र में जल निकासी पाइपलाइन कार्यों का विधिवत उद्घाटन किया।इस अवसर पर पार्षद बोहिनी दर्शन ने कहा कि जियगुडा की पहली बस्ती इमामपुरा में जल निकासी व्यवस्था अपर्याप्त होने के कारण अक्सर पानी ओवरफ्लो हो जाता था, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने अपने बजट से 20 लाख रुपये की राशि आवंटित की है। उन्होंने कहा कि वे जियगुडा डिवीजन के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जियगुडा इमामपुरा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने बताया कि क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था लंबे समय से उफान पर रहती थी, जिसके कारण जल प्रदूषण फैल रहा था और आम जनता को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती थीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई पाइपलाइन से इमामपुरा की जल निकासी समस्या का समाधान होगा और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।इस कार्यक्रम में नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण सहित संगम के प्रतिनिधि डी. संतोष कुमार, वाई. यादया, डी. लक्ष्मीनारायण, मधिरा महेंद्र, आर. बालकिशन, चटला राजेश, ए. राजू, एम. प्रेम कुमार, भाजपा नेता मनीष जैन, मुरली, जगदीश, रमेश, श्रीनिवास, सत्यनारायण समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भगवती बाई मॉन्टेसरी एवं गणेशी लाल कनोडिया प्राइमरी स्कूल में

टाइनी ब्रेन्स एक्सपो का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 7 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल शिक्षा समिति के तत्वावधान में भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल एवं गणेशी लाल कनोडिया प्राइमरी स्कूल में आज टाइनी ब्रेन्स एक्सपो (विज्ञान, कला एवं शिल्प प्रदर्शनी) का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय उप जिला शिक्षा अधिकारी श्री के. राम मोहन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, बौद्धिक क्षमता और परिश्रम का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं प्राचार्यों ने भी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया है। प्रदर्शित मॉडल एवं कलाकृतियाँ बच्चों की योग्यता और लगन को प्रमाणित करती हैं। उन्होंने आयोजन को यादगार बताते हुए सभी योगदानकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि श्री के. राम मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य का विषय है कि वे स्वयं शिक्षा समिति के विद्यार्थी रहे हैं और आज इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की मजबूत नींव बाल्यावस्था में ही रखी जाती है, जो समय के साथ विकसित होकर व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होती है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए समिति, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

प्रदर्शनी में बी.बी.एम.एस. ऑर्गेनिक मंडी, टाइनी जंगल, वैज्ञानिक आविष्कार, शैक्षणिक विषयों से जुड़े विविध प्रोजेक्ट्स एवं रचनात्मक प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की गईं। सभी गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, वहीं अभिभावकों एवं अन्य विद्यार्थियों ने भी इसे बड़े उत्साह के साथ देखा।इस अवसर पर मुख्य रूप से के. राम मोहन, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, जी.के.पी.एस. के कॉरस्पॉन्डेंट एवं जॉइंट सेक्रेटरी राजेश कुमार अग्रवाल, बी.बी.एम.एस. के कॉरस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल, प्रधानाचार्य एवं चीफ अकादमिक ऑफिसर श्रीमती आराधना मोदानी, जी.के.पी.एस. की प्रधानाचार्य श्रीमती प्रीति बाला चौहान, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सरोज जैन, जॉइंट एकेडमिक डायरेक्टर श्री राजेश कुमार अग्रवाल सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि नवाचार एवं रचनात्मक सोच को भी प्रोत्साहित किया।

संत निरंकारी मिशन ने दक्षिण भारत समागम के आरंभ पर एकत्व का संदेश दोहराया

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
समृद्ध आध्यात्मिक विरासत वाला शहर हैदराबाद ने शनिवार, 7 फरवरी को दक्षिण भारत संत निरंकारी समागम के आरंभ को देखा, जो संत निरंकारी मिशन की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी की पवित्र उपस्थिति में आयोजित इस समागम की शुरुआत एनटीआर स्टेडियम परिसर, इंदिरा पार्क के सामने, लोअर टैंक में गहरी भक्ति, अनुशासन और आध्यात्मिक अनुग्रह के वातावरण में हुई।

हैदराबाद का मिशन से विशेष जुड़ाव

तेलंगाना की राजधानी का मिशन के साथ लंबे समय से एक विशेष संबंध रहा है, जिसने सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के आशीर्वाद से 2000 में पहला दक्षिण भारत प्रांतीय संत समागम की मेजबानी की, जिसके बाद 2013 का संस्करण भी हुआ। 2024 में बेंगलुरु में सफल समागम के बाद, हैदराबाद को एक बार फिर इस पवित्र आध्यात्मिक सभा की मेजबानी का दायित्व सौंपा गया है।

8 फरवरी तक चलने वाला यह दो दिवसीय समागम प्रेम, शांति, सद्भाव और एकत्व के सार्वभौमिक संदेश को फैलाने के लिए समर्पित है। दक्षिणी राज्यों से भक्तों को आकर्षित करते हुए, यह सरींहशऑळपस आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों की एक शांतिपूर्ण संगम के रूप में खड़ी है, जो मानवता के कल्याण की दिशा में सामूहिक चिंतन को प्रेरित करती है।

सतगुरु माता जी का भव्य स्वागत

एनटीआर स्टेडियम के मुख्य द्वार पर पहुंचने पर सतगुरु माता जी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जहां तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की जोनल प्रभारी मोहिनी आहूजा जी ने सतगुरु माता जी को पुष्पगुच्छ भेंट किया। इसके बाद निरंकारी राजपिता रमित जी का दक्षिणी राज्यों के लिए सदस्य प्रभारी श्री राज कपूर जी द्वारा फूलों के सम्मान से स्वागत किया गया।

सतगुरु माता जी को फिर एक सुंदर सजे हुए खुले पालकी में सत्संग स्थल तक ले जाया गया, रास्ते में संतों और भक्तों को आशीर्वाद देते हुए। शोभायात्रा में दक्षिणी राज्यों के विभिन्न भक्तों द्वारा सांस्कृतिक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जो क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाती थीं। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत एक झांकी, जिसने स्वच्छता अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष ध्यान आकर्षित किया।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर से काचीगुड़ा तक आज निकलेगी भव्य श्री श्याम निशान यात्रा

राधे–राधे ग्रुप के मंच पर आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी का दिव्य सान्निध्य

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज रविवार 8 फरवरी,को हैदराबाद की पावन भूमि श्याम प्रेम, श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगने जा रही है। भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार से काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर तक निकलने वाली भव्य श्री श्याम निशान यात्रा श्याम भक्तों की आस्था, समर्पण और उल्लास का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करेगी। हाथों में श्याम निशान, मुख पर जय श्री श्याम एवं राधे–राधे के जयघोष के साथ हजारों श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा में सहभागी बनेंगे।चारमीनार की ऐतिहासिक धरती से आरंभ होकर जब यह निशान यात्रा नगर की गलियों से

होकर आगे बढ़ेगी, तब ढोल–नगाड़ों की गूंज, भजनों की मधुर रसधार और भक्तों की उमंग से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्याम प्रेमियों के अटूट विश्वास और भक्ति की जीवंत अभिव्यक्ति होगी।

इसी क्रम में चार कमान के समीप पुष्पा नर्सिंग होम के सामने राधे–राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा भव्य एवं दिव्य स्वागत मंच सजाया गया है, जहां निशान यात्रा में सम्मिलित सभी श्याम भक्तों का आत्मीय स्वागत किया जाएगा। मंच पर सेवा, प्रसाद एवं भजन की विशेष व्यवस्था की गई है।इस पावन अवसर को और भी विशेष बनाते हुए राधे–राधे ग्रुप के मंच पर प्रातः 7:30 बजे भागवत आचार्य आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी का विशेष सान्निध्य प्राप्त होगा। आचार्य श्री द्वारा राधे–राधे नाम की अलौकिक महिमा का भावपूर्ण गुणगान किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा से भावविभोर हो उठेंगे।

आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी का दिव्य सान्निध्य इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान करेगा। उनके प्रेरणादायी वचनों से न केवल मंच, बल्कि संपूर्ण निशान यात्रा मार्ग भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक अनुभूति से ओत–प्रोत हो जाएगा।

उत्सव की जानकारी देते हुए राधे–राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि श्री श्याम निशान यात्रा का स्वागत करना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी का सान्निध्य इस आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा और आशीर्वाद से परिपूर्ण करेगा।

इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप के सभी सदस्य सेवा एवं समर्पण भाव के साथ उपस्थित रहेंगे और इस भक्ति महोत्सव को सफल बनाएंगे। राधे–राधे ग्रुप, हैदराबाद ने समस्त श्याम प्रेमियों से विनम्र आग्रह किया है कि वे इस पावन श्री श्याम निशान यात्रा में सहभागी बनें, गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य का लाभ लें और बाबा श्याम की कृपा प्राप्त करें।

सेवा ने जीवन की दिनचर्या ही बदल दी : अनिल अग्रवाल

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास निरंतर चल रहे नियमित अन्नदान कार्यक्रम में शनिवार को सेवा-भाव से ओ-तप्रोत वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सेवा के संकल्प ने उनके जीवन की दिनचर्या को पूरी तरह बदल दिया है।

उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि पहले जहाँ आलस्य जीवन का हिस्सा था, वहीं आज सेवा के उद्देश्य से सुबह जल्दी उठकर नियमित अन्नदान केंद्र पर पहुँचने से न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि स्वास्थ्य में भी सकारात्मक परिवर्तन महसूस हो रहा है। सेवा ने जीवन को अनुशासित, सक्रिय और सार्थक बना दिया है।

कार्यक्रम में उपस्थित सेवा सहयोगियों ने भी सेवा को जीवन का सर्वोत्तम साधन बताया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा, स्वास्ति अग्रवाल एवं सुची गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण बनता जा रहा है।

सुरेन्द्र गोयल का बालाजी नगर में भव्य सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमावत समाज एसोसिएशन, बालाजी नगर हैदराबाद एवं सर्व प्रवासी समाज बंधुओं के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार 7 फरवरी को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेन्द्र गोयल तथा गोविंद राम अडाणिया के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9:15 बजे बालाजी नगर स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना एवं आरती के साथ हुई। इसके पश्चात कुमावत समाज द्वारा नवनिर्मित मंदिर प्रांगण की पावन भूमि पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सर्व समाज के लोकप्रिय नेता सुरेन्द्र गोयल का राजस्थानी परंपरा अनुसार स्वागत किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कुमावत समाज एसोसिएशन के अध्यक्ष पूनमचन्द डैया एवं सचिव चेतन पटेल नाराणिया ने बताया कि सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सुरेन्द्र गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में एकता और आपसी भाईचारे को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वे 36 कौम समाज के हित में सदैव कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगे और समाज के गरीब व जरूरतमंद परिवारों को साथ लेकर आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।

मंच पर मुख्य अतिथियों का राजस्थानी साफा, माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही विभिन्न समाजों के गणमान्य पदाधिकारियों का भी शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कुमावत समाज एसोसिएशन बालाजी नगर के अध्यक्ष पूनमचन्द डैया, उपाध्यक्ष कालूराम चान्द–ोरा, सचिव चेतन पटेल नाराणिया, महामंत्री रामस्वरूप चान्दोरा, सह कोषाध्यक्ष नारायणलाल मालिया, प्रचार मंत्री जगदीश, सुरेश मालीवाड, श्रवण मालीवाड, चम्पालाल खेडावत, मंगाराम बाकेरचा, अर्जुन बावलेचा, बाबूलाल लारना, मंगला राम रेणवाल, राजूराम चांदोरा, शिवलाल मांगर, ओमप्रकाश, जगदीश नाराणिया, रामपाल भोपा सहित समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त कुमावत समाज अलवाल के अध्यक्ष सोहनलाल माननिया, मारवाड़ी मार्केट एसोसिएशन सादनगर के अध्यक्ष लादूराम तिलायचा, सीरवी समाज बालाजी नगर बडेर के अध्यक्ष जयराम पंवार, नरेश सोलंकी, सोनाराम बर्फा, नारायणलाल बर्फा, चोल–ाराम, महेंद्र सानपुरा, सीरवी टाइम्स पत्रकार दिलीप पंवार, देवासी समाज के पुजारी भुण्डाराम देवासी, राजपूत समाज के हिरसिंह, जगदीश सीरवी सहित 36 कौम समाज के अनेक गणमान्य बंधु उपस्थित रहे।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और समाज में एकता एवं समरसता का संदेश देकर सफल रहा।

पचेरी अग्रवाल समिति, हैदराबाद करेगी श्री श्याम निशान यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पचेरी अग्रवाल समिति, हैदराबाद की ओर से आगामी 8 फरवरी को भाग्य लक्ष्मी माता मंदिर से काचीगुड़ा की ओर निकलने वाली श्री श्याम निशान यात्रा का घांसी बाजार स्थित पी. सत्यनारायण भवन के समीप श्याम प्रेमियों द्वारा भव्य एवं श्रद्धापूर्ण स्वागत किया जाएगा।

इस संबंध में घांसी बाजार स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर में आज समिति की एक कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जो कैलाश पचेरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निशान यात्रा के स्वागत की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं सेवा कार्यों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में समिति के अध्यक्ष कैलाश पचेरिया, उपाध्यक्ष मनोज पचेरिया, कोषाध्यक्ष श्याम सांवरिया, सचिव नवीन पचेरिया सहमंत्री गोवर्धन पचेरिया, परामर्शदाता गोविंदराम पचेरिया, गोपाल पचेरिया, पूर्व अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने सहभागिता करते हुए यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि श्री श्याम प्रभु की निशान यात्रा का स्वागत करना सौभाग्य और सेवा का अनुपम अवसर है, जिसे पचेरी अग्रवाल समिति पूर्ण श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ निभाएगी।

केसीआर के घोटालों, झूठे वादों का रिकॉर्ड मिटाया नहीं जा सकता : रेवंत रेड्डी

नगर पालिका चुनावों से पहले पारिगी में रेवंत रेड्डी का तीखा राजनीतिक हमला

पारिगी (तेलंगाना), 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर पालिका चुनावों से पहले तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि पूर्व उच् और इठड अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (घउठ) से जुड़े नकली पासपोर्ट, नकली मुद्रा मामले और झूठे वादोंङ्घ्ङ का इतिहास राज्य के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज रहेगा।

पापाला भैरवुडु विरासत को न मिटने देने की जिम्मेदारी

नगर पालिका चुनाव अभियान के संबंध में यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने दृढ़ता से कहा कि घउठ की जिसे उन्होंने पापाला भैरवुडु (पापों का भैरव) विरासत कहा, उसे मिटने न देना उनकी जिम्मेदारी है।उन्होंने बीआरएस के उन आरोपों को खारिज किया कि फोन टैपिंग मामले में घउठ को नोटिस जारी करना राजनीतिक बदला था, यह पूछते हुए कि क्या इतने गंभीर मामले में कानूनी नोटिस देना गलत था।

10 साल की लूट का आरोप

मुख्यमंत्री ने बीआराएसपर 10 साल की लूट का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी उस अवधि को सार्वजनिक स्मृति से मिटा नहीं सकता। उन्होंने याद दिलाया कि घउठ ने तेलंगाना का पहला मुख्यमंत्री एक दलित नेता को बनाने का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया, जबकि कांग्रेस, उनके अनुसार, दलितों को स्पीकर और मंत्री नियुक्त करके सशक्त बनाया।

भाजपा–बीआरएस गुप्त चुनाव समझौते का आरोप

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, रेड्डी ने आरोप लगाया कि इगझ और इठड ने नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस को हराने के लिए गुप्त चुनाव समझौता किया है। उन्होंने दावा किया कि इगझ उम्मीदवार इठड कार्यालयों से इ–फॉर्म प्राप्त कर रहे हैं और सवाल किया कि यदि दोनों दलों ने वास्तव में अपने–अपने कार्यकाल के दौरान तेलंगाना का विकास किया था तो दोनों पार्टियां आक्रामक रूप से प्रचार क्यों कर रही हैं।**मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ चेतावनी**

मतदाताओं को इगझ के खिलाफ चेतावनी देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्थानीय नागरिक मुद्दों को संबोधित नहीं करेंगे, भले ही भगवा पार्टी नगर पालिका चुनाव जीत जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दशक लंबे इठड शासन और 2014 से इगझ के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तेलंगाना को सार्थक विकास देने में विफल रहे।

सिंचाई और क्षेत्रीय उपेक्षा पर हमला

सिंचाई और क्षेत्रीय उपेक्षा पर, रेड्डी ने केसीआर पर जानबूझकर प्रणहिता–चेवेल्ला परियोजना को ठंडे बस्ते में डालने का आरोप लगाया, जिससे रंगारेड्डी जिले में सूखे की स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि परियोजना को छोड़ने से क्षेत्र को गोदावरी जल से वंचित कर दिया गया और किसानों को संकट में धकेल दिया गया।मुख्यमंत्री ने कालेश्वरम परियोजना में भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि यह भारी खर्च के बावजूद तीन साल के भीतर ढह गई और घउठ परिवार पर परियोजना धन से शानदार फार्महाउस बनाने का आरोप लगाया।कांग्रेस की राजनीतिक एजेंडे की पुष्टि करते हुए, रेड्डी ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पारिगी, तांदूर और विकाराबाद में गोदावरी जल लाएगी और अन्य सूखा–ग्रस्त निर्वाचन क्षेत्रों में कृष्णा जल को डायवर्ट करेगी।राशन कार्ड, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, कृषि ऋण माफी, मुफ्त बिजली और बड़े पैमाने पर भर्ती जैसी कल्याणकारी उपायों को उजागर करते हुए, उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा राज्यम ने शासन में लोगों का विश्वास बहाल किया है।आत्मविश्वास व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांग्रेस अगले आठ साल तक तेलंगाना में सत्ता में बनी रहेगी।

गोशामहाल वार्ड में विकास कार्यों का उद्घाटन

पहले चरण में 80 लाख रुपये के कार्य, कुल 11 उद्घाटन कार्यक्रम

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन कॉर्पोरेटर बजट 2026 के तहत गोशामहाल वार्ड में विकास कार्यों के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोशामहाल डिवीजन में पहले चरण में 80 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लाल सिंह, भाजपा कॉर्पोरेटर गोशामहाल उपस्थित थे। इसके अलावा कमल सिंह (वरिष्ठ नेता), राकेश सिंह, अधिवक्ता नटराज नामधारी, जुगल किशोर, विपिन जी, संदीपराज सिंह, जयपाल सिंह, मनजीत सिंह, अमरदीप सिंह, सुधाकर जी, अक्षय साहू, परदीप सिंह, कैलाश सिंह, रवि सिंह, अश्विंदर सिंह, किशन कुमार, रमेश अन्ना और भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कुल 11 उद्घाटन कार्यक्रमों में–

सीसी रोड – विजय फोटो स्टूडियो के पास, गन्ना हजारी बिल्डिंग गली – 7.50 लाख

सीसी रोड – बुध सिंह बैठक बड़ी गली – 5.00 लाख

सीसी रोड और एसडब्ल्यूडी पाइपलाइन – कुली कुतुब शाह मिनी स्टेडियम – 5.60 लाख

वीसीडीडी रोड – मछलीपुरा बलराम गली, लोअर डूलपेट – 4.90 लाख

सीसी रोड – अंबेडकर नगर – 7.10 लाख

सीसी रोड – चंदनवाड़ी – 4.50 लाख

सीसी रोड – 14–10–231 लोअर डूलपेट, मिसरी लाल मैदान – 7.72 लाख

सीसी रोड – 14–10–300 से 14–10–328 तक ठाकुरवाड़ी – 5.75 लाख

सीसी रोड – शांतिनिकेतन लेन के पास, 14–10 ब्लॉक

सीसी रोड और स्टॉर्म वाटर ड्रेन 450एमएम एनवी पाइप्स के साथ – जुम्मेरात बाजार – 12.00 लाख

सीसी रोड – चंदनवाड़ी नगराज किराना स्टोर – 7.93 लाख शामिल हैं।

रेलवे कोर्ट ने यात्री सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए आदतन अपराधी को दोषी ठहराया

रेलवे ट्रैक पर बाधा डालने के मामले में सिकंदराबाद कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्यों के प्रति शून्य सहिष्णुता की पुष्टि करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय में, रेलवे के लिए प्रथम श्रेणी के द्वितीय न्यायिक मजिस्ट्रेट के सम्मानित न्यायालय ने एक आदतन अपराधी को जानबूझकर पत्थर और ईएसआर क्लिप रेलवे ट्रैक पर रखने के लिए दोषी ठहराया है, जो यात्री जीवन और रेलवे संचालन के लिए गंभीर खतरा था।

घटना का विवरण और त्वरित कार्रवाई

08.05.2025 को लगभग 11:00 बजे, एसएसई/पी-वे/काचीगुडा ने आरपीएफ/काचीगुडा को सूचित किया कि काचीगुडा और बुडवेल रेलवे स्टेशनों के बीच खंड में रेलवे ट्रैक जंक्शन प्वाइंटों के बीच जानबूझकर पत्थर और ईएसआर क्लिप रखे गए थे। इस जानकारी को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए, आईपीएफ/काचीगुडा ने तुरंत एसआईपीएफ/एफएम-ओपी के साथ मिलकर एक टीम गठित की और निरीक्षण के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान और गिरफ्तारी

निरीक्षण के दौरान, टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्मता से परीक्षण किया, जिसमें एक साधु को जंक्शन प्वाइंटों के पास संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा गया। संदिग्ध को तुरंत ट्रैस किया गया और हिरासत में लिया गया। हालांकि उसने शुरू में संलिप्तता से इनकार किया, निर्विवाद सीसीटीवी सबूत और भौतिक तथ्यों ने उसकी गिरफ्तारी का मार्ग प्रशस्त किया।

इसके अनुसार, आरपीएफ/काचीगुडा ने रेलवे अधिनियम की धारा 153, 174(सी), और 147 के तहत 08.05.2025 को अपराध संख्या 342/2025 दर्ज की। आरोपी को सम्मानित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आदतन अपराधी की पहचान और अन्य मामले

एसआईपीएफ द्वारा आगे की जांच में पता चला कि आरोपी एक आदतन अपराधी है और उसने तमिलनाडु में इसी तरह के खतरनाक कार्य किए हैं, जिसमें रेलवे जंक्शन प्वाइंटों पर पत्थर और ईएसआर क्लिप रखना शामिल था। उसके विरुद्ध निम्नलिखित मामले लंबित पाए गए- अरक्कोनम आरपीएस - अपराध संख्या 122/2025, रेलवे अधिनियम की धारा 150(1)(ए) के तहत। अरक्कोनम आरपीएस - अपराध संख्या 119/2025, रेलवे अधिनियम की धारा 150(1)(बी)(सी) के तहत। पेरंबुर आरपीएस - अपराध संख्या 119/2025, रेलवे अधिनियम की धारा 150(1)(बी)(सी) के तहत। अवाडी आरपीएस - अपराध संख्या 136/2025, रेलवे अधिनियम की धारा 150(1)(बी) के तहत।

न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा

विस्तृत सुनवाई के बाद, सीसी संख्या 330/2025 में, सम्मानित न्यायालय ने आरोपी ओम, पुत्र रामदास, पुरुष, 42 वर्ष, निवासी हरिपुर कलां, हरिद्वार को दोषी ठहराया और निम्नलिखित सजा सुनाई- रेलवे अधिनियम की धारा 153 के तहत दो (02) वर्ष कारावास। धारा 174(सी) के तहत एक (01) वर्ष कारावास और 1,000 रुपये का जुर्माना (डिफॉल्ट सजा: 3 माह साधारण कारावास)। धारा 147 के तहत छह (06) माह कारावास और 1,000 रुपये का जुर्माना (डिफॉल्ट सजा: 3 माह साधारण कारावास) । सम्मानित न्यायालय ने आदेश दिया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी, और पहले से भुगती गई रिमांड की अवधि काट दी जाएगी।

न्यायालय की महत्वपूर्ण टिप्पणी

सम्मानित न्यायालय ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि रेलवे ट्रैक पर बाधा डालना, अतिक्रमण, या रेलवे परिसर पर असुरक्षित व्यवहार मानव जीवन और रेलवे संपत्ति के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, और इस पर जोर दिया कि ऐसे अपराधों से कानून के तहत कड़ाई से निपटा जाएगा।

जन जागरूकता का संदेश

इस मामले को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है ताकि रेलवे ट्रैक पर पत्थर या किसी भी सामग्री रखने या पत्थरबाजी करने के गंभीर कानूनी परिणामों के बारे में जन जागरूकता पैदा हो सके, और रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने में सार्वजनिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट किया जा सके।

जनता के लिए संदेश

रेलवे राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। नागरिकों से शरअॅपशीींश्रू अनुरोध किया जाता है कि वे रेलवे संपत्ति का सम्मान करें, सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से पालन करें, और सभी के लिए सुरक्षित, सुरक्षित और निर्बाध रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अवैध गतिविधियों से बचें।

बीईएल, हैदराबाद में पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, औद्योगिक परिसर, नाचारम, हैदराबाद में स्थित रक्षा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम में पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। हिंदी में दैनिक काम काज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक श्रीमती नीलभा तिवारी द्वारा संचालन किया गया । अधिकारियों एवं कर्मतारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 80 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक नए पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा कार्यान्वयन वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य, हिंदी व्याकरण एवं भाषा संबंधी अनेक संदेह की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए। राजभाषा टीम, बीईएल, ने सभी को कार्यक्रम में भाग लेने पर सराहना व्यक्त की और हिंदी के प्रगामी प्रगति में सभी का दायित्व एवं सहयोग की अपेक्षा जताई।

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा का फल अवश्य मिलता है : नरेंद्र गुप्ता

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर निरंतर जारी नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा कभी निष्फल नहीं जाती। सेवा ही ऐसा मार्ग है जो व्यक्ति को आत्मिक संतोष के साथ समाज से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी प्रचार और अपेक्षा के जिस समर्पण भाव से सेवा कर रहा है, वह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, जयप्रकाश सारदा, तेजप्रकाश अग्रवाल, विदित अग्रवाल, नरेंद्र गुप्ता एवं गायत्री अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंदों को ससम्मान अन्न वितरण किया।

चिन्ना अनंतागिरी शिव मंदिर में शिवमहा महोत्सव 16 को

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित चिन्ना अनंतागिरी शिव मंदिर में आगामी 16 फरवरी को शिवमहा महोत्सव का आयोजन प्रणव भक्त समाज की ओर से भव्य रूप से किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर आज प्रणव भक्त समाज की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष मोंडरा नरसिम्हा ने की।

बैठक में महोत्सव को सफल बनाने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों के वितरण पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष मोंडरा नरसिम्हा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शिवमहा महोत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, जिसके मद्देनज़र सभी आवश्यक तैयारियाँ समयबद्ध रूप से की जा रही हैं।इस अवसर पर महाशिवरात्रि उत्सव कार्यक्रमों का वॉल पोस्टर भी विधिवत रूप से जारी किया गया।बैठक एवं कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष बारला मल्लारेड्डी, महासचिव अशोक पूजा, कोषाध्यक्ष स्तोत्र भाष्यम हरिनाथ, सचिव कोंदामेडी हरिनाथ, रावुला गंदैया, मुख्य सलाहकार नारागुडेम मल्लारेड्डी, कोलन सुभाष रेड्डी, मैडम रामेश्वर राव, प्रचार सचिव सबदा विजय कुमार, मोंद्रा अयिलैया, पेंटाला सुधाकर रेड्डी, मैडम रामू, चेट्टीगारी चिन्ना नरेंद्र, तुलजागरी श्रीरामुलु, एल. वेंकटेश, कैला रविंदर रेड्डी, पाटलावत रमेश नायक, मोंद्रा राजू, एम. बालासुब्रमण्यम, यू. श्रीकांत एवं पवन भारती शामिल रहे।आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवमहा महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

घांसी बाजार स्थित रानी सती दादी मंदिर में मंगल पाठ आयोजित

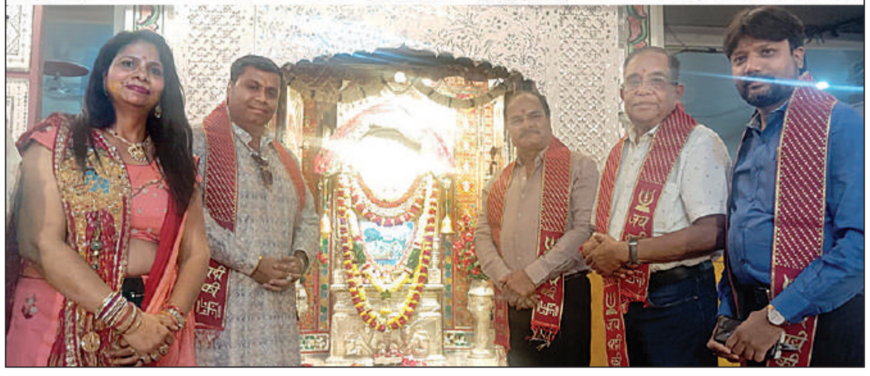

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल महिला संगठन जय दादी मां ग्रुप द्वारा घासी बाजार स्थित रानी सती दादी मंदिर में भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया। यह मंगल पाठ वर्ष 2020 से निरंतर प्रत्येक माह श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा है। मंगल पाठ में माता रानी के जन्मोत्सव से लेकर सती बनने तक की सम्पूर्ण कथा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसमें सभी धार्मिक रस्में विधि-विधान के साथ सम्पन्न की गईं।

मंगल पाठ के उपरांत उपस्थित सभी महिलाओं को प्रसाद एवं सुहाग पिटारा उपहार स्वरूप प्रदान किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं आनंदमय बना रहा।

कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका रिंकू गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि अब माता रानी के मंगल पाठ के साथ-साथ कुलगुरु महार-ाजा श्री अग्रसेन जी की पूजा एवं मंगल पाठ भी प्रत्येक माह किया जाएगा। उन्होंने अग्रोहा धाम को एक प्रमुख तीर्थ स्थल बताते हुए वहां निर्माणाधीन कुलदेवी मां लक्ष्मी जी के मंदिर के विषय में जानकारी दी और सभी श्रद्धालुओं से अग्रोहा धाम दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर माता रानी की पूजा के साथ-साथ महाराजा श्री अग्रसेन जी की भी विधिवत पूजा की गई। कार्यक्रम में विनय कुमार जैन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के युवा अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, मंत्री विपिन अग्रवाल, सह मंत्री जगत नारायण, महिला मंत्री सीनू अग्रवाल तथा सत्यनारायण जी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंत्री रिंकू गर्ग ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रद्धालु महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

लीज़ पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक की ओर से,आरबीओ गोदावरीखानी के तहत, एसबीआई आरएफसीएल रामागुंडम शाखा (61777) के लिए, लीज़ पर व्यावसायिक/कार्यालय उपयोग के लिए, लगभग 176.51 Sq.mts (1900 Sq.fts) का कालीन क्षेत्र (Carpet area) वाले परिसर के लिए मालिकों/पावर ऑफ अटॉर्नी धारकों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में सभी सुविधाएँ होनी चाहिए, जिसमें पर्याप्त बिजली भार (Power load), पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर, ई-लॉबी और वी-सैट (V-SAT) रखने की जगह और अच्छा फ्रंटटेज शामिल है। पूरी जगह एक ही मंजिल पर, अधिमानतः भूतल पर, होनी चाहिए। परिसर कब्जे/अधिभोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक खाली भूखंड (plot) होना चाहिए। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों और मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली के लिए प्रारूप एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर sbi-in-the-news **लिंक के तहत प्रोक्योरमेंट न्यूज़ लिंक से 08/02/2026 से 02/03/2026** तक डाउनलोड किया जा सकता है और इसे भरकर जमा किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को वरीयता दी जाएगी। सभी प्रकार से पूर्ण प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215 को 02/03/2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक या उससे पहले** जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों के आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aonizi@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

प्लास्टइंडिया 26 एक्सपो, दिल्ली में हाईप्लेक्स का प्रमोशन

तापमा की स्टॉल से उद्योग जगत को दिया आमंत्रण

नई दिल्ली/हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्लास्टइंडिया 26 एक्सपो, दिल्ली में तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा), हैदराबाद द्वारा हाईप्लेक्स 26 के प्रमोशन हेतु विशेष स्टॉल लगाई गई है। इस स्टॉल के माध्यम से देशभर से आए प्लास्टिक उद्योग से जुड़े उद्यमियों को हाईप्लेक्स 26 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा, उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी सहित एसोसिएशन की मार्केटिंग टीम के सदस्यों सुरेश सोमानी, बी. एल. भंडारी, संजीव जैन, अनिल रेड्डी, वेणुगोपाल जस्ती, भास्कर रेड्डी, किशोर कुमार एवं मनोज दुगड़ ने स्टॉल का दौरा किया। टीम ने एक्सपो में आए उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद कर हाईप्लेक्स 26 के महत्व, अवसरों एवं व्यापारिक संभावनाओं की जानकारी दी और प्रभावी मार्केटिंग प्रयास किए।

तापमा पदाधिकारियों ने बताया कि हाईप्लेक्स 26 प्लास्टिक उद्योग के लिए नवीन तकनीक, व्यापार विस्तार और नेटवर्किंग का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-773595X, Rank-SUB, Name- M Krishna Reddy R/o Vill - Laxmipur, PO-Palibandha, Distt-Ganjam, State-Odisha, PIN-761026, I have changed my Mother name from M BUDHI REDDY to M BUDHI and also DOB changed from 01/07/1961 to 03/07/1962 add in my service documents vide affidavit date 06 Feb 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I Service No- 17003012Y, Rank - NK Name- BASAVARAJ BALAPPA PATIL R/o Vill- Sultanpur, PO-Sultanpur, Teh-Hukkeri, Dist-Belagavi, State-Karnataka, PIN-591309, I have changed my Daughter name from PRAKRUTI to PRAKRUTI BASAVARAJ PATIL and date of birth is 17/07/2015 add my service documents vide Affidavit date 07/02/2026 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, POOPANDIYAMMAL is legally wedded Spouse of service No-14668039Y, Rank-HAV Name-R Venkateswaran R/o Vill & PO-S Tharaikudi, PS-Sayalkudi, Teh-Kadaladi, Distt-Ramanathapuram, State-Tamil Nadu, PIN-623135, I have changed my name from POOPANDIYAMMAL to POOPANDIAMMAL M and also date of birth changed from 09/03/1991 to 05/01/1997 add in my husband service documents date 06 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No- 17013193H Rank - NK Name- Manpal Singh R/o Vill- Nagla Hira Singh, PO-Kagarol, Dist-Agra, State- Uttar Pradesh, PIN-283119, I have changed my Daughter name from BHUMI to BHOOMI and also date of birth changed from 12/12/15 to 12/12/16 add my service documents vide Affidavit date 06/02/2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा जारी

नयी दिल्ली 07 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों की ओर से शनिवार को एक संयुक्त बयान घोषित कर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह समझौता भारत में कृषि, मत्स्य,सूक्ष्म लघु और मझोले उद्योग तथा अन्य श्रम गहन क्षेत्रों में रोजगार के विशाल अवसर उत्पन्न करेगा तथा इससे दोनों देशों के बीच उच्च पद प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति शृंखला के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा।

श्री मोदी ने दोनों देशों के बीच हुई सहमति को भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों की मजबूती के प्रति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिबद्धता बताया है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लिए हुई सहमति पर एक विज्ञप्ति में कहा है,अमेरिका और भारत यह घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं कि वे पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते (अंतरिम समझौता) के ढांचे पर सहमत हो गए हैं।

आज के समझौते की यह रूपरेखा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसमें बाजार में प्रवेश को और आसान बनाने की प्रतिबद्धताएं शामिल होंगी और अधिक लचीली आपूर्ति शृंखलाओं को समर्थन मिलेगा। ''

विज्ञप्ति में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच यह अंतरिम समझौता हमारे देशों की साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा, जो पारस्परिक हितों और ठोस परिणामों पर आधारित पारस्परिक और संतुलित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अंतरिम समझौते की प्रमुख शर्तों के बारे में संयुक्त बयान में कहा गया है कि यहसमझौता दोनों देशों के सभी औद्योगिक सामानों और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्कों को समाप्त या कम करेगा, जिसमें सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट तथा अन्य उत्पाद शामिल हैं।

इसके तहत भारत के साथ व्यापार के बारे में अमेरिका के 2 अप्रैल, 2025 के सरकारी आदेश को संशोधित किया गया है।

इन संशोधनों के अनुसार भारत में निर्मित वस्तुओं पर अमेरिका में 18 प्रतिशत की परस्पर अनुवर्ती दर से शुल्क लागू होंगे लागू होंगे ।

इस शुल्क के तहत आने वाली वस्तुओं में वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी शामिल हैं।

अंतरिम समझौते के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर अमेरिका पिछले साल 5 सितंबर को जारी आदेश को संशोधित करेगा। अमेरिका पिछले साल सितंबर में प्रशुल्क समायोजन संबंधी अपने आदेश में शामिल वस्तुओं की एक विस्तृत शृंखला पर जवाबी शुल्क हटा देगा। इन वस्तुओं में जेनेरिक दवाएं , रत्न और हीरे और विमान के पुर्जे शामिल हैं।

अमेरिका, भारत के कुछ विमानों और विमान पुर्जों पर लगाए गए उन शुल्कों को भी हटा देगा जो 8 मार्च, 2018 और 30 जुलाई, 2025 के आदेशों में उल्लिखित राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों को समाप्त करने के लिए लगाए गए थे। इसी प्रकार, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, भारत को उन ऑटोमोबाइल पुर्जों के निर्यात के लिए लिए शुल्क दर आधारित कोटा प्राप्त होगा जिन पर 17 मई, 2019 के आदेश और उसके बाद संशोधित आदेशों में राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों को समाप्त करने के लिए शुल्क लागू लागू था।

अंतरिम समझौते के तहत फार्मास्यूटिकल्स और फार्मास्युटिकल अवयवों की अमेरिकी धारा 232 जांच के निष्कर्षों के आधार पर, भारत को जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स और अवयवों के संबंध में बातचीत के माध्यम से समाधान निकल जाएंगे ।

विज्ञप्ति के अनुसार दोनों देश एक दूसरे को अपने-अपने हित के क्षेत्रों में निरंतर आधार पर तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका और भारत ऐसे उत्पत्ति नियम स्थापित करेंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि समझौते के लाभ मुख्य रूप से अमेरिका और भारत को ही प्राप्त हों।

अमेरिका और भारत द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाली गैर- प्रशुल्कीय की बाधाओं का समाधान करेंगे।

संयुक्त वक्तव्य केअनुसार भारत अमेरिकी चिकित्सा उपकरणों के व्यापार में लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने; अमेरिकी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच में देरी करने या उन पर मात्रात्मक प्रतिबंध लगाने वाली प्रतिबंधात्मक आयात लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को समाप्त करने; और समझौते के लागू होने के छह महीने के भीतर, सकारात्मक परिणाम की दिशा में, यह निर्धारित करने पर सहमत है कि क्या अमेरिकी-विकसित या अंतर्राष्ट्रीय मानक, जिनमें परीक्षण आवश्यकताएं भी शामिल हैं, भारतीय बाजार में प्रवेश करने वाले अमेरिकी निर्यात के लिए चिन्हित क्षेत्रों में स्वीकार्य हैं। दोनों देशों केबीच लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करने के महत्व को समझते हुए, भारत अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों के व्यापार में लंबे समय से चली आ रही गैर प्रशुल्कीय के इधर बाधाओं को दूर करने पर भी सहमत है।

व्यापार को लेकर लागू तकनीकी विनियमों के अनुपालन को सुगम बनाने के उद्देश्य से, दोनों पक्ष पारस्परिक रूप से सहमत क्षेत्रों के लिए अपने-अपने मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रियाओं पर चर्चा करेंगे।

किसी भी देश द्वारा निर्धारित शुल्क में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की स्थिति में, दोनों पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं में संशोधन कर सकते हैं।

वक्तव्य के अनुसार अमेरिका और भारत व्यापार समझौता ज्ञापन (बीटीए) की वार्ता के माध्यम से बाजार पहुंच के अवसरों को और अधिक विस्तारित करने की दिशा में काम करेंगे।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है,अमेरिका इस बात की पुष्टि करता है कि वह बीटीए की वार्ता के दौरान भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने के लिए भारत के इस अनुरोध को ध्यान में रखेगा।

अमेरिका और भारत आर्थिक सुरक्षा सरेखण को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं ताकि आपूर्ति शृंखला की लचीलता और नवाचार को बढ़ाया जा सके। इसके लिए तीसरे पक्ष की गैर-बाजार नीतियों से निपटने के लिए पूरक कार्रवाई की जाएगी, साथ ही साथ आंतरिक और बाहरी निवेश समीक्षाओं और निर्यात नियंत्रणों पर सहयोग किया जाएगा।

भारत अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के पुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा रखता है।

दोनों देश ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) और डेटा केंद्रों में उपयोग होने वाली अन्य वस्तुओं सहित तकनीकी उत्पादों में व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे और संयुक्त तकनीकी सहयोग का विस्तार करेंगे। अमेरिका और भारत ने डिजिटल व्यापार में भेदभावपूर्ण या बोझिल प्रथाओं और अन्य बाधाओं को दूर करने और बीटीए के हिस्से के रूप में मजबूत, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी डिजिटल व्यापार नियमों को प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट मार्ग निर्धारित करने की प्रतिबद्धता जताई है।

अमेरिका और भारत इस ढांचे को तुरंत लागू करेंगे और अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे ताकि संदर्भ की शर्तों में सहमत रोडमैप के अनुरूप पारस्परिक रूप से लाभकारी बीटीए को संपन्न किया जा सके।

केयर हॉस्पिटल्स पर सेवा की कमी के लिए 3.5 लाख का जुर्माना

हैदराबाद उपभोक्ता आयोग ने लगाया भारी जुर्माना, रिफंड और मुआवजे का आदेश

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केयर हॉस्पिटल्स को सेवा की कमी के लिए हैदराबाद जिला उपभोक्ता आयोग-3 द्वारा 3.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आयोग ने अस्पताल को रोगी को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ राशि वापस करने का निर्देश दिया। इसने केयर हॉस्पिटल्स को 1 लाख रुपये मुआवजे के रूप में और 10,000 रुपये मुकदमे की लागत के रूप में भुगतान करने का भी आदेश दिया। यह आदेश बीमा निपटान के बावजूद अग्रिम भुगतान वापस न करने की शिकायत के बाद आया।

मुरलीधर राव का मामला और शिकायत

यह मामला हिमायतनगर के निवासी, 74 वर्षीय मुरलीधर राव द्वारा दायर किया गया था। उन्हें 1 मार्च 2025 को न्यूनतम इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी के लिए बंजारा हिल्स स्थित केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। राव न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी द्वारा जारी एक समूह मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत कवर थे। इसलिए, उन्होंने अस्पताल में कैशलेस उपचार के लिए आवेदन किया।

शिकायत के अनुसार, अस्पताल के कर्मचारियों ने राव को सूचित किया कि बीमा स्वीकृति में देरी होगी। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि दावा निपट जाने के बाद कोई भी अग्रिम भुगतान वापस कर दिया जाएगा। इस आश्वासन पर भरोसा करते हुए, राव ने 3.5 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल ने उस समय भुगतान के लिए उचित रसीदें जारी नहीं कीं।

सर्जरी और बीमा निपटान की जानकारी

सर्जरी 3 मार्च को की गई और राव को 10 मार्च को छुट्टी दे दी गई। बाद में, उन्हें पता चला कि बीमा कंपनी ने उनके उपचार अवधि के दौरान ही अस्पताल के साथ पूरा बिल निपटा दिया था। हालांकि, बार-बार अनुरोध के बावजूद, अस्पताल कथित तौर पर अग्रिम राशि वापस करने में विफल रहा। इसलिए, यह देरी उपभोक्ता आयोग के समक्ष मुख्य मुद्दा बन गई।

राव ने कहा कि उन्होंने 9 अप्रैल को एक कानूनी नोटिस भेजा। उन्होंने 18 अप्रैल और 1 मई को ईमेल से भी इसका अनुसरण किया। हालांकि, उन्हें अस्पताल से कोई जवाब नहीं मिला। कोई अन्य विकल्प न होने के कारण, उन्होंने कथित सेवा की कमी के लिए राहत मांगते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

एकतरफा कार्यवाही और आयोग का निर्णय

सुनवाई के दौरान, केयर हॉस्पिटल्स की ओर से कोई प्रतिनिधि आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। अस्पताल ने कोई लिखित जवाब भी दायर नहीं किया। इसलिए, आयोग ने एकतरफा कार्यवाही की। इसने शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत सबूतों की जांच की, जिसमें छुट्टी का सारांश, भुगतान रिकॉर्ड, स्क्रीनशॉट और ईमेल पत्राचार शामिल थे।

सामग्री की समीक्षा के बाद, आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि केयर हॉस्पिटल्स की कार्रवाइयां स्पष्ट रूप से सेवा की कमी का प्रमाण हैं। इसने अस्पताल को ब्याज के साथ 3.5 लाख रुपये वापस करने, मुआवजा भुगतान करने और मुकदमे की लागत वहन करने का निर्देश दिया। आयोग ने यह भी आदेश दिया कि सभी भुगतान 45 दिनों के भीतर पूरे किए जाएं।

हैदराबाद जिला कुश्ती संघ (हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट एमेच्योर रेसलिंग एसोसिएशन) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालिया पहलवान द्वारा अंडर-15 हैदराबाद जिला चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जियागुडा खेल मैदान (बीएचके जियागुडा प्ले ग्राउंड) में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में ए. रक्षित सिंह) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया।

हैदराबाद आरआरआर भूमि लागत केंद्र-राज्य द्वारा 50-50 साझा की जाएगी

उत्तरी खंड के लिए 162 किमी की डीपीआर अंतिम रूप दी गई

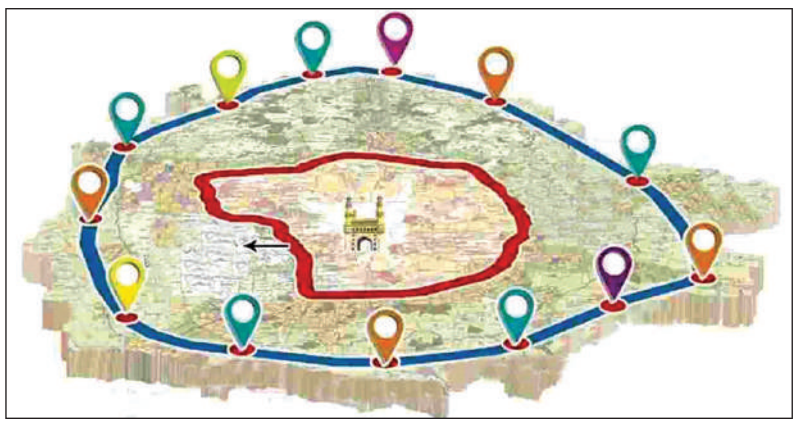

हैदराबाद, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आरआरआर (रिजनल रिंग रोड) परियोजना ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया है, जिसमें उत्तरी खंड के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अब अंतिम रूप दे दी गई है। दीर्घकालिक लंबित हैदराबाद उत्तरी क्षेत्रीय रिंग रोड 162 किलोमीटर के खंड को कवर करती है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में यह अपडेट साझा किया। यह विकास हैदराबाद में यातायात दबाव को कम करने के लिए उद्देशित एक परियोजना पर प्रगति का संकेत देता है।

परियोजना का उद्देश्य और महत्व

हैदराबाद आरआरआर शहर में भीड़भाड़ कम करने की योजना बनाई गई है। यह माल ढुलाई और दूरी की यातायात को शहरी सड़कों से दूर रीडायरेक्ट करेगा। साथ ही, यह तेलंगाना के उत्तरी जिलों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार का लक्ष्य रखता है। अधिकारी इस परियोजना को सहज परिवहन आवाजाही और बेहतर सड़क योजना के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं।

भूमि अधिग्रहण लागत साझेदारी पर समझौता

भाजपा सांसद ईटेला राजेंदर द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र और तेलंगाना सरकार ने भूमि अधिग्रहण लागत को समान रूप से साझा करने पर सहमति व्यक्त की है। इस व्यवस्था के तहत, राज्य भूमि लागत का 50 प्रतिशत वहन करेगा। शेष लागत केंद्र द्वारा वहन की जाएगी। मंत्री के अनुसार, यह निर्णय हैदराबाद आरआरआर परियोजना के निष्पादन को तेज करने की उम्मीद है।

तेलंगाना सरकार की अतिरिक्त वित्तीय सहायता

इस बीच, तेलंगाना सरकार ने आगे की वित्तीय सहायता भी बढ़ाई है। उसने निर्माण के लिए आवश्यक खनिजों पर रॉयल्टी में छूट की पेशकश की है। साथ ही, इसने परियोजना से जुड़े राज्य वस्तु और सेवा कर की वापसी करने की भी सहमति दी है। ये कदम वित्तीय बोझ को कम करने और हैदराबाद आरआरआर के सहज कार्यान्वयन का समर्थन करने की उम्मीद हैं।

केंद्रीय वित्त पोषण और राज्य में विकास

गडकरी ने लोकसभा को राज्य के लिए केंद्रीय वित्त पोषण सहायता के बारे में भी सूचित किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को वर्तमान वित्तीय वर्ष में केंद्रीय अवसंरचना निधि से 367.17 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह आवंटन सड़क अवसंरचना को मजबूत करने का लक्ष्य रखता है। यह राज्य में चल रही और आगामी राजमार्ग परियोजनाओं का भी समर्थन करेगा।

पिछले छह वर्षों में, तेलंगाना में लगभग 1,904 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया गया है। इसी अवधि के दौरान, 21 नए टोल प्लाजा स्थापित किए गए। ये उपाय यातायात प्रवाह का प्रबंधन और राजमार्ग संपत्तियों के रखरखाव पर केंद्रित हैं।

परियोजना से अपेक्षित लाभ

एक बार परिचालन में आने के बाद, हैदराबाद RRR से शहरी सड़कों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। यह माल ढुलाई के लिए यात्रा समय भी कम करेगा। अधिकारियों का मानना है कि यह हैदराबाद और आसपास के जिलों के बीच पहुंच में सुधार करेगा। परियोजना से औद्योगिक विस्तार, लॉजिस्टिक्स हब और संतुलित क्षेत्रीय विकास का भी समर्थन होने की उम्मीद है, जिससे हैदराबाद RRR राज्य के लिए एक प्रमुख परिवहन गलियारा बन जाएगा।

टीटीडी को आपूर्ति किए गए घी में मिलावट के लिए इस्तेमाल किए गए कोरियाई मोनोग्लिसराइड्स

एसआईटी जांच में हुआ बड़ा खुलासा, वाईएसआरसी शासनकाल में भोले बाबा डेयरी पर आरोप

विजयवाड़ा, 07 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला में लड्डू प्रसादम के निर्माण के लिए आपूर्ति किए गए घी में मिलावट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में पता चला है कि वाईएसआरसी शासनकाल के दौरान टीटीडी को घी की आपूर्ति करने वाली भोले बाबा डेयरी ने घी में भारी मात्रा में मोनोग्लिसराइड्स नामक रसायन का इस्तेमाल किया था।

कोरिया से आयात, दिल्ली से खरीद

जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली स्थित रघुबीर सरन ओवरसीज ने कोरिया से ये रसायन आयात किए थे, जिसे बाद में सुगंध ऑयल ने खरीदा और फिर भोले बाबा डेयरी को आपूर्ति की। अप्रैल 2025 में की गई छापेमारी के दौरान, सुगंध ऑयल कंपनी के परिसर में 200-किलोग्राम क्षमता वाले कई ड्रम मिले, जो वीनस ब्रांड मोनोग्लिसराइड्स से लदे हुए थे।ड्रम पर लगे लेबल में दिखाया गया कि मोनोग्लिसराइड्स कोरिया में इलशिन वेल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित किए गए थे। उत्तराखंड के भगवानपुर में भोले बाबा डेयरी पर एसआईटी की छापेमारी में भी परिसर पर मोनोग्लिसराइड्स का स्टॉक मिला। एफआईआर में उल्लेख है कि मोनोग्लिसराइड्स का उपयोग मिलावटी घी के निर्माण में किया गया था, जो टीटीडी को आपूर्ति किया गया था।

जानवरों की चर्बी की आशंका

मोनोग्लिसराइड्स वनस्पति तेलों या जानवरों की चर्बी से निर्मित होते हैं। चूंकि वनस्पति तेलों की लागत अधिक होती है, इसलिए यह संभावना है कि तिरुमाला मंदिर को आपूर्ति किए गए घी में इस्तेमाल किए गए मोनोग्लिसराइड्स में जानवरों की चर्बी शामिल थी।

जुलाई 2024 में एसआईटी को भेजे गए घी के नमूनों में, एनडीडीबी-सीएएलएफ लैबों ने घी में सुअर और भैंस की चर्बी की उपस्थिति पाई। एसआईटी को इस मुद्दे की गहराई से जांच अभी करनी बाकी है।

नकली इनवॉइस और मिलावट की विधि

एसआईटी ने यह भी पाया कि भोले बाबा डेयरी ने खाद्य तेलों के नकली इनवॉइस बनाए, जबकि उसने सुगंध ऑयल से मोनोग्लिसराइड्स खरीदे थे।

एसआईटी जांच में पता चला कि मिलावटी घी का उत्पादन पाम तेल, पाम कर्नेल तेल, मोनोग्लिसराइड्स, बीटाकैरोटीन, एसिटिक एसिड एस्टर और लैक्टिक एसिड मिलाकर किया गया था। मोनोग्लिसराइड्स का उपयोग मिश्रण को घी जैसा दिखाने और इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए किया जाता है, क्योंकि ये परिरक्षक का काम करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.